राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित
वर्ष : 12
अंक : 77
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 01 अक्टूबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 जामिया मिल्लिया इस्लामिया में भिड़े दो छात्र गुट, फायरिंग में एक छात्र घायल, अस्पताल में भर्ती
पेज 5 कानपुर : हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे के भांजे पर रासुका, बिकरू कांड में भी था शामिल
पेज 7 पाकिस्तान के प्रधानमंत्री आवास में सेंध, 'ऑडियो लीक' के बाद हटाई गई जासूसी डिवाइस; बदले नियम

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में जैश के 2 आतंकी ढेर

2-3 दहशतगर्दों के छिपे होने की खबर, अग्निवीर भर्ती रैली पर हमले की प्लानिंग थी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के 2 आतंकियों को मार गिराया है। अभी इलाके में 2-3 आतंकियों के छिपे हुए हैं। इनके साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकी जम्मू-कश्मीर के बारामूला में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली में हमले की योजना बना रहे थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी 4-5 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर आने वाले हैं। वे 4 अक्टूबर को राजौरी और 5 अक्टूबर को बारामूला में रहेंगे। अमित शाह के दौरे से पहले जम्मू-कश्मीर में 3 दिनों में 5 आतंकी ढेर किए गए हैं।

2 आतंकी ढेर, एनकाउंटर जारी

स्स्क बारामूला रईस मोहम्मद भट ने बताया कि बारामूला के येदिपोरा गांव में जैश-ए-मोहम्मद के कुछ आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। इस पर सुरक्षाबलों ने सक्रियता दिखते हुए पूरे गांव को घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान आतंकियों ने टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में 2 आतंकी ढेर हो गए हैं, एनकाउंटर अभी भी जारी है।

इस हफ्ते जैश के 5 आतंकी ढेर

इससे पहले जम्मू-कश्मीर में कुलगाम जिले के अहवातू में मंगलवार को सुरक्षाबलों जैश के दो आतंकियों को मार गिराया था। इससे पहले सुरक्षाबलों ने सोमवार रात कुलगाम के वेस बटपोरा इलाके में एक आतंकी को मार गिराया था। आतंकी की पहचान पाकिस्तान निवासी अबु हुरैरा के रूप में हुई है, यह जैश का ए कैटेगरी का आतंकी था। इस एनकाउंटर में सेना का एक जवान और 2 नागरिक भी घायल हुआ था। तीनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। इस तरह से सोमवार से शुक्रवार तक कुलगाम में जैश के पांच आतंकी मारे गए हैं।

अग्निवीर भर्ती रैली पर हमले की थी प्लानिंग

एनकाउंटर में मारे गए आतंकियों के पास से कई हथियार बरामद हुए हैं। स्स्क ने कहा कि आतंकी बारामूला में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली पर हमला करने की प्लानिंग कर रहे थे। उन्हें भर्ती रैली विफल करने का टारगेट दिया गया था। इस रैली में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में युवा पहुंचे हैं।

प्रधानमंत्री आज देश में 5 जी सेवाओं का करेंगे शुभारंभ

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अक्टूबर को देश में पहली 5 जी सेवा का शुभारंभ और इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2022 के छठे संस्करण का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार इस दौरान राजधानी के द्वारका सेक्टर 25 में दिल्ली मेट्रो के आगामी स्टेशन की एक भूमिगत सुरंग से 5जी सेवाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। 5 जी तकनीकी के जरिए बिना किसी रुकावट के हाई स्पीड इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकेगा। नयी दिल्ली के प्रगति मैदान एक से चार अक्टूबर तक 4 दिवसीय इंडिया मोबाइल कांग्रेस कार्यक्रम आयोजित होगा।

दिल्ली में पेरेंट्स पर भड़के भाजपा सांसद

स्कूल की शिकायत लेकर पहुंचे लोगों से बोले- समस्या है तो बच्चे पैदा ही क्यों किए

नई दिल्ली। दिल्ली के भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी का एक विवादित वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कुछ लोगों से कह रहें हैं कि समस्या है तो बच्चे पैदा क्यों किए। दरअसल, सांसद के पास कुछ बच्चों के पेरेंट्स एक स्कूल की शिकायत करने के लिए पहुंचे थे। यहां पेरेंट्स ने सांसद बताया कि स्कूल में सही पढ़ाई नहीं हो रही है। फीस भी ज्यादा ली जा रही है। बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है। पेरेंट्स की इन समस्याओं को सुलझाने की बजाय सांसद ने बड़े तीखे अंदाज में जवाब दिया कि इतनी परेशानी है तो

बच्चे ही पैदा क्यों किया।

सांसद का यह वीडियो आम आदमी पार्टी के विधायक संजीव झा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। साथ ही कैप्शन में लिखा- भाजपा सांसद का ये शर्मनाक बयान है। वीडियो वायरल होने के बाद आप भाजपा पर हमलावर हो गई है।

पेरेंट्स बोले- जब वोट मांगने आए थे तब नहीं की ऐसी बात

सांसद के बयान पर बच्चों के पेरेंट्स ने गुस्सा जताते हुए कहा कि जब नेता लोग चुनाव के लिए वोट मांगने आते हैं, तब ऐसी बात नहीं कहते हैं। उस वक्त बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। हाथ में पर्चे थमाते हैं। हाथ जोड़कर कहते हैं कि आपका वोट बहुत जरूरी है। घर में जितने भी सदस्य हैं सभी हमें वोट दें। कुछ लोगों ने कहा- अब क्या सांसद बताएंगे की हमें बच्चे पैदा करना चाहिए या नहीं।

लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान ने सीडीएस का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नयी दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान (सेवानिवृत्त) ने सोमवार को नए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष यानी सीडीएस का कार्यभार संभाल लिया। लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान देश के दूसरे सीडीएस है। कार्यभार संभालने से पहले सुबह वह राष्ट्रीय युद्ध समारक गए और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके तीनों

सेनाओं के शीर्ष अधिकारियों ने कार्यालय पहुंचने पर उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष के रूप में कामकाज संभाला। लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान सैन्य मामलों के विभाग के सचिव का कार्य भी देखेंगे।

उन्होंने पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के स्थान पर यह जिम्मेदारी संभाली है। जनरल रावत की दिसंबर 2021 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। उसके बाद से यह पद खाली पड़ा था। लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान ने सेना में करीब 40 वर्ष के कैरियर के दौरान विभिन्न कमान, स्टाफ और महत्वपूर्ण नियुक्तियों पर कार्य किया है। उन्हें विशेष रूप से जम्मू कश्मीर तथा पूर्वोत्तर में आतंकवाद तथा उग्रवाद रोधी अभियानों का अच्छा खासा अनुभव है। अट्ठारह मई 1961 को जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान को 1981 में सेना की 11 गोरखा राइफल में कमीशन मिला था।

देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 3,947 नये मामलों की पुष्टि

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में अभी भी कोविड-19 संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। ये मामले हालांकि पिछले दिनों की तुलना में कम हैं। यहां पिछले 24 घंटों में कोरोना महामारी संक्रमण के 3,947 नये मामले सामने आए, जिससे अब संक्रमित मरीजों का कुल आंकड़ा बढ़कर 4,45,87,307 हो गया। दैनिक संक्रमण दर 1.23 प्रतिशत है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 218.52 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं और पिछले 24 घंटे में कोविड-19 सक्रिय मामलों के आंकड़ों में 1167 की कमी आई है, जिससे अब संक्रिय मरीजों का आंकड़ा घटकर 39583 रह गया और सक्रिय मामलों की दर 0.09 प्रतिशत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस से 5,096 लोग स्वस्थ हुए हैं और देश भर में अब तक कुल 4,40,19,095 लोग कोरोना मुक्त हो चुके हैं और इसी अवधि में कोरोना महामारी से नौ मरीजों की मौत हो गयी, जिससे देश भर में अब मृतकों की संख्या बढ़कर 528629 हो गई और मृत्यु दर 1.19 फीसदी पर बरकरार है और स्वस्थ दर बढ़कर 98.73 प्रतिशत हो गयी है।

पिछले 24 घंटों में 3,20,734 कोविड परीक्षण किए गये हैं। जिसके बाद कुल परीक्षणों की संख्या 89.50 करोड़ से अधिक हो चुकी हैं।

पिछले 24 घंटों में आठ राज्यों और दो केन्द्र शासित प्रदेश में कोराना के मामलों में बढ़ोतरी हुई है और अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके मामलों में कमी देखी गयी है।

पंजाब-हरियाणा में 112 एमपी-एमएलए दागी

कोर्ट में आपराधिक केस विचाराधीन; दोनों राज्यों की स्टेट्स रिपोर्ट हाईकोर्ट पहुंची; सुप्रीम कोर्ट ने मांगी जानकारी

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा ने पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दोनों राज्यों में कुल 112 एमपीऔर एमएलए दागी हैं, जिनके खिलाफ विभिन्न अदालतों में मुकदमे चल रहे हैं। पिछली सुनवाई में हाइकोर्ट की फटकार के बाद राज्यों ने यह जानकारी दी है।

हरियाणा में 13 मामले

हरियाणा सरकार की तरफ स्टेट विजिलेंस ब्यूरो के DIG पंकज नैन ने कोर्ट को बताया है कि राज्य में 13 पूर्व

एमपी और एमएलए के खिलाफ मामले अदालत के सामने विचाराधीन हैं। इनमें पूर्व सीएम ओम प्रकाश चौटाला, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व एमएलए रामकिशन फौजी, विनोद भ्याना, जरनैल सिंह, नरेश सेलवाल, राव नरेंद्र सिंह, राम निवास, धर्मपाल छोक्कर, सुखबीर कटारिया और बलराज कुंडू शामिल हैं।

कोर्ट में जानकारी दी गई है कि गुरुग्राम में गलत ट्वीट करने का एक मामला कांग्रेस नेता शशि थरूर पर भी केस चल रहा है। इसके अलावा पूर्व मंत्री मांगे राम गुप्ता का भी एक मामला राज्य की अदालत में विचाराधीन है।

पंजाब में 99 एमपी-एमएलए पर चल रहे मुकदमे

पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दायर करके बताया है कि राज्य के पूर्व और मौजूदा एमपी और एमएलए के खिलाफ 99 केस राज्य की अलग-अलग अदालतों में चल रहे हैं। 42 केसों में जांच जारी है, जिसे जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगी थी जानकारी

सुप्रीम कोर्ट ने ही सभी राज्यों के हाईकोर्ट को अपने राज्यों में आपराधिक केसों में संलिप्त एमपी और एमएलए की जानकारी मांगी थी। इन्हीं आदेशों पर सभी राज्यों की हाईकोर्ट ने अपने-अपने क्षेत्राधिकार के राज्यों से यह जानकारी मांगी, जो जानकारी सभी राज्यों की ओर से सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई थी, उसके अनुसार देशभर के 1765 सांसदों और विधायकों के खिलाफ 3045 आपराधिक मामले लंबित हैं।

एमपी : कच्चे मकान की दीवार गिरने से 4 मजदूरों की मौत

मलबे में दबे थे मजदूर, तीन ने मौके पर एक ने अस्पताल में तोड़ा दम, कमलनाथ ने ट्वीट कर जताया दुख

धार। ग्राम कुक्षी में निर्माणधीन मकान के पास स्थित पुराने मकान की दीवार शुक्रवार दोपहर को गिर गई। निर्माणाधीन मकान पर चार मजदूर काम कर रहे थे, जो दीवार के कारण मलबे में दब गए। अचानक हुए हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल मच गया। सूचना तुरंत राजस्व विभाग सहित पुलिस अमले को दी गई।

क्षेत्र के लोगों की मदद से दबे में मजदूरों को मलबे से 20 मिनट की मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। मजदूरों को तुरंत गंभीर अवस्था में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां पर डॉक्टर ने तीन मजदूरों की मौत हुई थी। वहीं एक गंभीर घायल को

बड़वानी रेफर कर दिया गया था, जिसकी मौत हो गई। इधर, सूचना मिलते ही कुक्षी पुलिस ने मौके पर पंचनामा बनाया है। पीएम के बाद मजदूरों के परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

घायल को बड़वानी किया रेफर

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कुक्षी के कचहरी चौक में एक मकान का निर्माण चल रहा है। इस मकान के पास स्थित पुराने जमाने का मकान बना हुआ है। इस मकान की ही दीवार करीब 3.45 बजे अचानक गिर गई। इस हादसे में मलबे में दबने से गोविंद पिता कालू सिंह, रूप सिंह और राकेश नाम के मजदूर की अस्पताल में मौत हो गई है। वहीं तेर सिंह नाम के मजदूर को प्राथमिक उपचार के बाद बड़वानी भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, पुरषोतम गवली नाम के व्यक्ति का मकान निर्माण का काम चल रहा था, जिसका ठेका सीताराम नाम के ठेकेदार के पास था। ऐसे में आगे की जांच पुलिस की जारी है। एसडीओपी दिलीप सिंह के अनुसार कचहरी चौक पर अचानक निर्मानधीन मकान की दीवार गिर गई, हादसे में 3 की मौत हो गई है।

सीएम ने ट्वीट कर दी श्रद्धांजली

कुक्षी में हुए हादसे के बाद प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ में ट्वीट के माध्यम से परिवार के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है। साथ ही सरकार से पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने की बाद भी रखी है। वहीं भाजपा के प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल ने भी इस हादसे को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक पत्र लिखा है। पूरे हादसे की जानकारी पत्र में दी है। साथ ही मलबे में दबे मजदूरों को समुचित आर्थिक सहायता स्वीकृत करने की मांग भी रखी है।

भारत जोड़ो यात्रा का 23वां दिन

बेगूर (कर्नाटक)। कांग्रेस की कन्याकुमारी से कश्मीर तक के लिए सात सितम्बर को शुरु हुई भारत जोड़ो यात्रा 23वें दिन शुक्रवार को तमिलनाडु और केरल होते हुए कर्नाटक पहुंच गई। पदयात्रा सुबह गुडालुर-गुडापेट से आरंभ हुई और साढ़े नौ बजे कर्नाटक के चामराजनगर के ओटी कालीकट जंक्शन पहुंची जहां कर्नाटक के लोगों ने यात्रियों का भव्य स्वागत किया। कालीकट जंक्शन में गुंडुलपेट में अम्बेडकर भवन के सामने से फिर शुरु हुई और करीब चार किलोमीटर पैदल चलकर पंजनहल्ली के भगवान शनेश्वर मंदिर में विश्राम के लिए पहुंची। यात्रा का रात्रि पड़ाव बेगूर बस स्टाफ गंडुलुपेट में बेगुर गांव हाईस्कूल के पास रहा।

कांग्रेस अध्यक्ष की रेस; बागी गुट भी खड़गे का प्रस्तावक

मल्लिकार्जुन रेस में आगे, 30 लीडर्स उनके नॉमिनेटर बने; थरूर-त्रिपाठी भी कैंडिडेट

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस में अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए शुक्रवार को 3 नामांकन हुए। पहला नामांकन शशि थरूर, दूसरा नामांकन झारखंड के कांग्रेस लीडर केएन त्रिपाठी और तीसरा नॉमिनेशन मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। इसके साथ ही तय हो गया है कि अगला अध्यक्ष गैर-गांधी ही होगा।

सबसे पहले खड़गे के 30 और थरूर के 9 प्रस्तावकों को जान लीजिए

मल्लिकार्जुन खड़गे : एके एंटनी, अशोक गहलोत, अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, अभिषेक मनु सिंघवी, अजय माकन, भूपिंदर हुड्डा, दिग्विजय सिंह, तारिक अनवर, सलमान खुर्शीद, अखिलेश प्रसाद सिंह, दीपेंदर हुड्डा, नारायण सामी, वी वथिलिंगम, प्रमोद तिवारी, पीएल पुनिया, अविनाश पांडे, राजीव शुक्ला, नासिर हुसैन, मनीष तिवारी, रघुवीर सिंह मीणा, धीरज प्रसाद साहू, ताराचंद, पृथ्वीराज चाव्हाण, कमलेश्वर पटेल, मूलचंद मीणा, डॉ. गुंजन, संजय कपूर और विनीत पुनिया।

शशि थरूर : कार्ति चिदंबरम, सलमान सोज, प्रवीण डाबर, संदीप दीक्षित, प्रद्युत बरदलोई, मोहम्मद जावेद, सैफुद्दीन सोज, जीके झिमोमी, और लोवितो झिमोमी।

थरूर और त्रिपाठी के प्रस्तावकों में इक्का-दुक्का लीडर्स थे, लेकिन गांधी फैमिली की चॉइस बताए जा रहे मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रस्तावकों की लिस्ट में 30 बड़े नेताओं के नाम हैं। इनमें जी-23 के बड़े चेहरे आनंद शर्मा और मनीष तिवारी भी शामिल हैं। खड़गे के साथ नेताओं के हुजूम की तस्वीर यह साफ कर रही है कि नॉमिनेशन ही नतीजे हैं।

किसान महापंचायत में राकेश टिकैत ने सरकार पर किया हमला

कहा- मुकदमा लिखना इनका काम, 26 नवंबर से किसानों की समस्याओं पर होगा बड़ा आंदोलन

श्रावस्ती। श्रावस्ती के रत्नापुर में आयोजित किसान महापंचायत में भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत शामिल हुए। जहां किसान नेताओं ने उनका स्वागत किया। जहां राकेश टिकैत ने लोगों को संबोधित करते हुए सरकार पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि आंदोलन कर अपनी बात कहने वाले किसानों पर मुकदमा लिख दिया जाता है। इनका टारगेट है कि किसानों की जमीन को किस तरीके से छीन लिया जाए।

राकेश टिकैत ने कहा कि 26 नवंबर को किसानों की समस्याओं पर

बड़ा आंदोलन होगा। अगर कोई किसान अपनी बात आंदोलन के माध्यम से कहता है तो उन पर मुकदमा लिखना इनका काम है। सरकार केवल दबाव बनाने का काम कर रही है। इस सरकार में जमीनों को अधिग्रहण करने का काम किया जा रहा है।

बिना एक रुपये दिए किसानों की जमीन का किया अधिग्रहण

लखनऊ एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण पर भी राकेश टिकैत ने सवाल उठाया और कहा कि बिना एक रुपये दिए किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया गया। इनका पहला टारगेट है कि किसानों की जमीन कैसे छीन ली जाए। यह तीन कानून लेकर आ गए थे, लेकिन आप लोग यह जान लीजिए कि अगर दिल्ली में आंदोलन ना हुए होते तो आप की भी जमीन चली जाती।

अवैध निर्माण

श्रीकांत और 15 फ्लैट ओनर्स के अवैध निर्माण तोड़े, अनु त्यागी ने हटाए गए पेड़ फिर से लगाए

नोएडा की ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में चला बुलडोजर

एजेंसी

नोएडा। नोएडा की ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में शुक्रवार को प्राधिकरण का बुलडोजर चला। अधिकारियों ने करीब 6:30 घंटे तक कार्रवाई की। 4 बुलडोजर और 4 डंपर देखकर सोसायटी के लोगों ने विरोध किया। सरकार के खिलाफ नारे लगाए। लेकिन इसके बाद भी कार्रवाई नहीं रुकी। कुछ महिलाएं अधिकारियों के सामने फूट-फूटकर रोने लगीं।

श्रीकांत त्यागी के घर के बाहर लगे 17 पाम ट्री में 12 पेड़ उखाड़कर फेंक दिए गए। इसके अलावा 15 फ्लैट ओनर्स के अवैध निर्माण बुलडोजर से ढहा दिए गए। अधिकारियों के वापस लौटने के बाद रात में अनु त्यागी ने उखाड़े गए पेड़ों को फिर से लगा दिया। 132 फ्लैट ऑनर्स को अवैध निर्माण हटाने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन इसके बाद भी लोगों ने अवैध निर्माण नहीं हटाए।

श्रीकांत की पत्नी अनु त्यागी ने कार्रवाई का विरोध किया। उन्होंने कहा कि उनके पास बिल्डर की एनओसी है। एनोसी भी दिखाई, लेकिन अधिकारी नहीं माने। अलेक्जेंडर टावर में बाउंड्रीवॉल को भी तोड़ा गया। यहां पर अवैध रूप से पेड़ लगाए थे, उनको भी हटा दिया

गया। इससे पहले लोगों ने बुलडोजर के आगे खड़े होकर हंगामा किया। सोसाइटी के बाहर ही बुलडोजर को रोक लिया था। सोसाइटी का मेन गेट बंद कर दिया था। उनका कहना है कि हमने कोई अवैध निर्माण नहीं किया। अगर किया है तो उसे पहले लिखित बताया जाए, इसके बाद हम खुद हटा लेंगे।

घर के आगे शेड बना लिए हैं

नियोजन विभाग ने बताया कि यहां किए सर्वे में अधिकांश फ्लैट आवंटियों ने घर के आगे शेड (लकड़ी, लोहे और प्लास्टिक) से बनाए हैं। इसके साथ पेड़ों को लगाकर कॉमन एरिया को कवर किया गया है। इन शेड और पेड़ों को हटाया जाना था। नोएडा अथॉरिटी की सीईओ रितु माहेश्वरी ने बताया कि सोसाइटी में जो भी अवैध निर्माण हैं वह हर हाल में हटाए जाएंगे।

नोएडा अथॉरिटी की टीम ने भी किया सर्वे

सोसाइटी के लोगों ने अवैध निर्माण न होने की बात कही। इस पर अथॉरिटी की टीम सर्वे के लिए आज फिर अंदर गई। लोगों ने अपने फ्लैट और उसके आस-पास दिखाया। कहा कि जो भी बना है वह अतिक्रमण नहीं है। नोएडा अथॉरिटी के OSD इंदु प्रकाश सिंह और अविनाश त्रिपाठी, नियोजन विभाग के GM इश्तियाक अहमद समेत सोसाइटी के कुछ सीनियर सिटीजन ने सर्वे किया।

2 गौरवशाली भारत

राज्यों से

नई दिल्ली
शनिवार 01 अक्टूबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

भगवान मलयप्पा स्वामी को 'राजमन्नार' रूप में देखकर आनंदित हुए भक्त

तिरुमाला। आंध्र प्रदेश के तिरुमाला में वार्षिक ब्रह्मोत्सवम के चौथे दिन शुक्रवार को कल्पवृक्ष वाहन पर राजमुड़ी (हेडगियर), दंडम (हाथ का हथियार), श्रीदेवी और भूदेवी के साथ सवार भगवान मलयप्पा स्वामी को राजसी 'राजमन्नार' के रूप में देखकर भक्त बहुत आनंदित हुए। रंग-बिरंगे रेशमी वस्त्रों में लिपटे, कीमती पत्थरों से जड़े हुए गहनों में सजे श्री मलयप्पा स्वामी ने चार माडा सड़कों के चारों ओर एक आकाशीय सवारी की। सार्वभौमिक भगवान को राजमन्नार के रूप में उनके आकाशीय वैभव के साथ देखकर भक्त बहुत उत्साहित हुए और 'गोविंदा... गोविंदा' की जयकार करने लगे। इस आयोजन के दौरान तिरुमाला के दोनों बड़े और छोटे पुजारी, टीटीडी के अध्यक्ष वाई वी सुब्बा रेड्डी, कार्यकारी अधिकारी ए वी धर्मा रेड्डी, टीटीडी बोर्ड के सदस्य अशोक कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पुडुचेरी बिजली हड़ताल के समर्थन में पंजाब, हरियाणा में ट्विटर अभियान

जालंधर। पंजाब और हरियाणा समेत देशभर में हजारों बिजली इंजीनियर निजीकरण के खिलाफ पुडुचेरी बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के समर्थन में 'ट्विटर अभियान' में शामिल हो गए तथा आरएफपी दस्तावेजों को तत्काल वापस लेने की मांग की। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) के प्रवक्ता वी के गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि पुडुचेरी बिजली विभाग के इंजीनियर और कर्मचारी बिजली वितरण और खुदरा बिक्री के निजीकरण के सरकार के फैसले के विरोध में बुधवार से केंद्र शासित प्रदेश में 20,000 से अधिक कर्मचारियों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। गुप्ता ने कहा कि एआईपीईएफ ने हड़ताल का समर्थन करते हुए पुडुचेरी के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल से बिजली विभाग के निजीकरण के संबंध में आरएफपी दस्तावेजों को तत्काल वापस लेने की अपील की है। उन्होने कहा कि प्रेस रिपोर्टों के अनुसार गुरुवार को कई विधायक मुख्यमंत्री से मिले और बिजली के निजीकरण की प्रक्रिया को वापस लेने की मांग की।

प्रधानाचार्य को धमकाने वाला विस उपाध्यक्ष का ऑडियो हुआ वायरल

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा उपाध्यक्ष हंसराज का आजकल एक कथित आडियो क्लिप वायरल हो रहा है जिसमें वह जवाहर नवोदय स्कूल के प्रधानाचार्य को अपने रिश्तेदार के बच्चे का दाखिला करने के लिए धमकाते हुए सुनाई दे रहे हैं। कथित आडियो क्लिप में अब तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक को जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य पर अपने रिश्तेदार के बच्चे को प्रबंधन कोटे के तहत स्कूल में भर्ती करने के लिए दबाव डालते हुए सुना गया। जब प्रधानाचार्य ने कहा कि प्रबंधन कोटा समेत सभी तरह के प्रवेश बंद हो गए है तो विधानसभा उपाध्यक्ष ने हंगामा किया। हंसराज ने कथित तौर पर प्रधानाचार्य को उनके अनुरोध का पालन न करने पर उनका तबादला करने की धमकी दी। ऑडिया क्लिप में यह सुना गया कि मुझे इसके लिए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को फोन करना पड़ा और उन्हें प्रधानाचार्य के गृह राज्य राजस्थान के बजाय अफगानिस्तान में तबादला करना चाहिए। गौरतलब है कि इस साल मई में विधानसभा उपाध्यक्ष ने कथित तौर पर कक्षा में एक छात्र को थप्पड़ मारा था।

कांग्रेस आंतरिक सत्ता को बचाने में व्यस्त

शिमला। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सासंद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि कांग्रेस के वर्तमान हालत खराब है और आंतरिक सत्ता को बचाने में व्यस्त है। त्रिवेदी ने कहा कि एक ओर भारत जोड़ो यात्रा चली है दूसरी तरफ कांग्रेस के नेता कांग्रेस को छोड़ कर जा रहे हैं। जहां भाजपा मोदी जी के नेतृत्व में सेवा पखवाड़ा मना रही है वहीं कांग्रेस आंतरिक सत्ता संघर्ष में व्यस्त है। त्रिवेदी ने शुक्रवार को यहां प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हृदय में विशेष स्थान है। प्रधानमंत्री हिमाचल प्रदेश को अपना दूसरा घर मानते हैं और अटल बिहारी वाजपेयी का मनाली के प्रीणि में अपना घर है और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा हिमाचल के बिलासपुर से संबंध रखते हैं और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हमीरपुर से है, इससे यह साबित होता है कि हिमाचल का भाजपा की दृष्टि में विशेष स्थान है। सुधांशु ने कहा कि प्रदेश की जयराम सरकार ने समाज के हर क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है । कोविड 19 टीकाकरण में सौ प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य सर्वप्रथम पूर्ण करने पर हिमाचल प्रदेश को बधाई दी है। इसके साथ-साथ उन्होंने कहा स्वास्थ्य क्षेत्र में एम्स बिलासपुर जो 15 सौ करोड़ रूपये की लागत से निर्मित पूर्ण सुविधाओं सहित जनता को शीर्घ ही समर्पित किया जाएगा और स्वास्थ्य क्षेत्र में हिमाचल जैसे छोटे राज्य को 6 मैडिकल कॉलेज डबल इंजन सरकार की मुख्य देन है। उन्होंने बताया कि 450 करोड़ रूपये की लागत से पीजीआई का सेटेलाईट का सेंटर ऊना में तैयार हो रहा है इसके साथ ही हिमाचल को लेवल वन से लेवल थ्री ट्रोमा सेंटर दिए गए हैं।

अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों, प्रशिक्षुओं ने की राष्ट्रपति मुर्मू से भेंट

नयी दिल्ली। भारतीय रक्षा संपदा सेवा, भारतीय कौशल विकास सेवा, भारतीय व्यापार सेवा और भारतीय दूरसंचार सेवा के अधिकारियों/ प्रशिक्षु अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस अधिकारियों और प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए श्रीमती मुर्मू ने कहा कि संबंधित सेवाओं का हिस्सा बनने के बाद, उनका प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्र और उसके लोगों की पूरी ईमानदारी से सेवा करना होना चाहिए। राष्ट्रपति भवन की एक विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रपति को यह जानकर प्रसन्नता हुई कि रक्षा संपदा महानिदेशालय ने रक्षा संपदाओं के प्रबंधन के लिए उपग्रह इमेजरी, भू-स्थानिक तकनीकों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों को अपनाया है। उन्होंने भारतीय रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों से छावनियों के प्रभावी प्रशासन के लिए प्रौद्योगिकी का अधिकतम संभव सीमा तक उपयोग करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय दूरसंचार सेवा के अधिकारियों के करियर में प्रौद्योगिकी की और भी अधिक केंद्रीय भूमिका है। पिछले दो दशकों के दौरान भारत में दूरसंचार क्रांति हुई है। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे हम 5जीबाइल टेलीफोनी की ओर बढ़ते हैं, तकनीकी प्रगति और इसके कार्यान्वयन में तेजी आने वाली है। भारतीय दूरसंचार सेवा के अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे इन घटनाक्रमों से अवगत रहें।

सुप्रीम कोर्ट ने नए संसद भवन पर स्थापित 'सिंह' में बदलाव की याचिका की खारिज

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नवनिर्मित संसद भवन की छत पर स्थापित भारत के 'राजचिह्न' अशोक स्तंभ के सिंह की अनुकृति के कथित भाव एवं दृश्य परिवर्तन के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका शुक्रवार की खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह (नवनिर्मित संसद भवन की छत पर स्थापित प्रतीक) भारत का राजचिह्न (अनुचित उपयोग का निषेध) अधिनियम- 2005 के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता है। पीठ ने राजचिह्न के भाव एवं दृश्य परिवर्तन के संदर्भ में कहा, यह धारणा व्यक्ति के दिमाग पर निर्भर करती है। अधिवक्ता अल्दानिश रीन और रमेश कुमार मिश्रा की ओर से दायर याचिका में शीर्ष अदालत से गुहार लगाई गई थी कि वह केंद्र सरकार को भारत के राजचिह्न को सुधारने के लिए एक निर्देश जारी करे। याचिका में दावा किया गया था कि हाल ही में नई दिल्ली में सेंट्रा विस्टा परियोजना के तहत निर्मित नए संसद भवन की छत पर स्थापित अशोक स्तंभ में सिंह की अनुकृतियां खुले मुंह के साथ क्रूर और भी आक्रामक लगती हैं। याचिका में कहा गया था कि नए स्थापित राजचिह्न में 'सिंहों' के डिजाइन में एक स्पष्ट अंतर है। ये सारनाथ संग्रहालय में संरक्षित प्रतीक की तुलना में बदले हुए रूप को दर्शाते हैं। याचिका में कहा गया था कि भारत का राजचिह्न केवल एक ग्राफिक डिजाइन नहीं है, बल्कि इसका सांस्कृतिक और दार्शनिक महत्व भी है। सिंह को अशोक के दार्शनिक और आध्यात्मिक अर्थ के कारण भारत के राजचिह्न के रूप में अपनाया गया था।

अदालतों में 4 करोड़ से ज्यादा केस लंबित

जजों से मशीन की तरह नहीं करवा सकते काम : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने जजों पर बोझ कम करने और न्याय पाने के लिए लोगों के संघर्ष को दूर करने के बीच संतुलन बनाने की वकालत की है। देश की अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ने के बीच उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों से मशीन की तरह काम नहीं कराया जा सकता है। रीजीजू ने कहा कि अलग-अलग अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या करीब 4.8 करोड़ है। रिजिजू गुरुवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के सम्मेलन इंडियानाइजेशन ऑफ लीगल सिस्टम एंड एजुकेशन में बोल रहे थे। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन

विश्वविद्यालय के विधि संकाय और राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने संयुक्त रूप से किया है। मंत्री ने कहा, एक तरफ हम आधुनिक कानूनी व्यवस्था की बात कर रहे हैं, जो जवाबदेही, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर आधारित है। दूसरी तरफ हम कह रहे हैं कि हमारे देश के आम लोगों को न्याय पाने में मुश्किल हो रही है।

अदालतों में 4.8 करोड़ लंबित मामलों की संख्या

कानून मंत्री ने कहा, जब मैंने कानून और न्याय मंत्री के रूप में (2021 में) पदभार संभाला था, तो भारत की विभिन्न अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या 4.2 करोड़ से थोड़ी अधिक थी। एक साल, तीन महीने की अवधि में यह 4.8 करोड़ को पार करने वाली है। एक तरफ हमारे न्यायाधीश मुकदमों को निपटाने के लिए कितनी कोशिश रहे हैं और दूसरी तरफ न्याय पाने के लिए आम लोग कितना संघर्ष कर रहे हैं।

'जज को 50-60 मामलों का निपटारा करना है तो...'

रिजिजू ने कहा कि हमें संतुलन बनाने की जरूरत है। हम न्यायाधीशों से मशीन की तरह काम नहीं करवा सकते। उच्चतम न्यायालय से लेकर निचली अदालत तक भारत में हर न्यायाधीश 50-60 मामलों को देख रहा है। अगर जज को 50-60 मामलों का निपटारा करना है तो वे कैसे न्याय दे सकते हैं? इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय किशन कौल, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह शामिल हुए।

त्रिपुरा : नाबालिगों से दुष्कर्म व हत्या के लिए दो दोषी करार

अगरतला। त्रिपुरा की दो अलग-अलग अदालतों ने शुक्रवार को दक्षिण त्रिपुरा तथा धलाई जिलों में दो नाबालिग लड़कियों से बलात्कार और हत्या करने के आरोप में दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

दक्षिण त्रिपुरा जिला अदालत के विशेष न्यायाधीश ने 27 वर्षीय सुगरिब त्रिपुरा को एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और हत्या करने तथा उसके छोटे भाई की भी हत्या करने का दोषी पाया है।

सिद्धिनगर, तालितिला का निवासी सुग्रीब को पिछले वर्ष मई में गबताली की नाबालिग लड़की रीता डे के साथ बलात्कार और हत्या करने तथा उसके भाई हृदय डे की हत्या करने के आरोप में पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 व भारतीय दंड संहिता की धारा 366, 376 (ए/बी), 302 और 201 के तहत दोषी पाया गया एवं उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

दूसरे मामले में, धलाई जिला अदालत के विशेष न्यायाधीश ने गंडाचेरा थाना के अंतर्गत आने वाले ब्रिघुरामपारा गांव के निवासी अंगजॉय मोग को पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 और भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पुलिस के अनुसार, अंगजॉय मोग और क्राफ्रू मोग की शादी हुई थी। दोनों की यह दूसरी शादी थी। क्राफ्रू की पिछली शादी से एक नाबालिग बेटी है। अंगजॉय ने क्राफ्रू की नाबालिग बेटी का बार-बार यौन शोषण किया।

आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग करना दुर्भाग्यपूर्ण : बोम्मई

हुबली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को कहा कि विपक्ष के नेता सिद्धारमैया का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की मांग करना अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

बोम्मई ने आज यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास यह पूछने का कोई आधार नहीं है कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया है क्योंकि यह वहीं पार्टी थी जिसने पीएफआई के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लिया था।

उन्होंने कहा कि अपनी गलतियों को छिपाने के लिए कांग्रेस नेता आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन वे यह नहीं कहते कि इसे प्रतिबंधित क्यों किया जाए। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने गरीबों, दलितों और बेसहारा लोगों के लिए कई संस्थान बनाए हैं और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मदद की है।

राहुल गांधी ने भाजपा व आरएसएस पर साधा निशाना

गुंदलुपेट (कर्नाटक)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय जनता दल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के पास केंद्र सरकार के खिलाफ खड़ा होने का एकमात्र विकल्प 'भारत जोड़ो यात्रा' बचा हुआ है।

गांधी की यात्रा तमिलनाडु की सीमा गुडलूर से कर्नाटक के गुंदलुपेट में प्रवेश कर चुकी है।

उन्होंने कहा, लोकतंत्र में विभिन्न संस्थान होते हैं जहां पर आप अपनी बात रख सकते हैं जैसे कि मीडिया और

संसद। विपक्ष के लिए सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं।

मीडिया हमारे विचारों को जनता तक नहीं पहुंचाता है और यह पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में है। जब हम संसद में बोलना चाहते हैं तो हमारे माइक बंद कर दिए जाते हैं, विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया जाता है। राज्य विधानसभाओं को चलने नहीं दिया जा रहा है। इसलिए विपक्ष के पास भारत जोड़ो यात्रा ही एकमात्र विकल्प बचा हुआ है।

उन्होंने कहा,कोई भी शक्ति हमें इस मार्ग पर चलने से नहीं रोक सकती है क्योंकि हम इस पथ पर नहीं चल रहे हैं यह भारत की आवाज है। इस यात्रा के माध्यम से हम लोगों के दुख-दर्द और कष्टों को सुन रहे हैं।

इसलिए भाषण कुछ मिनटों तक ही सीमित करते हैं, जबकि सुबह से शाम तक यात्रा करना और लोगों की बातें सुनने का काम किया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि सभी जाति, धर्म और भाषा के लोग इस यात्रा में शामिल हो रहे हैं जो भाईचारे का प्रतीक है जबकि भाजपा और आरएसएस सत्ता में बने रहने के लिए नफरत और हिंसा फैला रहे हैं।

यह यात्रा कर्नाटक के सात जिलों से होकर गुजरेगी और लगभग 500 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इसमें कर्नाटक की सात लोकसभा और 22 विधानसभा सीटें को कवर किया जाएगा। कर्नाटक में कुछ महीने बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

उत्तराखंड मूल की महिलाओं को आरक्षित वर्ग में मिलने वाले आरक्षण पर भी हाईकोर्ट ने लगाई रोक

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उत्तराखंड मूल की महिलाओं को सरकारी सेवा में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग में मिलने वाले 30 प्रतिशत आरक्षण पर भी रोक लगा दी है। न्यायालय के इस आदेश से सरकार को एक महीने में यह दूसरा बड़ा झटका लगा है। इससे पहले न्यायालय ने 24 अगस्त को अनारक्षित वर्ग में भी महिलाओं के लिए भी 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण पर रोक लगा दी थी।

इस मामले को उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी सत्य देव त्यागी की ओर से चुनौती दी गयी। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रमेश चंद्र खुल्बे की युगलपीठ में हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उच्च न्यायालय ने पिछले महीने 24 अगस्त, 2022 को एक आदेश जारी कर सरकार के 24 जुलाई, 2006 के शासनादेश पर रोक लगा दी थी जिसमें उत्तराखंड मूल की महिलाओं के लिये सरकारी सेवा में क्षैतिज आरक्षण 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया था।

याचिकाकर्ता की ओर से आगे कहा गया कि उच्च न्यायालय के आदेश के चलते उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने 224 पदों की प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम में संशोधन कर दिया लेकिन आरक्षित वर्ग के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण को यथावत रख दिया। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि यह उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता की ओर से इस पर भी रोक लगाने की मांग की गयी।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डॉ. कार्तिकेय हरि गुप्ता के अनुसार अदालत ने यूपीएससी के इस कदम पर भी रोक लगा दी है और यूकेपीएससी को 11 अक्टूबर तक जवाब देने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में 11 अक्टूबर को सुनवाई होगी।

किसानों ने कई जगह लगाया जाम, लोग परेशान

चंडीगढ़। पंजाब में किसान हाल में हुई बारिश के कारण फसलें खराब होने का मुआवजा ,गन्ने का बकाया और गन्ने के भाव तय करने की मांग को लेकर शुक्रवार को फिर सड़कों पर उतरे और कई राष्ट्रीय राजमार्ग तथा सड़कों पर जाम लगाया जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। किसानों ने विभिन्न शहरों में हल्ला बोल के दौरान सड़कों पर जाम लगाया । वे खराब फसलों की गिरदावरी तथा अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके नेताओं का कहना है कि हमारी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से बैठक हुई थी उनको लेकर अब सरकार मुकर रही है।

फिर से देश का दूसरा सीडीएस पौड़ी का बनने पर गर्व का माहौल

देहरादून। हिमालय की पर्वत कंदराओं पर स्थित उत्तराखंड, जिसके युवा जांबाज सेना के विभिन्न अंगों के माध्यम से देश सेवा के पर्याय बने हुए हैं। ऐसे में लगातार दूसरी बार इसी राज्य और पौड़ी जिले से ही सेना के सर्वोच्च पद चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ (सीडीएस) का दूसरे बार चुना जाना अत्यन्त गौरवपूर्ण और उत्साहित करने वाला है। देश के पहले सीडीएस हेलीकॉप्टर दुर्घटना में शहीद जनरल विपिन रावत के अवसान के लगभग नौ माह बाद सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान की इस पद पर नियुक्ति ने राज्य का मान एक बार फिर बढ़ा दिया है। बुधवार को श्री चौहान की नियुक्ति की घोषणा के बाद से ही सिर्फ उनके गृह जनपद पौड़ी में ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य में जश्न का वातावरण है। चौहान मूल रूप से पौड़ी जिले के खिर्सू ब्लॉक के देवलगढ़ गवाणा के निवासी हैं। अभी तक वह दिल्ली में रहकर नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (एनएससी) में सैन्य सलाहकार की अहम जिम्मेदारी निभा रहे हैं। देहरादून की पॉश कॉलोनी बसंत विहार में भी उनका आवास है। जहां उनके 94 वर्षीय पिता रहते हैं। इसे सौभाग्य ही कहा जायेगा कि उत्तराखंड के राज्यपाल सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने नव नियुक्त सीडीएस लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान के साथ सेना में कार्य किया है।

सरकार धान के दाने-दाने की खरीद, ढुलाई के लिए वचनबद्ध : धालीवाल

चंडीगढ़ । पंजाब सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है और धान का एक एक दाने की खरीद की जायेगी।

कृषि मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने शुक्रवार को यहां किसान संगठनों को भरोसा दिया कि धान के एक-एक दाने की खरीद और ढुलाई की जायेगी। इसके लिए धान की समय पर खरीद और ढुलाई के लिए निर्देश जारी किये गए हैं। मंडी बोर्ड के अधिकारियों को धान के खरीद सीजन के दौरान किसानों के लिए दाना मंडियों में लाईटों, पीने वाले पानी, साफ़-सफ़ाई, शौचालयों आदि के सभी ज़रुरी प्रबंध करने के निर्देश जारी किये गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चीनी मिलों की तरफ से पांच नवंबर से अपना कामकाज शुरू करने को यकीनी बनाने के लिए प्रयत्नशील है।

मोहम्मद अली पार्क दुर्गा पूजा में राजस्थान के शीश महल की झलक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इस साल यूथ एसोसिएशन ऑफ मोहम्मद अली पार्क में दुर्गा पूजा पंडाल में राजस्थान का प्रसिद्ध शीश महल की झलक दिखाई दे रही है।

पंडाल का उद्धाटन शुक्रवार को सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने किया। इस अवसर पर विधायक विवेक गुप्ता, पार्षद और नगर अध्यक्ष रेहाना खातून, पूर्व विधायक स्मिता बख्शी, संजय बख्शी, पार्षद राजेश सिन्हा और कई अन्य प्रतिष्ठित लोग उपस्थित थे।

राजस्थान के शीश महल को 'मिरर पैलेस' के नाम से भी जाना जाता है। यह भव्य कीमती पत्थरों और कांच खूबसूरती से हाथ से तैयार की गई पेंटिंग शीश महल को एक अजूबा बनाती है। दुनिया को दर्पणों के उपयोग के नए तरीकों से परिचित कराने का श्रेय राजस्थान को जाता है।

राजस्थान में कांच का प्रयोग पहले घरों को सजाने के लिए किया जाता था, लेकिन सच तो यह है कि पहले शीशे का प्रयोग बाहर की दीवारें, मिट्टी की दीवारों पर छोटे और गोलाकार टुकड़ों को बड़े करीने से लगाकर सजाने के लिए किया जाता था।

मोहम्मद अली पार्क दुर्गा पूजा के महासचिव सुरेंद्र के आर शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कई लोगों के आग्रह पर हम इस साल शीश महल थीम लेकर आए हैं। क्योंकि लोग राजस्थान नहीं जा सकते है लेकिन कोलकाता में ही वास्तुकला का आनंद लेना चाहते थे। उन्होंने कहा कि समारोहों को और अधिक जीवंत और शाही बनाने के लिए हम इस मिरर पैलेस को वास्तुकला के शानदार नमूने में से एक के रूप में डिजाइन कर रहे हैं।

पंडाल की दीवार और छत को सुंदर चित्रों और फूलों से उकेरा गया है जो शुद्ध कांच और कीमती पत्थर से बना है। प्रकाश की एक छोटी सी किरण भी इसको हजारों तारों में परिवर्तित कर देती है और यह शानदार दिखता है। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इस पंडाल को बनाने में किस स्तर की वास्तुकला का उपयोग किया गया है। जयपुर का शीश महल बदलते समय और विकसित हो रहे शहर के परिदृश्य का प्रमाण है।

किसान नेता हमलावरों को गिरफ्तार करने की मांग, किसानों ने किया एसपी कार्यालय का घेराव

सिरसा। हरियाणा किसान मंच के प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद सिंह भारू खेड़ा पर कातिलाना हमला करने के आरोपियों को गिरफ्तार न करने से खफा किसानों ने शुक्रवार को सिरसा में पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय का घेराव किया और उसके बाद धरना पर बैठ गए।

किसान नेता भारू खेड़ा हमले में घायल हो गए जो उपचाराधीन हैं स्ट्रेचर पर लेटकर घेराव का साथ दिया इस दौरान पंजाब की किसान जथेबंदियों ने भी हिस्सा लिया। किसानों ने कहा कि अगर पुलिस ने आगामी छह अक्टूबर तक इस हमले के असली आरोपियों को नहीं पकड़ा तो सिरसा में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान किसान नेता भारू खेड़ा ने बताया कि उन पर 22 अगस्त को कुछ लोगों ने राह रोककर जानलेवा हमला किया, उसे प्राथमिक उपचार के बाद हिसार में दाखिल करवाया गया हमले में उसके दोनों पैर और एक हाथ टूट गया और गंभीर चोटें आई। मगर स्थानीय पुलिस राजनीतिक दखल के चलते हमलावरों को गिरफ्तार करने में आनाकानी कर रही है। इस अवसर पर उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए हरियाणा किसान मंच के जिलाध्यक्ष लक्खा सिंह ने कहा कि एक माह बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा असली आरोपियों को गिरफ्तार न करना और उसकी मंशा को दर्शाता है उन्होंने कहा कि अगर स्थानीय पुलिस ने आगामी पांच अक्टूबर तब तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया तो छह अक्टूबर से बड़ा आंदोलन होगा। उन्होंने श्री भारू खेड़ा के परिवार को मिल रही धमकियों के दृष्टिगत सुरक्षा मुहैया करवाने की भी मांग की।

हरियाणा किसान मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष गुरदीप सिंह बाबा ने कहा कि पुलिस किसान नेता श्री भारू खेड़ा पर हुए कातिलाना हमले को पारिवार का मामला बताकर कार्रवाई से पीछे हट रही है उन्होंने कहा कि श्री भारू खेड़ा की आज भी जान जोखिम में हैं वही उनके परिवार को भी जान से मारने की धमकियां मिल रही इसके बावजूद पुलिस कोई कठोर कदम नहीं उठा रही।

स्फूर्ति मेले की हुई शुरुआत

नयी दिल्ली। खादी और ग्रामोद्योग आयोग स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिए एक पखवाड़े के लिए राष्ट्रीय राजधानी में 'स्फूर्ति मेला' का आयोजन कर रहा है जिसमें हथकरघा, हस्तशिल्प, खादी, नारियल रेशा, कृषि-उत्पाद आदि से संबंधों को प्रदर्शित किया जाएगा। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि स्फूर्ति मेला एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक आयोजित होगा। इसका उद्देश्य पारंपरिक क्षेत्रों जैसे हथकरघा, हस्तशिल्प, खादी, कयर, कृषि-उत्पादों को प्रोत्साहन देना है। अभी तक 498 स्फूर्ति समूहों का गठन किया जा चुका है जिनसे लगभग तीन लाख कारीगरों को फायदा हो रहा है।

खड़गे ने कांग्रेस डेलीगेटों से मांगा अध्यक्ष पद के चुनाव में समर्थन

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि वह कांग्रेस की विचारधारा में पले बढ़े हैं और हमेशा पार्टी के लिए काम किया है इसलिए डेलीगेटों से आग्रह है कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए उन्हें वोट दें।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए शुक्रवार को यहां श्री मल्लिकार्जुन खडगे ने पार्टी मुख्यालय में नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा,आज मैंने अपना नामांकन पत्र पेश किया है और मुझे सभी लीडर्स, कार्यकर्ता, डेलीगेटों और जितने भी प्रमुख राज्य हैं, उन राज्यों के नेताओं ने भी यहाँ पर हाजिर होकर मुझे प्रोत्साहित किया और नॉमिनेशन भरने के लिए वे खुद यहाँ मौजूद रहे हैं, इसलिए मैं उन सबको धन्यवाद देता हूँ। मैं यही अपील करूँगा- सारे हमारे डेलीगेट, जो वोटर्स हैं, वो मेरे पक्ष में ज्यादा से ज्यादा बहुमत बनाकर मुझे जिताएंगे।

उन्होंने कहा,मैं जो लड़ाई हमेशा लड़ता आया हूँ और लड़ना चाहता हूँ। कांग्रेस पार्टी के जो उसूल हैं, जो आईडियोलॉजी है, उस आइडियोलॉजी के साथ मैं बचपन से जुड़ा हूँ। जब मैं 8वीं, 9वीं में पढ़ता था, तब मैं पर्चे बांटता था। दीवारों पर लिखने की कोशिश करता था कि इस देश में पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के उसूलों, गांधी जी के उसूलों, डॉ बाबा साहेब आम्बेडकर, जिन्होंने संविधान तैयार किया, ऐसे नेताओं की विचारधारा को सामने रखते हुए और खासकर इस समय मुझे याद करना जरूरी है कि श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने खुद गुलबर्गा आकर हम सबको प्रोत्साहित करके, कांग्रेस में एक ऊर्जा तैयार करके, कांग्रेस पार्टी में एक काम करने का मौका दिया और पहला टिकट मुझे 1972 में मिला, तब से मैं लगातार चुनते आ रहा हूँ और चुना जा रहा हूँ।

कांग्रेस नेता ने कहा,आज मुझे कांग्रेस प्रेसीडेंट के लिए नामांकित किया गया है या मैं जो आज फॉर्म भर रहा हूँ तो बड़े उत्साह के साथ मेरे साथ सभी लोग जुड़े हैं, पार्टी के सभी नेतागणों ने यहां मौजूद रहकर मुझे प्रोत्साहित किया है और इस चुनाव में चुनाव लड़ने के लिए मुझे जो सहयोग मिला उसके लिए एक बार फिर मैं आभारी हूँ।

उन्होंने कहा कि नामांकन पत्र की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी डेलीगेट, लीडर्स, कार्यकर्ताओ से वोट देने का अनुरोध करता हूं और समर्थन करने के लिए सभी का आभार मानता हूँ।

'ऑपरेशन लोटस' सफल करने के लिए बाजवा ने भाजपा से हाथ मिलाया

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने शुक्रवार को विधानसभा में कामकाज बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधा और विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा पर पंजाब में भारतीय जनता पार्टी के संदिग्ध एजेंडे को लागू करने के लिए गुप्त रूप से काम करने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी के नेता अरोड़ा ने कहा कि विपक्ष ने विधानसभा में हंगामा कर पंजाबियों के साथ विश्वासघात किया है। सदन को दोपहर 3.30 बजे तक कामकाज करना था, लेकिन कांग्रेस सत्र में कोई भी मुद्दा उठाने के बजाय परेशान करना पसंद किया।

जबकि विपक्षी सदस्यों के अनुरोध पर ही सत्र को चार दिन के लिए बढ़ाया गया। फिर भी उन्होंने सत्र का सही उपयोग नहीं किया। यह लोगों की समस्याओं के प्रति उनकी रुचि की कमी को दर्शाता है। कांग्रेस का केवल एक ही एजेंडा है, आप सरकार को लोगों के लिए काम करने से रोकना।

नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा,मुझे लगता है कि प्रताप सिंह बाजवा अब प्रताप सिंह भाजपा बन गए हैं। वह भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं और ऑपरेशन लोटस को लागू करना चाहते हैं। बाजवा के नेतृत्व में विपक्ष ने सत्र के तीन दिन बर्बाद किए और हर दिन 70 लाख रुपये से 80 लाख रुपये सदन चलाने पर खर्च किए गए। लेकिन विपक्ष जनता के मुद्दों को उठाने के बजाय भाजपा के निर्देश पर सत्र को बाधित कर रहा है।

अरोड़ा ने कहा कि पंजाब की राजनीति के इतिहास में शायद यह पहली बार हुआ है कि सत्तारूढ़ सरकार सदन में चर्चा करने को तैयार है लेकिन विपक्ष भाग रहा है।

3 गौरवशाली भारत दिल्ली/एनसीआर

नई दिल्ली
शनिवार 01 अक्टूबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

अंबेडकर कॉलेज एलुमनी क्लब की नई कार्यकारिणी

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीम राव अंबेडकर कॉलेज एलुमनी क्लब की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। वर्ष 2022-23 की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक में नई टीम की घोषणा भी कर दी गई। इसमें हिन्दी विभाग के डॉ. बिजेंद्र कुमार को क्लब के संयोजक के रूप में चुना गया है जबकि अध्यक्ष के रूप में निहाल सिंह को। कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष पत्रकार निहाल सिंह को क्लब में अध्यक्ष पद के लिए चुना गया है जबकि वरिष्ठ पत्रकार गिरीश निशाना को एलुमनी क्लब का एक बार फिर एडवाइज़र बनाया गया है। इसके अलावा उपाध्यक्ष कर्ण कपूर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया है। प्रो तुष्टि भारद्वाज को फिर फिर से सह संयोजक की जिम्मेदारी दी गई। कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर आर एन दुबे ने नई समिति से उम्मीद जताई है कि जिस तरह पहले की समिति अपना बेहतर प्रदर्शन करती थी उसी प्रकार अब क्लब की नई कमेटी भी कार्य करेगी। प्राचार्य प्रोफेसर दुबे ने पत्रकार निहाल सिंह के अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और उनसे कुछ ख़ास करने की उम्मीद जाहिर की है। इस सत्र की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक में मुख्यरूप से डॉ बिजेंद्र कुमार, डॉ. राजबीर वत्स, प्रो चित्रा रानी, प्रो तुष्टि भारद्वाज, गिरीश निशाना, निहाल सिंह, कर्ण कपूर, कपिल शर्मा, सीएम मीणा, डॉ प्रियंका सैनी, डॉ अंजू आदि मौजूद थे।

गैंगस्टर नीरज बवाना के पिता अवैध हथियारों के साथ दिल्ली से गिरफ्तार, एक बुलेटप्रूफ वाहन सहित दो कारें भी बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर नीरज बवाना के पिता को अवैध पिस्तौल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। बवाना और उसके गिरोह के कुछ सदस्य इस समय तिहाड़ जेल में हत्या और रंगदारी के कई मामलों में बंद हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने जिंदा कारतूस के साथ चार देशी पिस्तौलें बरामद की हैं। अधिकारी ने कहा कि एक बुलेटप्रूफ वाहन सहित दो कारें भी बरामद की गई हैं। बता दें कि, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बीते सप्ताह दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर नीरज बवाना सहित आपराधिक सिंडिकेट के तीन सरगनाओं को दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया था। नीरज बवाना गैंग पर दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान सहित कई राज्यों में हत्या, धमकी देने, रंगदारी वसूलने सहित गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं।

दिल्ली में 'दोस्त' ने 10वीं के छात्र को मौत के घाट उतारा, हत्या के लिए ऑनलाइन खरीदा चाकू

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में 17 वर्षीय छात्र की उसके सहपाठी ने चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नाबालिग ने हत्या को अंजाम देने के लिए ऑनलाइन एक चाकू खरीदा था। पुलिस उपायुक्त (उत्तर पश्चिम) उषा रंगनानी ने कहा कि गुरुवार को आदर्शनगर में हुई वारदात को लेकर पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) में फोन पर सूचना मिली थी। मृतक की पहचान बुराड़ी निवासी दीपांशु के रूप में हुई है। उसे कई बार चाकू मारा गया था। अधिकारी ने बताया कि छात्र को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि दीपांशु का उसके स्कूल में कुछ छात्रों के साथ झगड़ा हुआ था। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद जिनमें से कुछ बाहरी थे, को आजादपुर के लाल बाग में पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, उन्होंने बदला लेने के इरादे से दीपांशु की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि दोनों दीपांशु और उसकी हत्या करने वाले नाबालिग छात्र कक्षा 10 में अलग-अलग सेक्शन में पढ़ते थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत आदर्श नगर थाना में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि हत्या में इस्तेमाल चाकू को बरामद कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए केजरीवाल सरकार का ऐक्शन प्लान

नई दिल्ली। सर्दियों में दिल्ली की आबोहवा साफ रखने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए शुक्रवार को 15 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान जारी किया है। यह विंटर एक्शन प्लान एक अक्तूबर से दिल्ली में लागू हो जाएगा। इस पूरे एक्शन प्लान को लागू कराने के लिए करीब 1500 निगरानी टीमें दिल्लीभर में अलग-अलग काम के लिए तैनात की जाएगी। इसके लिए वाहन प्रदूषण, धूल प्रदूषण पटाखों पर प्रतिबंध के साथ भीड़ वाली सड़कों पर भीड़ कम करने की भी तैयारी की है। डिजिटल प्रेस कांफ्रेस के जरिए अरविंद केजरीवाल ने बताया कि हमने देखा है कि सर्दियों में दिल्ली का प्रदूषण बढ़ जाता है। उसे रोकने के लिए सरकार ने सारी तैयारी कर चुकी है। जिससे दिल्ली में सर्दियों के दौरान प्रदूषण कम किया जा सके। उससे पहले मैं आपको बता दूं कि बीते सात सालों में हम लोगों ने दिल्लीवालों के साथ मिलकर प्रदूषण से निजात पाने के लिए कई उपाय किया है।

मंदिर के सामने ठेका खोलने के विरोध में भाजपा ने किया प्रचंड विरोध प्रदर्शन

एक महीने से स्थानीय महिलाओं द्वारा ठेके को बंद करने को लेकर दिया जा रहा था धरना

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता के नेतृत्व में आज राजा गार्डन में दिल्ली भाजपा ने मंदिर के सामने शराब के ठेके खोलने के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। पिछले तीस दिनों से लगातार स्थानीय जनता खासकर महिलाएं श्रीमती निर्मला देवी, श्रीमती लक्ष्मी देवी और श्रीमती जसप्रीत कौर की उपस्थिति में मंदिर के सामने खोले गए ठेके का विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। लोग मंदिर के सामने मनीष की मदिरा नहीं चलेगी के लगातार नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शन के उपरांत श्री गुप्ता ने डीएम को ज्ञापन सौंपा और उन्हें यह ठेके जल्द से जल्द बंद करने की मांग की। आदेश गुप्ता ने विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि स्वराज पुस्तक में केजरीवाल ने 8 साल पहले ही लिखा था कि उनकी सरकार आते ही कोई नया शराब का ठेका नहीं खोला जाएगा लेकिन केजरीवाल सरकार ने सत्ता में आते ही ना सिर्फ शराब के ठेके खोले बल्कि उसके अंदर भ्रष्टाचार कर दिल्ली के राजस्व को लूटने का काम किया। आज हुए विरोध प्रदर्शन में प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष श्री राजीव बब्बर, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र गोठवाल, जिला अध्यक्ष श्री सचिन भसीन, भाजपा नेता श्री श्याम शर्मा, श्री रमेश खन्ना, श्री सत्यनाराण डंग सहित हज़ारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

आदेश गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल को अपनी बातों से यू-टर्न लेने की आदत है और यह शराब नीति उसका एक उदाहरण है केजरीवाल की नई शराब नीति में जो ठेके खोलने की पॉलिसी बनाई है यह भ्रष्टाचार और पैसो की उगाही का एक तरीका है। उन्होंने कहा कि एक्साइज नियम के अनुसार किसी भी धार्मिक स्थल के पास शराब का ठेका खोलना मना है, लेकिन दिल्ली सरकार कोई नियम कानून नहीं मानती। दिल्ली सरकार ने शराब के ठेकेदारों को फायदा पहुंचने के लिए उनका कमीशन 2 फीसदी से बढाकर 12 परसेंट कर दिया और शराब ठेकेदारों की ज्यादा पैसा कमाई हो इसके लिए ड्राई-डे की संख्या घटाकर 21 से 3 कर दिये।

आदेश गुप्ता ने कहा कि रामनवमी, होली, दीपावली, गुरु गोविंद सिंह जयंती, गुरु नानक जयंती जैसे त्यौहार पर शराबबंदी थी परन्तु ड्राई डे की संख्या घटा कर उन इन पर्वो पर शराब की बिक्री शुरू हो गई ताकि ज्यादा से ज्यादा शराब बिक सके और दिल्ली के अंदर शराब ठेकेदारों को फायदा पहुंचे।

उन्होंने कहा की अरविंद केजरीवाल का शराब ठेका खोलकर दिल्ली का खजाने को लूटना ही असली उदेश्य है। दिल्ली के देवली में खुले ठेके के विरोध में जब महिलाओं ने प्रदर्शन किया, परंतु केजरीवाल के गुंडों ने बाउंसर बुलाकर उन महिलाओं के साथ बदसलूकी की और पूर्वी दिल्ली में ठेका बंद कराते समय उन्होंने एफआईआर दर्ज करा कर महिलाओं को जेल में बंद करवा दिया। पश्चिमी दिल्ली में भी उनकी यह कोशिश थी परंतु भारतीय जनता पार्टी ने इस कोशिश को नाकाम कर दिया।

एनएचपीसी द्वारा हिन्दी पखवाड़ा 2022 के समापन समारोह का आयोजन

फरीदाबाद। एनएचपीसी के निगम मुख्यालय, फरीदाबाद में दिनांक 30.09.2022 को हिन्दी पखवाड़ा 2022 का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। श्री आर. पी. गोयल, निदेशक (वित्त), एनएचपीसी समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि तथा एनएचपीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर श्री आर. पी. गोयल, निदेशक (वित्त), एनएचपीसी ने राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने लिए सभी को सामूहिक स्तर पर प्रयास करने और कार्यालयीन कार्यों को हिन्दी में ही करने की अपील की। साथ ही उन्होंने निगम में प्रभावी तरीके से राजभाषा कार्यान्वयन हेतु सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा 2022 के अंतर्गत आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को श्री आर. पी. गोयल, निदेशक (वित्त), एनएचपीसी द्वारा पुरस्कृत किया गया। ज्ञात है कि 14 सितंबर, 2022 को सूरत, गुजरात में हिंदी दिवस समारोह में एनएचपीसी को गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के अंतर्गत 'क' क्षेत्र में द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। निदेशक (वित्त) ने विजेताओं को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी और आगे भी पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ राजभाषा में काम करना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएचपीसी द्वारा निगम मुख्यालय तथा अपने सभी पावर स्टेशनों, परियोजनाओं, क्षेत्रीय कार्यालयों एवं इकाइयों में दिनांक 14 से 29 सितंबर, 2022 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। पखवाड़े के दौरान निगम मुख्यालय में हिन्दी प्रश्नोत्तरी, नोटिंग/ड्राफ्टिंग, शब्दावली व अनुवाद, सुलेख/श्रुतलेख, काव्य पाठ प्रतियोगिताओं और पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें बड़े पैमाने पर कार्मिकों ने भाग लिया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में भिड़े दो छात्र गुट, फायरिंग में एक छात्र घायल, अस्पताल में भर्ती

दिल्ली। दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में छात्रों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है दो छात्र गुटों के बीच किसी बात को लेकर लड़ाई हुई। इस लड़ाई में कुछ छात्र घायल हो गए। घायल छात्रों का इलाज कराने जब वो होली ट्रिनिटी हॉस्पिटल पहुंचे तो वहां दूसरा छात्र गुट फिर से पहुंच गया और मारपीट करने लगा। मारपीट के बीच फायरिंग भी हुई जिसमें एक छात्र के पैर से छूकर गोली निकल गई। मारपीट और फायरिंग में घायल छात्रों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। फायरिंग किसने की इसकी भी जांच की जा रही है। जामिया मिल्लिया यूनिवर्सिटी के दो छात्र गुटों में विवाद हुआ था जिसमें कुछ छात्र चोटिल हो गए थे। इलाज कराने के लिए छात्र होली ट्रिनिटी हॉस्पिटल पहुंच, जहां दूसरे गुट वालों ने पहुंच कर फिर से मारपीट करने लगे। मारपीट के दौरान फायरिंग भी हुई जिसमें एक छात्र घायल हो गया। घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकाा इलाज चल रहा है। पुलिस उपायुक्त ईशा पांडेय ने बताया की गुरुवार रात 8 बजकर 51 मिनट पर यूनिवर्सिटी के लाइब्रेरी में छात्रों के दो गुट आपस में भिड़ गए। जामिया नगर पुलिस को इसकी शिकायत मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराकर घायल नोमन चौधरी को होली फैमिली अस्पताल में भर्ती कराया। इस दौरान नोमन चौधरी का दोस्त नौमान अली उसे देखने के लिए अस्पताल पहुंचा। कुछ देर बीतने के बाद हरियाणा के मेवात निवासी जलाल अपने दोस्तों को लेकर अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचा। वह नोमन चौधरी और नोमान अली को जान से मारने के गोली चलाई। इसमें नौमान अली के सिर में चोट आई। उसे एम्स में भर्ती कराया गया है।

गुज़रे ज़माने की मशहूर अभिनेत्री आशा पारेख दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू ने शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 68वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए। इसमें हिंदी सिनेमा में सबसे प्रभावशाली अभिनेत्रियों में शुमार और जानेमानी फिल्म अभिनेत्री 79 वर्षीय आशा पारेख को वर्ष 2020 के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया।

भारतीय फिल्म जगत को बेहतरीन स्थान बताते हुए, अभिनेत्री ने कहा कि वह 60 साल बाद भी फिल्मों से जुड़ी हुई हैं। बाल कलाकार के तौर पर अपने करियर की शुरुआत करने वाली पारेख ने कहा, हमारा फिल्म जगत सबसे अच्छी जगह है। और मैं इस जगत में युवाओं को दृढ़ता, दृढ़ संकल्प, अनुशासन और जमीन से जुड़े रहने का सुझाव देना चाहती हूं, और मैं आज रात पुरस्कार पाने वाले सभी कलाकारों को

बधाई देती हूं।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार की पांच सदस्यीय चयन समिति ने सम्मान के लिए पारेख का चयन किया। इस समिति में आशा भोंसले, हेमा मालिनी, पूनम ढिल्लों, उदित नारायण और टीएस नागभरण शामिल हैं। 1960-1970 के दशक में पारेख की शौहरत अभिनेता राजेश खन्ना, राजेंद्र कुमार और मनोज कुमार के बराबर थी। अपने पांच दशक लंबे करियर में अभिनेत्री ने 95 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। इनमें दिल देके देखो, कटी पतंग, तीसरी मंजिल, 'बहारों के सपने,' 'प्यार का मौसम' और कारवां जैसी फिल्में शुमार हैं।

पारेख ने 1959 में आई नासिर हुसैन की फिल्म दिल देके देखो में मुख्य किरदार निभाया था, जिसमें उन्होंने शम्मी कपूर के साथ अपनी अदाकारी के जलवे बिखेरे थे। उन्होंने 1952 में आई फिल्म आसमान से 10 साल की उम्र में एक बाल कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू किया था और वह दो साल बाद बिमल रॉय की बाप बेटी' से चर्चा में आई थीं।

पारेख ने 1990 के दशक के अंत में एक निर्देशक व निर्माता के तौर पर टीवी नाटक कोरा कागज का निर्देशन किया था, जिसे काफी सराहा गया। पारेख 1998-2001 तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की पहली महिला अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

साल 2017 में उन्होंने अपनी आत्मकथा द हिट गर्ल पेश की, जिसका सह-लेखन फिल्म समीक्षक खालिद मोहम्मद ने किया था। उन्हें 1992 में देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया। पिछले साल, 2019 के लिए रजनीकांत को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

वरिष्ठ अभिनेत्री ने कहा कि वह अपने 80वें जन्मदिन से एक दिन पहले यह पुरस्कार पाकर धन्य महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा, दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करना बहुत बड़े सम्मान की बात है। मेरे 80वें जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले मुझे यह सम्मान मिला, मैं इसके लिए आभारी हूं। वर्ष 2020 के लिए यह पुरस्कार प्राप्त करने वाली पारेख ने कहा, यह भारत सरकार से मुझे मिलने वाला सबसे अच्छा सम्मान है। मैं जूरी को इस सम्मान के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।

संपन्न लोग जरुरतमंद विद्यार्थियों का करें सहयोग : सुनिल कुमार मित्तल

- संपन्न लोग जरुरतमंद विद्यार्थियों का करें सहयोग
- राजकीय विद्यालय की कन्याओं को वितरित किये गए शूज़
- कक्षा 6 से 8 तक की 64 छात्राओं को मिले शूज़
- प्राचार्य समेत अध्यापकों ने अतिथियों को शोल ओढ़ा कर किया सम्मानित

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नॉंगल चौधरी। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को शूज़ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्य विक्रम सिंह रोहिल्ला की अध्यक्षता में अतिथि स्वरूप पहुंचे नारनौल निवासी और हैदराबाद से शूज़ उद्योगपति अनिल कुमार शर्मा और नारनौल से नेहा हैंडलूम शोरूम के मालिक सुनिल कुमार मित्तल उपस्थित हुए। शूज़ वितरण कार्यक्रम में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छठी से आठवीं तक की 64 कन्याओं को मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा द्वारा शूज़ वितरित किये गए। इस दौरान नारनौल से नेहा हैंडलूम के स्वामी सुनिल कुमार मित्तल ने बताया कि, सम्पन्न लोगों को जरुरतमंद विद्यार्थियों के लिए अवश्य सहयोग हेतु प्रयासरत रहना चाहिए।

दैनिक अर्जित एवं मासिक संग्रहित आय में आशिंक हिस्सा पुण्य कार्य और जरुरतमंद लोगों में खर्च करना चाहिए। शूज़ वितरक अनिल कुमार शर्मा ने गौरवशाली भारत को बताया कि, उन्हें अभी 64 विद्यार्थियों की सूची प्राप्त हुआ है। शीघ्र ही अन्य छात्राओं के लिए शूज़ उपलब्ध कराएं जाएंगे। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं को शूज़ वितरण के दौरान प्राचार्य विक्रम सिंह रोहिल्ला सहित स्टॉफ़ ने अतिथियों को शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने सम्पन्न परिवारों की सामाजिक सेवा भाव द्वारा समर्पित विद्यालय की सुविधाओं का ज़िक्र करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। साथ ही कार्यक्रम में एकत्रित छात्राओं को भविष्य में राजकीय समाज सेवा के लिए और शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य विद्यालय के प्राचार्य विक्रम सिंह रोहिल्ला ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि गण का विद्यार्थियों के प्रति सेवा भाव समर्पण के लिए उनका धन्यवाद किया। विद्यालय में इस अवसर पर पीजीटी इंग्लिश देवेन्द्र वर्मा, पीजीटी भूगोल सुदेश, पीटीआई अशोक कुमार, डीपीई अशोक, कृष्ण, राधेश्याम शास्त्री, सूरेश, राकेश, संदीप, जिलेसिंह, लीलाराम, अभय सिंह, करतार सिंह समेत स्कूल स्टॉफ़ और छात्राएँ उपस्थित रही।

वार्ड परिसीमन पर आप ने जताई आपत्ति, चुनाव आयोग को सौंपे सुझाव

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम वार्ड परिसीमन के तरीके को आप ने अतार्किक और राजनीति से प्रेरित बताया है। आप के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग की ड्राफ्ट परिसीमन पर अपनी आपत्ति और सुझाव सौंपे हैं। इस दौरान आप विधायक सौरभ भारद्वाज, एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक समेत अन्य मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से निगम चुनाव जल्द कराने की भी मांग की। दुर्गेश पाठक ने कहा कि आज हमलोग एमसीडी चुनाव को लेकर परिसीमन आयोग से मिले। दिल्ली में जो वार्ड बनाए गए हैं, वहां कहीं पर 90-95 हजार वोट हैं और कहीं 30 हजार। समस्या यह है कि हर वार्ड के लिए एक निश्चित फंड राशि आती है। ऐसे में जहां आबादी अधिक है, वहां विकास कार्य प्रभावित होगा। पार्टी ने कहा कि अगर आबादी को बचे वार्ड में बराबर बांटकर फिर एक वार्ड खत्म किया जाता तो वार्ड के अंदर आबादी को लेकर इतना बड़ा अंतर नहीं आता। पार्टी का कहना है कि राज्य चुनाव आयोग की ओर से 2011 की जनगणना जनसंख्या आंकड़ों को परिसीमन का आधार बनाया गया है। उसके अनुसार दिल्ली की आबादी 1.64 करोड़ से अधिक है। इसका मतलब दिल्ली के 250 वार्डों की औसत जनसंख्या 65,674 होनी चाहिए। वर्तमान परिसीमन मसौदे ने असमानता की स्थिति पैदा कर दी है, जिसमें वार्डों के जनसंख्या उसके क्षेत्रफल में अंतर है। उदाहरण के लिए मयूर विहार फेज-1 वार्ड में आबादी 93,381 है, जबकि चांदनी चौक में 35,509 है।

सेवा पखवाड़े के 14वें दिन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस से शुरू सेवा पखवाड़े के 14वें दिन दक्षिणी दिल्ली सांसद श्री रमेश बिधूड़ी द्वारा दक्षिणी दिल्ली स्थित उड्ल्स बैंक्वेट, सतबड़ी, छत्तरपुर में माननीय प्रधानमंत्री जी के बचपन से साहस, राष्ट्र के प्रति प्रेम, सेवा के संस्कार, उनका नेतृत्व, व्यक्तित्व व कृतित्व के साथ मानव कल्याण, ऐतिहासिक विकास कार्य एवं राष्ट्र के सम्मान में लिए गए निणर्यों पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सांसद रमेश बिधूड़ी ने मोदी जी के जन्मदिवस से प्रारंभ सेवा पखवाड़े के अंतगर्त दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में किए गए सेवा कार्य की लोगों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े के प्रथम दिन विवेक बिधूडी फ़ाउंडेशन द्वारा ईएसआईसी अस्पताल ओखला फेस-1 में मरीज़ों के सहयोगियों को रोज़ाना निशुल्क भोजन मुहैया कराने हेतु काउन्टर शुरू किया गया जिसका शुभारंभ मा0 उपराज्यपाल श्री वी.के. सक्सेना जी द्वारा करवाया गया इसके बाद 200 बेड अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान बदरपुर में मा0 आयुष मंत्री श्री सबार्नंद सोनोवाल जी व आयुष राज्यमंत्री डॉ. महेंद्रभाई मुंजपारा जी सहित फल वितरण किया गया और दक्षिणी दिल्ली लोकसभा की सभी 10 विधानसभाओं में निशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर कैंपों का आयोजन किया गया जिनमें आँख, कान, नाक, दांत, हड्डी, ब्लड प्रेशर, ई.सी.जी, शुगर, आदि की निशुल्क जाँच कर दवाइयाँ भी निशुल्क मुहैया कराई गई। दूसरे दिन: शिव मंदिर तुग़लक़ाबाद दक्षिणी दिल्ली जिला और डी-6 वसंत कुंज महरौली जिला में रक्त दान शिविर आयोजित किया गया जहाँ रक्त दाताओं बड़चढ़ कर रक्तदान किया जिसके पश्चात उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। तीसरे दिन: पोषण अभियान के तहत दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र के सभी 39 वार्डों में पोषण कैम्प आयोजित किए गए जहाँ 0-6 वर्ष के कुपोषित बच्चे के लिए संपूर्ण डाइट व स्वस्थ बच्चे की माँ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। चौथे दिन: कोरोना से बचाव के लिए दक्षिणी दिल्ली लोकसभा मे 8 नए सेन्टर सहित 38 बूस्टर डोज़ सेंटरों पर कार्यकर्ताओं द्वारा जलपान की व्यवस्था सहित लोगों को किसी प्रकार की अनुपलब्धता के चलते समस्या ना हो जायजा लेकर सुनिश्चित किया गया। पाँचवे दिन: गरीब विधवा बहनों के स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई में आर्थिक सहायता हेतु सी.एस.आर फंड से कुल 49 छात्र-छात्राओं को 5100-5100 रूपये की राशि छात्रवृत्ति के रूप में चेक द्वारा प्रदान की गई। छठवें दिन: दक्षिणी दिल्ली लोकसभा के पालम व बिजवासन विधानसभा में विभिन्न प्रांतों के निवासियों का सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक मिलन सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें 500-600 की संख्या में लोग सम्मिलित हुए जहाँ विभिन्न प्रान्तों के लोकनृत्य कलाकारों की प्रस्तुतियों पश्चात मोदी सरकार के कार्यों व योजनाओं की जानकारी दी गई। सातवें दिन: सेवा पखवाडा में बेटियों के उत्थान व सम्मान में बनाई गई सुकन्या समृद्धि योजना बेटी बचाओ बेटी पढाओ के तहत पालम गाँव में कैंप लगवाकर 300 कन्याओं का खाता खुलवाया गया जिसके पश्चात उन्हें पासबुक वितरित की गई। आठवें दिन: दक्षिणी दिल्ली लोकसभा में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजन का हेल्थ चेकअप कैम्प आयोजित करवाया गया जिसमें उनकी स्वास्थ्य जाँच के पश्चात जरूरत मंद को कृत्रिम अंग व सहायता यंत्र हेतु पंजीकरण किया गया। नौवे दिन: पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर दक्षिणी दिल्ली लोकसभा की प्रत्येक विधानसभा में एलईडी स्क्रीन लगवा कर वर्चुअल कॉन्फ्रैंसिंग के माध्यम से मोदी सरकार की उपलब्ध्यिों के विषय में सम्बोधित किया गया।

सेक्टर-142 से बॉटेनिकल गार्डन तक मेट्रो रूट फाइनल, जल्द तैयार होगा डीपीआर

नोएडा। सेक्टर-142 से बॉटेनिकल गार्डन स्टेशन तक चलने वाली मेट्रो के बीच नया रूट फाइनल कर लिया गया है। आरडब्ल्यूए और गणमान्य लोगों ने एक्वा लाइन रूट पर सेक्टर-91, 98, 97 और 125 होते हुए बॉटेनिकल गार्डन तक मेट्रो चलाने पर सहमति दी है। यह रूट एक्सप्रेसवे के साथ-साथ जाएगा। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) अब तकनीकी और आर्थिक पहलुओं पर सर्वे कराने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) को प्रस्ताव भेजेगा। सबकुछ ठीक रहा तो इसी रूट के आधार पर डीपीआर तैयार की जाएगी। एनएमआरसी ने गुरुवार को शहर के विभिन्न संगठनों और प्रमुख लोगों के साथ इस मुद्दे पर बातचीत की। तय हुए रूट में सेक्टर-142 से बॉटेनिकल गार्डन स्टेशन के बीच चार मेट्रो स्टेशन आएंगे। एनएमआरसी का मानना है कि इस रूट पर मेट्रो चलने के बाद नौकरी पेशा समेत अन्य लोगों को ज्यादा लाभ मिलेगा।

दिल्ली महिला आयोग ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी और बलात्कार से सम्बन्धित उपलब्ध सामग्री नहीं हटाने के लिए ट्विटर पर साधा निशान

सीबीआई को 14 नए ट्वीटस भेजे, मामले में एफआईआर दर्ज करने और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने सीबीआई निदेशक को पत्र लिखकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर बच्चों के अश्लील वीडियो और बलात्कार के वीडियो एवं संबंधित तस्वीरों की उपलब्धता के मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है।

आयोग ने बच्चों के साथ यौन गतिविधियों को दर्शाने वाले 14 और ट्वीट्स की पहचान की है। इनमें से कुछ ट्वीट्स तो यहां तक कि मां के छोटे बेटे द्वारा बलात्कार को भी चित्रित कर रहे हैं।

स्वाति मालीवाल ने सीबीआई निदेशक को एक पत्र लिखकर मामले में प्राथमिकी दर्ज करने और शामिल अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

इससे पूर्व दिनांक 20 सितंबर 2022 को, आयोग की अक्ष्यक्षा स्वाति मालीवाल ने ट्विटर पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी और बलात्कार के वीडियो को दर्शाने वाले ट्वीट्स पर ट्विटर इंडिया पॉलिसी हेड और दिल्ली पुलिस साइबर सेल को तलब किया था। इन आपराधिक कृत्यों में लिप्त कुछ ट्विटर अकाउंट एक रैकेट चलाते हुए दिखाई दे रहे थे, जिसमें उनके द्वारा बच्चों के अश्लील और बलात्कार के वीडियो उपलब्ध कराने के लिए पैसे मांगे जा रहे थे।

आयोग द्वारा एक्शन लेने के बाद ट्विटर ने आयोग द्वारा फ्लैग किए गए 20 से अधिक ट्वीट्स को हटाया और दिल्ली पुलिस ने आईटी अधिनियम की धारा 67/67-ए/67-बी के तहत प्राथमिकी दर्ज की।

दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी आज आयोग के समक्ष उपस्थित हुए और बताया कि उन्होंने 8 विशेषज्ञ टीमों का गठन किया है और देश भर में छापेमारी की है। दिल्ली पुलिस इस मामले में अब तक 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

आयोग ने मामले में ट्विटर के जवाब को 'अनौपचारिक' करार दिया।

आयोग द्वारा जारी एक बयान में, यह कहा गया था कि ट्विटर बाल यौन शोषण के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का दावा करता है, लेकिन वे अपने मंच पर चाइल्ड पोर्न और बच्चों और महिलाओं के बलात्कार को प्रदर्शित करने वाले सैकड़ों वीडियो की उपस्थिति की व्याख्या और रिपोर्ट करने में असमर्थ हैं।

उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनके मंच को इस तरह की आपत्तिजनक सामग्री से जल्द से जल्द छुटकारा मिले, उनके द्वारा निर्धारित संसाधनों और कदमों के बारे में आयोग को सूचित करना चाहिए।

इस बीच, आयोग की कार्रवाई के बाद, Reuters ने 29 सितंबर 2022 को रिपोर्ट दी कि Dyson, Mazda और केमिकल कंपनी Ecolab सहित प्रमुख वैश्विक कंपनियों ने मार्केटिंग अभियानों को निलंबित कर दिया है या ट्विटर से विज्ञापनों को हटा दिया है क्योंकि उनके प्रचार चाइल्ड पोर्नोग्राफी को दर्शाने वाले ट्वीट्स के साथ दिखाई दे रहे हैं।

यहां तक कि संस्थापक सीईओ स्पेसएक्स एलोन मस्क ने भी रिपोर्ट पर ट्वीट किया, बेहद चिंताजनक।

संपादकीय

ये जुनूनी हिंसक हत्यारे शिक्षक कैसे बन गए बन ?

अभी राजस्थान में दलित छात्र के मटकी छूने पर टीचर की पिटाई से मौत का मामला ठंडा भी नहीं हुआ है कि अब उत्तर प्रदेश के औरैया में एक दलित छात्र निखिल को एक टीचर ने इतना पीटा कि उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोपी टीचर घटना के बाद फरार था।अब पुलिस ने टीचर को गिरफ्तार कर लिया है।अध्यापक की इस तरह की करतूत न सिर्फ समाज में शिक्षकों के सम्मान को क्षति पहुंचा रहीं हैं वरन सामाजिक समरसता को भी गहरा आघात पहुंचा रहीं हैं। मामले को लेकर विपक्ष सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहा है। बताया गया है कि औरैया के एक स्कूल के आरोपी टीचर ने क्लास में बच्चों का टेस्ट लिया था। बच्चे का कुसूर सिर्फ इतना था कि उसने ओएमआर सीट में एक खाने की जगह दो खाने ब्लैक कर दिए थे और सामाजिक विज्ञान में सामाजिक की जगह समाजक लिख दिया था। इससे नाराज टीचर ने उसे डंडे, लात और घूसों से इतना पीटा कि वह बेहोश हो गया। इलाज के दौरान 18वें दिन उसकी मौत हो गई थी। शिक्षक को जिला विधालय निरीक्षक के आदेश पर कॉलेज प्रबंधन ने निलंबित कर दिया है। औरैया के अछल्दा कस्बा स्थित इंटर कॉलेज में यह हादसा हुआ जिसमें आरोपी अध्यापक की पिटाई से एक दलित नाबालिग छात्र निखिल की मौत हो गई थी। इस मामले में आक्रोशित लोगों ने बवाल काटते हुए पुलिस जीप फूंक दी थी। जवानों पर पथराव करते हुए अधिकारियों के वाहन में तोड़फोड़ की थी।पुलिस ने बलवा व सरकारी सामान के नुकसान समेत 12 गंभीर धाराओं में 35 नामजद और ढाई सौ अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।इस मामले में अबतक 17 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जाहिर है कि इन दिनों लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जिनमें बतौर अध्यापक तैनात व्यक्ति आपा खोकर छोटे-छोटे बच्चों के साथ निर्दयता और नृशंसता से मारपीट कर रहे हैं ज्ञात रहे कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान में छात्र छात्राओं को शारीरिक दंड देना पूरी तरह कानूनन वर्जित है और यह एक दंडनीय अपराध है इसके बावजूद छात्र छात्राओं के साथ निर्दयता पूर्वक मारपीट करना न सिर्फ बाल अधिकारों का हनन है साथ ही साथ बच्चों के कोमल हृदय पर दुर्व्यवहार और कठोरता की कभी न मिटने वाली छाप छोड़ने का अपराध भी है बच्चों के साथ जो व्यवहार बचपन में किया जाता है उनकी परवरिश जिस वातावरण में की जाती है उसका उनके जीवन पर भारी प्रभाव पड़ता है और वह भविष्य मेंउसी व्यवहार की पुनरावृति कर सकते हैं इस तरह एक पूरी पीढ़ी को गलत संस्कार देने का सामाजिक अपराध भी यह अध्यापक कर रहे हैं। यह विडंबना ही है की अध्यापकों की नियुक्ति टीजीटी पीजीटी बीएड एमएड आदि शिक्षण संबंधी शिक्षण परीक्षाओं को पास करने के बाद की जाती है इसके बावजूद इस तरह के दुर्व्यवहारी, अकर्मण्य, बच्चों के प्रति कठोर व निर्दयता भरी मानसिकता रखने वाले व्यक्ति किस तरह से अध्यापक नियुक्त हो जाते हैं ? इसकी जांच की जानी चाहिए। बच्चे हैं तो गलतियां करेंगे यदि वह इतने सक्षम होते की उत्तर पुस्तिका में गलतियां नहीं करते तो उन्हें स्कूल भेजने की आवश्यकता ही क्या होती ? मामूली सी गलती पर अध्यापक द्वारा आपा खो देना बेतरतीब ढंग से मारपीट करना संवेदनशील शरीर के अंगों पर वार कर प्रताड़ित करना बताता है कि अध्यापक की केचुली में कोई शैतान छुपा है जो बच्चों के प्रति कतई व्यावहारिक नहीं है जिससे बच्चों की मनो भावनाओं का कोई ज्ञान नहीं है जिसे संस्कार के नाम पर नगण्य है उसके पास सिर्फ नकल से हासिल डिग्रियां है। इन सारे हालात को बदलना होगा। बच्चों के साथ इस तरह की अपराधिक व्यवहार करने वाले अध्यापकों की मानसिक जांच भी कराई जानी चाहिए बल्कि सभी अध्यापकों को जिनकी नियुक्ति की जाती है नियुक्ति से पूर्व उनके बच्चों के प्रति व्यवहार का एक टेस्ट अनिवार्य कर देना चाहिए ताकि बच्चों के प्रति संवेदनशील व बच्चों की मनोभावों को बेहतर ढंग से समझने वाले अभ्यर्थी ही अध्यापक जैसा जिम्मेदार पद पर नियुक्त हो सके तथा इस तरह की आपराधिक मानसिकता वाले आपा खोने वाले उच्च रक्तचाप वाले गुस्सैल छोटी-छोटी बातों पर स्वयं पर नियंत्रण न रखने वाले अभ्यर्थी अध्यापक के लिए अपात्र किए जाने चाहिए।

नहीं आते विदेशी विद्यार्थी भारत

विजय गर्ग

उच्च शिक्षा के लिए देश और संस्थान का चयन आमतौर पर संबंधित देश में जीवन की गुणवत्ता, पढ़ाई करने व रहने के खर्च, शिक्षा के स्तर और यहां से पहले पढ़ाई कर चुके विद्यार्थियों की राय पर निर्भर करता है। यह स्वीकार करने में हमें हिचक नहीं होनी चाहिए कि जीवन की गुणवत्ता के मामले में भारत विकसित देशों की बराबरी नहीं कर सकता। कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि इस वर्ष पढ़ाई के लिए भारत से अमेरिका जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या एक नई ऊंचाई तक पहुंच गई है। इस साल (2022) कुल लगभग बयासी हजार विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा के लिए अमेरिकी शिक्षण संस्थानों में दाखिला लिया है। भारत से विद्यार्थी अन्य देशों खासतौर से आस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड आदि में भी पढ़ने के लिए जाते हैं। अभी तक के आंकड़ों के अनुसार विदेश में अध्ययनरत भारतीय विद्यार्थियों की संख्या ग्यारह से बारह लाख के बीच है और अनुमान है कि वर्ष 2024 तक यह अठारह लाख से ऊपर निकल जाएगी। इस खबर को दूसरी खबर के साथ देखने की भी जरूरत है। इस साल अगस्त में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने घोषणा की कि देश के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को उनके स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में विदेशी विद्यार्थियों के लिए पच्चीस फीसद तक अतिरिक्त सीटें उपलब्ध कराने की अनुमति होगी। इन सीटों के लिए कोई प्रवेश परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। निश्चित रूप से हमारा देश बड़ी संख्या में विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करना चाहता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि दुनिया का दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश जो अब विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा कर रहा है, उच्च शिक्षा के लिए वैश्विक मंच पर अपनी जगह बनाने में कामयाब नहीं हो पाया है। साल 2021 में केवल 23,439 विद्यार्थी विदेश से भारत पढ़ने आए थे। इस समय देश में विदेशी विद्यार्थियों की कुल संख्या पचास हजार से ज्यादा नहीं है। वर्ष 2020 में जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की बात कही गई है। यहां आशय भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों को उच्च शिक्षा हेतु वरीय केंद्र बनाने और इनमें विदेश से आए विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने से है। इससे शिक्षण संस्थानों की आय में तो वृद्धि होगी ही, सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी बढ़ेगा। यह विचारणीय विषय है कि पढ़ाई के लिए भारत से बाहर जाने वालों की संख्या की तुलना में भारत को उच्च शिक्षा के लिए चुनने वालों की संख्या इतना कम क्यों है ? एक कारण तो साफ है कि अगर हम आइआइटी, आइआइएम और इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस जैसे संस्थानों को छोड़ दें, तो भारत के उच्च शिक्षण स्थानों का दुनिया में कोई खास नाम नहीं है। इसके अलावा ढंग के संस्थानों में प्रवेश मिलने की राह भी काफी मुश्किल है। नौकरशाही का आलम उच्च शिक्षा जगत में भी छाया हुआ है। कुछ निजी विश्वविद्यालय भले ही आसानी से प्रवेश दे देते हों, पर उन में से बहुतों की गुणवत्ता पर प्रश्न चिह्न लगे हैं। एक उदाहरण से यह बात स्पष्ट होगी। देश में ऐसे विद्यार्थियों की संख्या काफी बढ़ी है जो चिकित्सा की पढ़ाई के लिए एमबीबीएस में प्रवेश लेना चाहते हैं और उनमें से बहुतों में इस हेतु आवश्यक प्रतिभा भी है, पर सीटें कम होने की वजह से इन विद्यार्थियों में से कम को ही प्रवेश मिल पाता है, शेष अपना रास्ता बदल लेते हैं या फिर चीन, यूक्रेन, रूस जैसे देशों का रुख करते हैं जहां खर्च बहुत ज्यादा नहीं है और प्रवेश आसानी से मिल जाता है। आइआइटी और आइआइएम में भी जितने लोग आवेदन करते हैं, उसमें भी बहुत ही कम छात्रों को प्रवेश मिल पाता है। हालांकि विगत वर्षों में इन संस्थानों के नए केंद्र भी खोले गए हैं। कुल मिला कर यह कहा जा सकता है कि भारत में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने की राह उतनी आसान नहीं है जितनी कि होनी चाहिए। कुछेक सरकारी संस्थानों को छोड़ दें तो उच्च शिक्षा अब पहले की अपेक्षा काफी महंगी भी हो चली है।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध नागरिक दिवस- 1 अक्टूबर 2022 पर विशेष

वृद्ध क्यों है इतने कुंठित एवं उपेक्षित?

- ललित गर्ग -

दुनिया में वरिष्ठ नागरिकों, वृद्धों एवं प्रौढ़ों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 01 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसे भिन्न-भिन्न-नामों से जाना जाता है जैसे- 'अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस', 'अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस', 'विश्व प्रौढ़ दिवस' अथवा 'अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' इत्यादि। इस अवसर पर अपने वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करने एवं उनके सम्बन्ध में चिंतन करना आवश्यक होता है। इस दिवस का आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन द्वारा श्रीगणेश किया गया था। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य संसार के वृद्धों एवं प्रौढ़ों को सम्मान देने के अलावा उनकी वर्तमान समस्याओं के बारे में जनमानस में जागरूकता बढ़ाना है।

विश्व में इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने बुजुर्गों के योगदान को न भूलें और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। हमारा भारत तो बुजुर्गों को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज का वृद्ध समाज-परिवार से कटा रहता है और सामान्यत: इस बात से सर्वाधिक दु:खी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमितय न समझे जाने के कारण हमारा वृद्ध समाज दु:खी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। वृद्ध समाज को इस दु:ख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई ? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है ? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। विचारणीय है कि अगर आज हम वृद्धों को अपमान करते हैं, तो कल हमें भी अपमान सहना होगा। समाज का एक सच यह है कि जो आज जवान है उसे कल बुढ़ा भी होना होगा और इस सच से कोई नहीं बच सकता। लेकिन इस सच को जानने के बाद भी जब हम बुजुर्ग लोगों पर अत्याचार करते हैं तो हमें अपने मनुष्य कहलाने पर शर्म महसूस होती है। मनुष्यता को शर्मसार करने की स्थिति है।

हमें समझना चाहिए कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य विरासत होते हैं। उन्होंने देश और समाज को बहुत कुछ दिया होता है। उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक अनुभव

होता है। हम आज परिवार, समाज एवं राष्ट्र को उंचाइयों पर ले जाने के लिए वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव से लाभ उठा सकता है। लेकिन इसके लिये वृद्धों का उपेक्षा एवं उदासीनता की त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों को समाप्त करना होगा। वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, उसकी आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। सुधार की संभावना हर समय है। हम पारिवारिक जीवन में वृद्धों को सम्मान दें, इसके लिये सही दिशा में चले, सही सोचें, सही करें। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति की जरूरत है।

भारत में वृद्धों की सेवा और उनकी रक्षा के लिए कई कानून और नियम बनाए गए हैं। केंद्र सरकार ने भारत में वरिष्ठ नागरिकों के आरोग्यता और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1999 में वृद्ध सदस्यों के लिए राष्ट्रीय नीति तैयार की है। इस नीति का उद्देश्य वृद्ध व्यक्तियों को स्वयं के लिए तथा उनके पति या पत्नी के बुढ़ापे के लिए व्यवस्था करने के लिए प्रोत्साहित करना मुख्य है, इसमें परिवारों को अपने परिवार के वृद्ध सदस्यों की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करने का भी प्रयास किया जाता है। इसके साथ ही 2007 में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक संसद में पारित किया गया है। इसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का प्रावधान किया गया है। लेकिन इन सब के बावजूद हमें अखबारों और समाचारों की सुर्खियों में वृद्धों की हत्या, लूटमार, उत्पीड़न एवं उपेक्षा की घटनाएं देखने को मिल ही जाती है।

वृद्धाश्रमों में बढ़ती संख्या इस बात का साफ सबूत है कि वृद्धों को उपेक्षित किया जा रहा है। हमें समझना होगा कि अगर समाज के इस अनुभवी स्तंभ को यूं ही नजरअंदाज किया जाता रहा तो हम उस अनुभव से भी दूर हो जाएंगे जो इन लोगों के पास है।

सरकारी प्रयासों के साथ-साथ जनजागृति का माहौल निर्मित करना होगा, आज हम बुजुर्गों एवं वृद्धों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के साथ-साथ समाज में उनको उचित स्थान देने की कोशिश करनी होगी ताकि उम्र के उस पड़ाव पर जब उन्हे प्यार और देखभाल की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वो जिंदगी का पूरा आनंद ले सके। वृद्धों को भी अपने स्वयं के प्रति जागरूक होना होगा, जैसाकि जेम्स गारफील्ड ने कहा भी है कि यदि वृद्धावस्था की झुर्रियां पड़ती है तो उन्हें हृदय पर मत पड़ने दो। कभी भी आत्मा को वृद्ध मत होने दो।'

वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। अपने को समाज में एक तरह से निष्प्रयोज्य समझे जाने के कारण वह सर्वाधिक दु:खी रहता है। वृद्ध समाज को इस दु:ख और संत्रास से छुटकारा दिलाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की बहुत आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस मनाने का निर्णय लिया। यह सच्चाई है कि एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता है यानि वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है, यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है, जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। वह लोग भूल जाते हैं कि अनुभव का कोई दूसरा विकल्प दुनिया में है ही नहीं। अनुभव के सहारे ही दुनिया भर में बुजुर्ग लोगों ने अपनी अलग दुनिया बना रखी है।

जिस घर को बनाने में एक इंसान अपनी पूरी जिंदगी लगा देता है, वृद्ध होने के बाद उसे उसी घर में एक तुच्छ वस्तु समझ लिया जाता है। बड़े बूढ़ों के साथ यह व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं।

बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। तथाकथित व्यक्तिवादी एवं सुविधावादी सोच ने समाज की संरचना को बदसूरत बना दिया है। सब जानते हैं कि आज हर इंसान समाज में खुद को बड़ा दिखाना चाहता है और दिखावे की आड़ में बुजुर्ग लोग उसे अपनी शान-शौकत एवं सुंदरता पर एक काला दाग दिखते हैं। आज बन रहा समाज का सच डरावना एवं संवेदनहीन है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप।'

वृद्ध जीवन को पश्चाताप का पर्याय न बनने दे। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। इसीलिये सिसरो ने कामना करते हुए कहा था कि जैसे मैं वृद्धावस्था के कुछ गुणों को अपने अन्दर समाविष्ट रखने वाला युवक को चाहता हूं, उतनी ही प्रसन्नता मुझे युवाकाल के गुणों से युक्त वृद्ध को देखकर भी होती है, जो इस नियम का पालन करता है, शरीर से भले वृद्ध हो जाए, किन्तु दिमाग से कभी वृद्ध नहीं हो सकता।' वृद्ध लोगों के लिये यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं।

मोदी सरकार के दूरदर्शी नारे सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना वृद्धों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा।

'बेटी को मिले समानता का अधिकार'

पूजा गुप्ता

बेटी के जन्म लेते ही मां बाप को बेटी के भविष्य की चिंता होने लगती है यह सोच कर कि वह बेटी है, आज भी कई जगह चोरी से घर वस्त्र भ्रूण की जांच की जाती है यह देखा जाता है की कोख में बेटी है या बेटा यदि बेटी होती है तो उसे इस दुनिया से विदा कर दिया जाता है मतलब उन्हें कोख में ही मार दिया जाता है बेटियां अगर जन्म नहीं लेगी तो बेटों को जन्म देगा भी कौन ? आज भी समाज में देखा गया है कि बेटी से ज्यादा बेटे को अधिक महत्व दिया जाता है, बेटों को घर का चिराग कहा जाता है बेटियों को एक नियम और कानून के चलते उन्हें पराया घर का कहकर पराया कर दिया जाता है। बेटियों को बचपन से ही उनको दायरे में रहना सिखाया जाता है उनकी आजादी के लिए पहली शर्त यह है कि एक नियमबद्ध होकर अपने अधिकारों का प्रयोग बेटियां कर पाए उन्हें बचपन से ही रीति-रिवाजों की कायदे सिखा दिए जाते हैं घर के कामों से लेकर, घर परिवार की जिम्मेदारी तक..।

आज भी समाज में यह मान्यता है कि बेटियों को सब कुछ सीखना चाहिए घर के कामों में पारंगत होना चाहिए और ससुराल में अपनी छवि बनाए रखने के लिए उन्हें सीख दी जाती है। ससुराल जाना तो अपने सास-ससुर का ध्यान रखना, अपने पति का ध्यान रखना, यह सारी चीजें उन्हें बचपन से सिखा दी जाने लगती है, इन्हीं जिम्मेदारियों के चलते पहले जमाने में कई छोटी-छोटी बच्चियों का भविष्य खतरे में पड़ जाता था, पहले बाल विवाह वगैरह हुआ करते थे जहां बेटियों के शरीर का विकास नहीं हो पाता था और विवाह होने के बाद कच्ची उम्र में संतान होने पर उनकी जान का खतरा बढ़ जाता था। आज भी ऐसे ही कई गांव है जहां पर बाल विवाह प्रचलित है, इस पर रोक लगाई जानी चाहिए, बेटियों को लड़कों के समान समानता का अधिकार मिलना चाहिए बेटियों को यह कहकर नीचा नहीं दिखाना चाहिए कि वह लड़कों से कम है, एक दायरे में रहकर बेटी हर जिम्मेदारी निभा लेती है, बेटियों को सिखाएं अपनी सुरक्षा करना।

बेटियों को घर के काम के साथ उन्हें कराटे भी सिखाए ताकि जब बेटी घर के बाहर निकले तो अपनी सुरक्षा वह स्वयं कर पाए, बलात्कार जैसी घटनाएं जो आजकल समाज में फैली हुई है इन सब पर रोक तभी लग सकती है जब बेटियों को सशक्त बनाया जाए, बेटियों को पढ़ाया लिखाया जाए, बीच में उनकी पढ़ाई को रोकना नहीं चाहिए, उन पर नियम कानून लाद कर उन पर अत्याचार ना करें, इसकी वजह से बेटियों का मानसिक विकास संकुचित हो जाता है फिर बेटियां मन में यह बात लेकर के बैठ जाती हैं कि उन्हें पढ़ाई लिखाई के बाद तो ससुराल की जिम्मेदारी ही निभाना है, तो ऐसी मानसिकता को रोकिए याद रखिए बेटियां दोनों कुलों की लाज रखती है। उन्हें जागरूकता के अवसर देना चाहिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं, तभी उनका बौद्धिक विकास हो सकता है।

बेटियों को घर की चारदीवारी से निकालकर बेटी को मजबूत रहना सिखाये। कई जगह ऐसी भी है जहां बेटियों की पूजा की जाती है उन्हें बराबर सम्मान दिया जाता है, जब माता दुर्गा को आप पूजते हैं तो बेटियां क्यों न पूजी जाए ! याद रखें जहां नारी की पूजा की जाती है वही देवता निवास करते हैं उनकी इज्जत करिए समाज में सम्मान दिलाये।

बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद

आओ वृद्धावस्था को सुखी बनाए - बड़े बुजुर्ग हमारे घर की नींव होते हैं

बड़े बुजुर्गों के अनुभव और सीख से हम जीवन में आई विपत्तियों से पार पाने में सक्षम होते हैं - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - अंतरराष्ट्रीय स्तरपर हम मनीषियों को को यह समझने की जरूरत है कि वरिष्ठ नागरिक, वृद्धजन, बड़े बुजुर्ग हमारे समाज की अनमोल विरासत होते हैं, उन्होंने अपने समाज और देश को बहुत कुछ दिया है। वह हमारी धरोहर हैं, अनुभवों का एक ख़ज़ाना है, जो किसी भी देश की उन्नति के लिए मूल्यवान मंत्र है जिसका सही दिशा में उपयोग किया जाए तो उस देश को सामाजिक-आर्थिक नैतिक संपन्नता से नवाज़ने से कोई नहीं रोक सकता क्योंकि उनके अनुभवों के साथ उनका आशीर्वाद भी काम करता है जिसमें स्वयं ईश्वर अल्लाह भी हस्तक्षेप नहीं कर सकते इतनी ताकत होती है आशीर्वाद या दुआ में !! इसलिए हमें चाहिए कि बड़े बुजुर्गों के अनुभवों और सीख़ से हम जीवन में आई विपत्तियों से पार पाने में सक्षम हों। चूंकि 1 अक्टूबर 2022 को हम अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मना रहे हैं इसलिए इस आर्टिकल के माध्यम से हम चर्चा करेंगे आओ वृद्धावस्था को सुखी बनाएं-उनका आशीर्वाद लें।

साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्ग वृद्धजनों के सम्मान की करें तो, बचपन से ही हमें घर में शिक्षा दी जाती है कि हमें अपने से बड़ो का सम्मान करना चाहिए। वरिष्ठजन हमारे घर की नींव होते हैं। बुजुर्गों का आशीर्वाद बहुत भाग्य वालों को मिलता है इसलिए सभी को अपने से बड़ों और वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए। लेकिन आज के समय में ये कहना अनुचित नहीं होगाकि अबये मात्र औपचारिकता रह गई है। लेकिन हर व्यक्ति को वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान और आदर की भावना रखनी चाहिए। प्रति वर्ष 1 अक्टूबर को अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया जाता है। हमारे देश में बड़े लोगों को ईश्वर अल्लाह के तुल्य और उनके आशीर्वाद को किसी भी काम में सबसे बड़ा सहायक माना जाता है, इसलिए हमारे देश में सभी अपने से बड़ों का सम्मान और आदर करते हैं। फिलहाल अब हालात काफी बदल गए हैं। कई मामलों में वृद्धजनों को अपनी संतानों द्वारा मुश्किलें और दिक्कतें झेलते देखा गया है, ऐसे में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के जरिए बुजुर्गों को सम्मान दिलाए जाने के लिए जागरुकता अभियान चलाए जाते हैं।

साथियों बात अगर हम वृद्धजनों की अवहेलना की करें तो,एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता है, यानें वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है। यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है, जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। वह लोग भूल जाते हैं कि अनुभव का कोई दूसरा विकल्प दुनिया में है ही नहीं।

अनुभव के सहारे ही दुनिया भर में बुजुर्ग लोगों ने अपनी अलग दुनिया बना रखी है। जिस घर को बनाने में एक इंसान अपनी पूरी जिंदगी लगा देता है, वृद्ध होने के बाद उसे उसी घर में एक तुच्छ वस्तु समझ लिया जाता है। बड़े बूढ़ों के साथ यह व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। सब जानते हैं कि आज हर इंसान समाज में खुद को बड़ा दिखाना चाहता है और दिखावे की आड़ में बुजुर्ग लोग उसे अपनी सुंदरता पर एक काला दाग़ दिखते हैं। बड़े घरों और अमीर लोगों की पार्टी में हाथ में छड़ी लिए और किसी के सहारे चलने वाले बुढ़ों को अधिक नहीं देखा जाता, क्योंकि वह इन बूढ़े लोगों को अपनी आलीशान पार्टी में शामिल करना तथाकथित शान के ख़िलाफ़ समझते हैं। यही रुढ़िवादी सोच उच्च वर्ग से मध्यम वर्ग की तरफ चली आती है। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है।

साथियों बात अगर हम भारत में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भरण पोषण और कल्याण (संशोधन) विधेयक 2019 की करें तो यह 11 दिसंबर 2019 को लोकसभा में पेश किया गया था, सामाजिक न्याय और अधिकारिता संबंधी स्थाई समिति की रिपोर्ट 29 जनवरी 2021 को लोकसभा में प्रस्तुत की गई थी अभी मानसून सत्र में शेड्यूल किया गया था। इसमें वृद्धजनों का जीवनसुरक्षित करने संबंधी अनेक प्रकार के प्रावधान हैं जिसमें बच्चों की परिभाषा में बदलाव, नाबालिक बच्चों का शामिल करना, माता पिता की परिभाषा में सांस सुर, दादा दादी, नाना नानी को शामिल करना, भरण पोषण में स्वास्थ्य देखभाल बचाव और सुरक्षा को शामिल करना है ताकि गरिमापूर्ण जीवन जी सकें इत्यादि अनेक सुधार इस संशोधन के माध्यम से किए गए हैं।

साथियों बात अगर हम बुजुर्ग अवस्था के पड़ाव की करें तो,बबुजुर्गावस्था हर इंसान के जीवन का एक पड़ाव है। इस समय में व्यक्ति को प्यार सम्मान और अपनेपन की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। जिन लोगों पर बुजुर्गों का साया होता है वे लोग बहुत भाग्यशाली होते हैं। बुजुर्ग ही हमें जीवन जीने का सही मार्ग सिखाते हैं। उनके अनुभव और सीख से जीवन में हम किसी भी कठिनाई को पार करने में सक्षम होते हैं। इसलिए हमें कभी भी उनके प्रति उपेक्षा का भाव नहीं रखना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस को पूरी तरह से बुजुर्गों के लिए समर्पित किया जाता है। इस दिन उनके सम्मान में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों का खुशी का ध्यान रखते हुए कई तरह के आयोजन किए जाते हैं। इस दिन बुजुर्गोंको होने वाली समस्याओं और उनकी सेहत के विषय में गंभीरता पूर्वक विचार किया जाता है।

ख़ानाबदोश
अहमद फ़राज़

हर्फ़े-ताज़ा की तरह क़िस्स-ए-
पारीना कहूँन कोई ख़्वाब न ताबीर
ऐ मेरे मालिकतेरा क़ुर्ब था कि
फ़िराक़ था वही तेरी जलवागरी
रहीयूँ तुझे ढूँढ़ने निकले के न आए
ख़ुद भीआज फिर दिल ने कहा
आओ भुला दें यादेंमैं दीवाना सही
पर बात सुन ऐ हमनशीं मेरीना
दिल से आह ना लब से सदा
निकलती हैतेरी बातें ही सुनाने
आयेज़िन्दगी से यही गिला है
मुझेदुख फ़साना नहीं के तुझसे
कहेंतुझसे बिछड़ के हम भी मुक़द्दर
के हो गयेगनीम से भी अदावत में
हद नहीं माँगीज़ख़्म को फूल तो
सर-सर को सबा कहते हैंतुझे
उदास किया खुद भी सोगवार
हुएबुझा है दिल तो ग़मे-यार अब
कहाँ तू भीअच्छा था अगर ज़ख़्म न
भरते कोई दिन औरजो चल सको
तो कोई ऐसी चाल चल जानाहम
सुनायें तो कहानी और हैसंगदिल
है वो तो क्यूं इसका गिला मैंने
कियाअब वो मंजर, ना वो चेहरे ही
नजर आते हैंअव्वल अव्वल की
दोस्ती है अभी

शार्ट न्यूज

मामूली सी लड़ाई के बाद पिस्तौल लेकर स्कूल पहुंच गया 9वीं का छात्र

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर के एक कॉलेज में वक्त खलबली मच गई, जब 9वीं कक्षा के छात्रों ने उसी कक्षा के एक छात्र के पास पिस्टल होने का शोर मचा दिया। शिक्षक की शिकायत पर प्रिंसिपल मौके पर पहुंचे और उसके बाद देहलीगेट पुलिस को बुला लिया गया। कॉलेज प्रिंसिपल के मुताबिक स्कूल में तीसरा पीरियड चल रहा था। इसी दौरान एक छात्र ने अपने कुछ दोस्तों को बैग में रखी पिस्टल दिखाई। तभी कुछ अन्य छात्रों की नजर भी उस पर पड़ गई और उन्होंने शोर मचा दिया। कक्षा में पढ़ा रहे शिक्षक ने छात्र से पूछताछ की तो उसने आरोप कुबूल लिया। प्रधानाचार्य खुद मौके पर पहुंचे और दो छात्रों को पकड़ लिया। देहलीगेट पुलिस को तत्काल इसकी सूचना दी गई। साथ ही छात्रों के परिजनों को भी बुला लिया गया। फिलहाल पुलिस छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जाता है कि गुरुवार को इस छात्र का स्कूल में ही कुछ छात्रों से विवाद हुआ था। सीओ कोतवाली अरविंद कुमार चौरसिया ने बताया कि दोनों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं हो सकती, इसलिए पुलिस तस्करा डालकर बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जा रहा है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुकदमे की अर्जी पक्षकारों की अनुपस्थित के कारण खारिज

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि से संबंधित मुकदमे में समाज की ओर से पृथक वाद दायर करने की अनुमति मांगने से जुड़े मामले में वादी पक्ष के वकील या अन्य पक्षकारों के अदालत में अनुपस्थित रहने पर अपर जिला सत्र न्यायाधीश (सप्तम) संजय चौधरी ने शुक्रवार को खारिज कर दिया। अदालत में वाद की सुनवाई के दौरान किसी पक्षकार या अधिवक्ता के उपस्थित नहीं होने पर न्यायाधीश चौधरी ने अर्जी खारिज कर दी। बचाव पक्ष के अधिवक्ता नीरज शर्मा ने अदालत में कहा कि वादी पक्ष अदालत से बार बार तारीख बढ़ाने का अनुरोध करता रहा है। बार बार तारीख बढ़वाने पर अदालत 12 सितंबर को वादी पक्ष पर 01 हजार रुपये का जुर्माना भी लगा चुकी है, इसलिए वाद को खारिज कर दिया जाना चाहिए। न्यायाधीश ने प्रतिवादी पक्ष के अनुरोध को स्वीकार करते हुए वाद को खारिज कर दिया। विद्वान न्यायाधीश ने 12 सितंबर की सुनवाई में वाद को खारिज तो नहीं किया, लेकिन पक्षकारों को अंतिम मौका देते हुए सुनवाई के लिए 30 सितंबर की तिथि निर्धारित कर दी थी। वादी पक्षकार इस वाद को समाज की ओर से दायर करने की अनुमति अदालत से लेना चाह रहे थे। अधिवक्ता सिंह ने इस वाद को सिविल प्रक्रिया संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत दायर कर अदाजत से समाज की ओर से वाद प्रस्तुत करने की अनुमति मांगी थी। इसमें दलील दी गयी कि यह वाद उन लोगों द्वारा दायर किया गया है जिनका विश्वास है कि भगवान श्रीकृष्ण का उस स्थान पर जन्म हुआ था जहां पर आज विवादित ढांचा मौजूद है। इस वाद में प्रतिवादी इंतेजामिया कमेटी, कटरा केशवदेव मन्दिर ट्रस्ट एवं श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान भी शामिल हैं। वादियों का मानना है कि शाही मस्जिद ईदगाह को कटरा केशवदेव मन्दिर की 13.37 एकड़ भूमि के एक भाग में बनाया गया है।

नोएडा के एक कॉल सेंटर में आग लगी, सभी को सुरक्षित निकाला गया

नोएडा। उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एनसीआर में नोएडा के सेक्टर तीन में स्थित एक कॉल सेंटर में शुक्रवार को सुबह बिजली का शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लग गयी। इसमें दमकलकर्मियों की तत्परता से आग पर काबू पाते हुए सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया है। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल विभाग के अधिकारी सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में आग बुझाने और राहत एवं बचाव अभियान को पूरा किया गया। सिंह ने बताया कि नोएडा फेज 1 स्थित फायर स्टेशन को आग लगने की सूचना सुबह 07:43 बजे को मिली। तत्काल दमकल विभाग की टीम को भेजा गया। सिंह ने बताया कि इमारत की दूसरी मंजिल पर आग लगी थी। उस समय कॉल सेंटर में मौजूद पांच लोग आग में फंस गए। इन सभी को फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि आग लगने के बाद पूरी इमारत में धुआं भर गया था, जिसे वेंटिलेशन कर निकाल दिया गया है। अब स्थिति सामान्य है।

ट्रैक्टर, कार और ट्रक की भिड़ंत में 12 घायल

बुलन्दशहर। उत्तर प्रदेश में जनपद बुलंदशहर के थाना डिबाई क्षेत्र में बीत देर रात राजमार्ग पर ट्रैक्टर, कार और ट्रक की आमने सामने से हुयी टक्कर में 12 लोग घायल हो गये। बुलंदशहर के जिलाधिकारी सुरेंद्र प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना कल देर रात डिबाई अलीगढ़ रोड पर हुयी। इसमें एक ट्रैक्टर और कार में टक्कर होने पर अलीगढ़ की ओर से आ रहा एक ट्रक भी दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से टकरा गया। सिंह ने बताया कि इस हादसे में ट्रैक्टर में सवार सभी 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सभी घायल डिबाई तहसील क्षेत्र के कसेर कलां गांव के निवासी हैं। इस घटना में घायलों की हालत गंभीर बतायी गयी है। सभी घायलों को हायर सेंटर में उपचार के लिये रेफर कर दिया गया है। इनमें एक बच्चे की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना के बाद जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और दुर्घटना में घायल हुए लोगों को अस्पताल में भिजवाकर स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

उत्तर प्रदेश में 10 से 12 फरवरी तक होगी 'ग्लोबल इनवेस्टर समिट'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिये अगले साल 10 से 12 फरवरी तक 'ग्लोबल इनवेसअर समिट' का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में फरवरी 2023 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन के तैयारियों की समीक्षा की। इसके रोडमैप के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की आकांक्षाओं को उड़ान देने वाली होगी। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के मंत्र को आत्मसात करते हुए उत्तर प्रदेश, देश में औद्योगिक निवेश के ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में उभर कर सामने आया है। उत्तर प्रदेश, देश की 06वीं अर्थव्यवस्था से दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। योगी ने कहा कि आगामी 10, 11 और 12 फरवरी को उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन करने जा रहा है। इस बार इस समिट में निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य 10 लाख करोड़ रुपये तय किया गया है। उन्होंने कहा कि यह तीन दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अभूतपूर्व होगी और नए उत्तर प्रदेश की आकांक्षाओं को उड़ान देने वाली रहेगी।

दो करोड़ की 10 किग्रा अफीम के साथ महिला सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

फर्रूखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रूखाबाद जिले में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अन्तरराज्जीय गिरोह की एक महिला सदस्य सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार कर इनके पास से 10 किग्रा अफीम बरामद की। फर्रूखाबाद के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पकड़ी गयी अफीम की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग दो करोड़ रुपये आंकी गयी है। उन्होने बताया कि जिले की मोहम्मदाबाद कोतवाली पुलिस एवं एसओजी टीम को मुखबिर से मिली सूचना पर बुधवार को देर रात पुलिस ने मदनपुर पुलिस चौकी पुल काली नदी के समीप चेकिंग अभियान चलाया। इसमें 10 किग्रा अफीम के साथ बरेली के मझगवां निवासी इकरार अहमद, झारखण्ड के करवाड़ी निवासी नौशाद आलम तथा झारखण्ड की खासमनफेरी निवासी तहरूल बीबी को पकड़ा गया। जिनके पास से दो मोबाइल फोन तथा 2020 रूपये की नकदी बरामद हुई। उन्होने बताया कि यह तस्कर झारखण्ड प्रांत से अफीम लाते हैं और बरेली ले जाकर वहां से दिल्ली-पंजाब-हरियाणा और उत्तराखण्ड में सप्लाई करते हैं और अच्छे दामों पर बेचकर रूपये का बंटवारा करते हैं।

हिजाब और बुर्का वाली छात्राओं को लेकर प्रशासन की एंट्री

हिन्दू महिला प्रिंसिपल के रोने के मामले ने पकड़ा तूल

आगरा। यूपी के आगरा कैंट स्थित जॉय हैरिस गर्ल्स इंटर कॉलेज में कार्यवाहक प्रधानाचार्य और शिक्षिकाओं के विवाद में शुक्रवार को प्रशासन की एंट्री हो गई। शुक्रवार सुबुह एसीएम प्रथम दिव्या सिंह, डीआईओएस मनोज कुमार व विधायक डॉ. जीएस धर्मेश स्कूल पहुंच गए। प्रशासन और डीआईओएस ने मामले की विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद डीआईओएस ने जल्द से जल्द मामले को सुलझाने की बात कही। एक दिन पहले कार्यवाहक प्रधानाचार्य ममता दीक्षित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें ममता दीक्षित सुबकते हुए स्कूल की समुदाय विशेष की शिक्षिकाओं पर उन्हें मानसिक रूप से उत्पीड़ित करने की बात कह रही थीं। उन्होंने वीडियो में यह आरोप भी लगाया था कि स्कूल में पढ़ने वाली समुदाय विशेष की बालिकाएं हिजाब पहनकर विद्यालय आती हैं और उसी समुदाय की शिक्षिकाएं उन्हें प्रोत्साहित करती हैं। मंगलवार को विधायक डॉ. जीएस धर्मेश, एसीएम प्रथम दिव्या सिंह व डीआईओएस मनोज कुमार विद्यालय पहुंच गए। तीनों ने दोनों पक्षों की बात सुनी।

ममता दीक्षित पर अवैध फीस वसूली का लगा आरोप

स्कूल में अंग्रेजी की शिक्षिका रेहाना खातून ने प्रशासन की टीम को बताया कि दरअसल मामला कक्षा एक से आठ तक की फीस वसूलने को लेकर शुरू हुआ। ममता दीक्षित ने फीस वसूलने को कहा तो हमने बताया कि शासन से आठवीं कक्षा तक की फीस माफ है। उनसे फीस वसूली को लेकर शासन से आया कोई लिखित आदेश मांगा तो नहीं दिखा सकीं। इसके बाद उन्होंने यह प्रपंच रचा।

हिजाब पहनकर आने का कोई प्रमाण नहीं मिला

डीआईओएस मनोज कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आते ही वह विद्यालय पहुंचे थे। सीसीटीवी फुटेज में कोई बालिका हिजाब पहने नजर नहीं आ रही है। पूर्व में प्रबंध समिति के साथ दो बार बैठकर मामले को सुलझाने की कोशिश की थी। परंतु एक बार फिर कार्यवाहक प्रधानाचार्य और शिक्षिकाओं के बीच विवाद की स्थिति बनी है। स्कूल में शैक्षिक वातावरण बना रहे, इसके लिए जल्द मामले का पटाक्षेप कराया जाएगा।

ममता दीक्षित अपने आरोपों पर रहीं कायम

कार्यवाहक प्रधानाचार्या ममता दीक्षित शुक्रवार को भी अपने आरोपों पर कायम रहीं। उन्होंने एसीएम प्रथम, डीआईओएस, विधायक डॉ. धर्मेश के सामने वायरल वीडियो के आरोप सच बताए। दूसरी तरफ विद्यालय की छात्राओं का कहना था कि समुदाय विशेष की कोई भी शिक्षिका उन पर हिजाब पहनने के लिए दवाब नहीं डालती है। गौरतलब है कि विद्यालय में 28 शिक्षिकाओं में दो समुदाय विशेष की और करीब एक हजार छात्राओं में से मात्र 75 छात्राएं समुदाय विशेष की हैं।

मुख्यमंत्री से करेंगे निष्पक्ष जांच की मांग

स्कूल पहुंचे विधायक डॉ. जीएस धर्मेश ने कहा कि कार्यवाहक प्रधानाचार्य के आरोप गंभीर हैं। इस बारे में उन्होंने डीएम और एसएसपी से बात की है। मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाकर निष्पक्ष जांच की मांग की जाएगी।

जौनपुर के 29वें थाना 'तेजी बाजार' का उद्घाटन

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले में नवगठित थाना तेजी बाजार का अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी ग्रामीण) शैलेंद्र कुमार सिंह ने जिले के 29वें थाने के रूप में फीता काटकर गुरुवार को उद्घाटन किया। यह थाना तेजी बाजार चौकी से 100 मीटर पूरब दिशा में दाहिने पटरी पर स्थित किया गया है। सिंह ने बताया कि यह जिले का 29 वां थाना है। इसके अंतर्गत 92 गांव जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि अपराध पर काबू पाने की दृष्टि से इस थाने को बनाना अति आवश्यक था। उन्होंने दलील दी कि यहां से थाना महराजगंज लगभग 9 किलोमीटर दूर स्थित है। इससे लोगों को परेशानी होती थी। अब तेजी बाजार थाने का उद्घाटन होने से लोगों की परेशानी दूर हो गई क्यों कि अब दूर नहीं जाना पड़ेगा।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में 05 साल से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को पुलिस ने बीती रात गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने शुक्रवार के बताया कि मोटरसाइकिल सवार बदमाशों और पुलिस के बीच बीती देर रात हुई मुठभेड़ के दौरान संजीव नामक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। बुलंदशहर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि कल रात नगर कोतवाली पुलिस ने मामन चुंगी पर चैकिंग के दौरान बाईक सवार दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिये। पुलिस ने जब उन्हें रोका तो बदमाश बाइक को तेजी से मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस द्वारा पीछा करने पर उनकी बाइक हकीम मुकुटलाल स्कूल के पास अनियंत्रित होकर गिर गये। अपने को पुलिस से घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग करने पर एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। पुलिसे ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

नवरात्र व्रत पर विवादित टिप्पणी गेस्ट लेक्चरर पर भारी पड़ी

हंगामे के बाद काशी विद्यापीठ ने हटाया; प्रवेश पर प्रतिबंध

एजेंसी

वाराणसी। नवरात्र व्रत पर विवादित टिप्पणी महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के अतिथि प्रवक्ता मिथिलेश गौतम पर भारी पड़ गई। छात्रों के हंगामे के बाद उन्हें उनके पद से हटा दिया गया है। कुलसचिव डॉ. सुनीता पांडेय ने अतिथि शिक्षक को हटाने का आदेश जारी कर दिया है। यही नहीं परिसर में

उनका प्रवेश भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। छात्र, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मिथिलेश गौतम द्वारा की गई पोस्ट की फोटोकॉपी लेकर पहुंचे थे। उन्होंने मिथिलेश गौतम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्रों के आक्रोश को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने फौरी तौर एक्शन लेते हुए मिथिलेश गौतम को हटा दिया। यही नहीं परिसर में उनके प्रवेश पर रोक भी लगा दी। आरोप है कि मिथिलेश कुमार ने सोशल मीडिया पर नवरात्र व्रत को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। इसकी जानकारी होते ही छात्र भड़क गए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने इस पर कुलपति से इस पर आपत्ति दर्ज कराते हुए अपना विरोध जाहिर किया। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने अतिथि प्रवक्ता मिथिलेश गौतम को हटा दिया। काशी विद्यापीठ में उनके प्रवेश को भी प्रतिबंधित कर दिया गया।

महंगे शौक पूरे करने को दसवीं का छात्र बना लुटेरा, बाइक समेत कई मोबाइल बरामद

बरेली। यूपी के बरेली में महंगे शौक पूरे करने को दसवीं में पढ़ने वाला प्रॉपर्टी डीलर का बेटा मोबाइल लुटेरा बन गया। इज्जतनगर पुलिस ने उसे दो साथियों के साथ गिरफ्तार किया है। वारदातों में इस्तेमाल होने वाली बिना नंबर की बाइक और लूटे गए छह मोबाइल भी बरामद हुए हैं। पुलिस इस लड़के के कारनामों से हैरान रह गई है। पिता प्रॉपर्टी डिलर होते हुए भी लड़के को अपने लिए पैसे चाहिए थे जिसके लिए उसने लूट करनी शुरू की।

18 सितंबर को इज्जतनगर में व्यापारी रवि लेखवानी का आईफोन बाइक सवार बदमाश लूट ले गए थे। इस मामले में थाना इज्जतनगर में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद जांच शुरू हुई। इसी बीच पुलिस ने सर्विलांस की मदद से आईफोन की लोकेशन ट्रेस कर बारादरी के कालीबाड़ी निवासी हर्षपाल और तुषार समेत तीन को गिरफ्तार कर लिया। इज्जतनगर इंस्पेक्टर दयाशंकर ने बताया कि तीसरा आरोपी नाबालिग है। कक्षा दसवीं का छात्र है। उसके पिता प्रॉपर्टी डीलिंग करते हैं। आरोपी तुषार ऑटो चलाता है। जबकि आरोपी हर्षपाल की चाय की दुकान है।

बताया जा रहा है कि तीनों लुटेरे आपस में दोस्त हैं। महंगे शौक पूरे करने को मोबाइल लूटने लगे। बरामद हुई बाइक हर्षपाल की है। उन्होंने बताया कि तीनों का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। उन्हें केवल बाइक, मोबाइल और अन्य महंगे शौक हैं जिन्हें पूरा करने के लिए उन्होंने चोरी शुरू की। पैसा आता देख उन्होंने ये काम नहीं छोड़ा और अपने शौक को पूरा करने के लिए मोबाइल लूटते रहे।

बुंदेलखंड में अब सुनाई देगी बाघ की दहाड़

लखनऊ। अब बुंदेलखंड में भी बाघ की दहाड़ सुनाई देगी। यूपी का चौथा टाइगर रिजर्व चित्रकूट के रानीपुर वन्यजीव विहार में बनाया जाएगा। योगी सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। चित्रकूट के रानीपुर सेंक्चुरी में करीब 52000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में रानीपुर टाइगर रिजर्व विकसित किया जाएगा। चित्रकूट के रानीपुर सेंक्चुरी में ही 52 हजार हेक्टेयर में टाइगर रिजर्व विकसित किया जा रहा है। कैबिनेट ने टाइगर रिजर्व को हरी झंडी देने के साथ ही रानीपुर बाघ संरक्षण फाउंडेशन बनाने के लिए भी कहा है। रानीपुर टाइगर रिजर्व अधिसूचित होने के बाद भारत सरकार के प्रोजेक्ट टाइगर का हिस्सा हो जाएगा।

राजनीतिक स्वार्थ व तुष्टीकरण की वजह से लगा पीएफआई पर प्रतिबंध : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने इस्लामिक संगठन पीपुल्स फ्रंट ऑफ इंडिया को प्रतिबंधित किये जाने के केन्द्र सरकार के फैसले को राजनीतिक स्वार्थ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुष्टीकरण नीति का परिणाम बताया है। मायावती ने शुक्रवार को कहा कि सरकार के इस फैसले से लोगों में संतोष के बजाय बेचैनी देखने को मिल रही है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, केन्द्र द्वारा पीपुल्स फ्रण्ट आफ इण्डिया (पीएफआई) पर देश भर में कई प्रकार से टारगेट करके अन्ततः अब विधानसभा चुनावों से पहले उसे उसके आठ सहयोगी संगठनों के साथ प्रतिबन्ध लगा दिया है, उसे राजनीतिक स्वार्थ व संघ तुष्टीकरण की नीति मानकर यहाँ लोगों में संतोष कम व बेचैनी ज्यादा है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने आरएसएस पर भी प्रतिबंध लगाने की विरोधी दलों की मांग का जिक्र करते हुए कहा, यही कारण है कि विपक्षी पार्टियाँ सरकार की नीयत में खोट मानकर इस मुद्दे पर भी आक्रोशित व हमलावर हैं और आरएसएस पर भी बैन लगाने की माँग खुलेआम हो रही है कि अगर पीएफआई देश की आन्तरिक सुरक्षा के लिए खतरा है तो उस जैसी अन्य संगठनों पर भी बैन क्यों नहीं लगना चाहिए ?

ज्वेलरी शोरूम से 7 करोड़ की चोरी कर चंपत हुआ मैनेजर

मेरठ। मेरठ के नील गली स्थित हल्दर ज्वैलर्स के शोरूम में मैनेजर ने करीब सात करोड़ की चोरी हो गई। आरोप है कि शोरूम का मैनेजर 10-12 किलो सोना, 20 लाख कैश और करोड़ों के डायमंड लेकर अपने साथी के साथ फरार हो गया। गुरुवार सुबह घटना का पता लगा तो बाजार में हड़कंप मच गया। खुलासा हुआ कि बाजार के दर्जनभर लोगों ने मैनेजर के पास सोना रखा हुआ था। देहली गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोपी पर शोरूम मालिक ने अपनी ओर से दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। सर्राफा बाजार नील गली में शफीकुल रहमान का हल्दर नाम से ज्वैलरी शोरूम है। शोरूम पर पश्चिम बंगाल निवासी युवक चिरंजीत करीब डेढ़ साल से काम करता था। शोरूम मालिक को उस पर काफी विश्वास था, इसलिए शोरूम की चाबी उसी को दी हुई थी। बुधवार रात चिरंजीत अपने साथी देवाशीष के साथ शोरूम पर पहुंचा और ताला खोलकर वहां से करीब 10-12 किलो सोना, गल्ले में रखा 20 लाख कैश और करोड़ों के डायमंड लेकर फरार हो गया। गुरुवार सुबह जब चिरंजीत शोरूम पर नहीं आया तो घटना का खुलासा हुआ। इसके बाद बाजार में हड़कंप मच गया।

बदायूं : हत्या की वारदात में बेटा ही निकला पिता का कातिल

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं में वजीरगंज इलाके में 22 अगस्त को हुई किसान ताराचंद की हत्या का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए गुरुवार को बताया कि मृतक की हत्या उसके अपने ही बेटे ने कर दी थी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि इस मामले की पड़ताल में शिकायतकर्ता बेटा ही मृतक ताराचंद की हत्या में शामिल पाया गया है। पुलिस ने इसके पीछे वजह ताराचंद पर कई लोगों का कर्ज होना बताया। पुलिस का कहना है कि ताराचंद जमीन बेचकर यह कर्ज चुकाने की तैयारी में था। जमीन हाथ से जाने के डर से बेटे ने ही 22 अगस्त की रात में अपने पिता की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी।

कानपुर : हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे के भांजे पर रासुका, बिकरू कांड में भी था शामिल

कानपुर। कानपुर में हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे के साथ बिकरू कांड को अंजाम देने वाले उसके भांजे के खिलाफ रासुका की कार्रवाई की गई है। डीएम के निर्देश पर कानपुर देहात की जेल में तामील कराया गया है। इसी की स्प्रिंग फील्ड रायफल से आठ पुलिस कर्मियों की हत्या की गई थी। लाइसेंस पहले ही निरस्त किया जा चुका है। चौबेपुर के बसेन निवासी आशुतोष त्रिपाठी उर्फ शिव वर्तमान समय में शिवली में रह रहा है। उसके पास स्प्रिंग फील्ड लाइसेंसी रायफल थी। वह विकास दुबे का भांजा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक बिकरू कांड के बाद पकड़े गए आरोपित अभिनव उर्फ चिंकू से यह रायफल बरामद की गई थी।

विधि विज्ञान प्रयोगशाला से जांच कराई गई तो घटना में रायफल के इस्तेमाल करने की पुष्टि हुई। चौबेपुर पुलिस ने जांच कर आशुतोष के खिलाफ रासुका और रायफल निरस्त करने की रिपोर्ट दी थी। डीएम विशाख जी ने बताया कि पुलिस की रिपोर्ट आई थी। आशुतोष के खिलाफ रासुका लगाकर उसे जेल में तामील करा दिया गया है। लाइसेंस पहले ही निरस्त हो चुका है। बहुचर्चित बिकरू कांड में इसकी अहम भूमिका रही है।

पुलिस के मुताबिक वारदात में दो सेमी ऑटोमैटिक राइफल का इस्तेमाल किया गया था। एक विकास के पास थी। जो उसके भाई दीपक दुबे के नाम पर थी। वहीं दूसरी राइफल शिव तिवारी की थी। इससे एक बार में तीस राउंड फायर होते हैं। जिन पुलिसकर्मियों की हत्या की गई थी, उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला था कि गोलियां इन्हीं रायफलों से मारी गई थीं। विकास के साथ शिव की भूमिका वारदात में मुख्य थी।

आजम खान की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट की रोक

जौहर यूनिवर्सिटी में खुदाई के बाद दर्ज मामले में राहत

प्रयागराज। पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को बड़ी राहत देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। जौहर विश्वविद्यालय की खुदाई में सफाई मशीन मिलने के मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद से आजम पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। आजम के खिलाफ रामपुर के अजीमनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उन्हें राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। नया केस दर्ज होने के बाद आजम खान की ओर

से इलाहाबाद हाईकोर्ट में गिरफ्तारी पर रोक और एफआईआर रद्द करने को लेकर अर्जी दाखिल की गई थी। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीत कुमार एवं न्यायमूर्ति सैयद वैज मियां की खंडपीठ ने आजम खान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता इमरान उल्ला को सुनकर दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर याचिका पर जवाब भी मांगा है। जौहर यूनिवर्सिटी में खुदाई के दौरान सफाई मशीन मिलने के मामले में रामपुर के अजीम नगर थाने में आजम खान और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। आजम खान ने याचिका दाखिल कर इस मामले में अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने और एफआईआर रद्द करने की मांग की थी।

आजम खान पर ये है आरोप

पूर्व मंत्री आजम खान पर चोरी का सामान अपनी यूनिवर्सिटी में छिपाकर रखने का आरोप है। कुछ दिन पहले पुलिस ने आजम खान के विधायक बेटे अब्दुल्ला के दो दोस्तों अनवार और सालिम को गिरफ्तार किया था। उनकी निशानदेही पर जौहर यूनिवर्सिटी में छापा मारा गया। पुलिस ने खुदाई के बाद परिसर की जमीन में दबी नगर पालिका की सफाई मशीन, मदरसा आलिया से चोरी हुई हजारों किताबें और कई अलमारियां मिलने का दावा किया।

लखनऊ में फर्जी इंस्पेक्टर गिरफ्तार : महिला होमगार्ड बनाने का करता था दावा

लखनऊ। लखनऊ में बेरोजगार युवतियों को महिला होमगार्ड के तौर पर भर्ती कराने के नाम पर ठगी करने वाले एक फर्जी इंस्पेक्टर नाका पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी महिलाओं और उनके परिजनों को नौकरी दिलाने के नाम पर बातों में फंसाकर पैसा लेता था। नाका पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर यह कार्रवाई की है।

वर्दी का रौब दिखा सरकारी नौकरी दिलाने का करता था दावा

नाका इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार ने बताया कि चौक निवासी दो युवतियों के परिजनों ने नौकरी के नाम पर ठगी की शिकायत की थी। जिसके आधार पर देवरिया के भटनी हरैया निवासी जमीन अहमद को गिरफ्तार किया गया है। वह इंस्पेक्टर की वर्दी पहनकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। उसने अपनी विभाग में पहुंच की बात कह उनकी होमगार्ड में भर्ती कराने का दावा किया था। जमील के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

महिला मित्र के साथ करता था ठगी, कई को बनाया शिकार

चौक अकबरी गेट निवासी मो. फरीद नाका स्थित एक क्लीनिक पर काम करते हैं। मो. फरीद का आरोप है कि जमील पांच सितंबर को क्लीन पर पत्नी अमरीन सुल्ताना के साथ आया था। जहां खुद को इंस्पेक्टर बताते हुए बहनों की होमगार्ड की नौकरी दिलाने का दावा किया।

उसकी बात में आकर चारबाग मेट्रो स्टेशन के पास 85 हजार रुपए नकद दिए। 23 सितंबर को दोनों बहनों को बलरामपुर अस्पताल मेडिकल कराने पहुंचा। जहां मदेयगंज की दो युवतियां और आई थी। जिनसे रानी नाम की महिला ने 40 हजार रुपए लिए थे। जहां मेडिकल के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति हुई।

गोरखपुर में होगी ट्रेनिंग, ट्रेन के भेजे टिकट

फर्जी इंस्पेक्टर ने युवतियों को होम गार्ड की ट्रेनिंग के लिए गोरखपुर चलने की बात कही। इसके लिए सबको 29 सितंबर का ट्रेन का टिकट भी भेजा। युवतियों का आरोप है कि परिजनों के साथ न जाकर अकेले चलने और सही पता न बताने पर शक हुआ। जिसके बाद थाने पर शिकायत की गई। पीड़ित लोगों का आरोप है कि जमीन महिला साथी के साथ महिलाओं को ही शिकार बनाते थे। इससे आशंका है कि यह लोग ट्रेनिंग के नाम पर युवतियों को दूसरे जिलों में बुलाते हैं।

नाबालिग से छेड़छाड़ के दोषी को जेल और जुर्माने की सजा

एजेंसी

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी सरकारी कर्मचारी को अदालत ने दोषी ठहराते हुए जेल और जुर्माने की सजा सुनायी है। विशेष लोक अभियोजक संजय कुमार तिवारी एवं सुनील कुमार मिश्र ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी सद्दाम हुसैन जल निगम चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो कोर्ट) अमित कुमार तिवारी की अदालत ने कल शाम इस मामले की सुनवाई पूरी कर हुसैन को दोषी करार देते हुए 04 साल के सश्रम कारावास एवं 05 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनायी है। अदालत ने अर्थदंड न देने पर दोषी को एक माह के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतने का आदेश दिया है। इस मामले में विशुनपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव की पीड़िता की मां ने अपनी तहरीर में बताया था कि 26 नवंबर 2014 की शाम करीब साढ़े सात बजे उनकी नाबालिग बेटी खेत की ओर शौच करने गयी थी। तभी वहां विशुनपुरा थाना क्षेत्र के बांसगांव चौरिया निवासी सद्दाम हुसैन बाइक से पहुंचा और बिटिया का हाथ पकड़ कर गन्ने के खेत की ओर खींच ले गया और उसके साथ जोर जबर्दस्ती करने लगा। बिटिया के शोर मचाने पर परिजन पहुंचे तब तक वह बाइक लेकर भाग गया। पुलिस ने इस मामले में सद्दाम के खिलाफ छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। विवेचक ने आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी। दोनों पक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं की बहस व प्रस्तुत साक्ष्य का अवलोकन करने के बाद अदालत ने सद्दाम हुसैन को दोषी पाया। बहस के दौरान लोक अभियोजक ने मांग की कि सरकारी विभाग का कर्मचारी होते हुए उसने यह अपराध कियाए ऐसे में उसे सजा में किसी तरह की रियायत न दी जाए। न्यायाधीश ने दोषी पाए गए सद्दाम हुसैन को चार साल के सश्रम कारावास व पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनायी।

शार्ट न्यूज

रुपया 33 पैसे चढ़ा

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर पड़ने के साथ ही घरेलू स्तर पर शेयर बाजार में रही तेजी से मिले समर्थन के बल पर आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 33 पैसे चढ़कर 81.40 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले दिवस रुपया 81.73 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 13 पैसे की मजबूती लेकर 81.60 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान यह 81.69 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक उतरा। इस दौरान यह 81.17 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा भी। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 33 पैसे चढ़कर 81.40 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार में लगभग दो सप्ताह से गिर रही कच्चे तेल की कीमतों के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम शुक्रवार को भी स्थिर रहे। कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चल रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.55 प्रतिशत गिरकर 88.00 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड भी 0.47 प्रतिशत के दबाव से 80.85 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में पिछले चार महीने से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

वनस्पति और पॉम ऑयल में नरमी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में टिकाव के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में पॉम ऑयल और वनस्पति में नरमी देखी गयी जबकि शेष खाद्य तेलों के साथ ही चावल, गेहूं, दाल दलहन में स्थिरता बनी रही। तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा 136 रिंगिट उबलकर 3280 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का अक्टूबर वायदा 1.15 सेंट की तेजी लेकर 63.30 सेंट प्रति पौंड हो गया। इस दौरान वनस्पति तेल 293 रुपये प्रति क्विंटल और पॉम ऑयल 220 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, सरसों तेल और मूंगफली तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और ये पुराने स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज: अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पड़े रहे।

40 रुपये से 600 के पार हुए शेयर, अब कंपनी दे रही 1 पर 2 बोनस शेयर

नई दिल्ली। मेटल इंडस्ट्री की एक मल्टीबैगर कंपनी अपने निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा देने जा रही है। यह कंपनी शिवालिक बायमेटल कंट्रोल्स है। कंपनी अपने निवेशकों को 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर देने जा रही है। यानी, हर 1 शेयर पर कंपनी 2 बोनस शेयर देगी। शिवालिक बायमेटल कंट्रोल्स ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट भी फिक्स कर दी है, यह 13 अक्टूबर 2022 है। कंपनी के शेयर 12 अक्टूबर 2022 को एक्स-बोनस पर ट्रेड करेंगे। शिवालिक बायमेटल कंट्रोल्स के शेयरों ने पिछले 2 साल में तगड़ा रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर 25 सितंबर 2020 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 39.65 रुपये के स्तर पर थे। शिवालिक बायमेटल कंट्रोल्स के शेयर 30 सितंबर 2022 को बीएसई में 687.90 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 25 सितंबर 2022 को कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 17.34 लाख रुपये होता।

कोर सेक्टर में 9 माह की सबसे बड़ी गिरावट, राजकोषीय घाटे पर आई ये अपडेट

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर दो नई अपडेट है। आठ कोर सेक्टर का उत्पादन अगस्त में 3.3 प्रतिशत की सुस्त रफ्तार से बढ़ा है। वहीं, अप्रैल-अगस्त की अवधि में भारत का राजकोषीय घाटा 5.42 लाख करोड़ रुपये था, जो पूरे साल के लक्ष्य का 32.6 प्रतिशत था। कोर सेक्टर में 9 माह की गिरावट-कोर सेक्टर में यह वृद्धि पिछले नौ महीने में सबसे कम है। एक साल पहले की इसी अवधि में यह आंकड़ा 12.2 प्रतिशत था। पिछला निचला स्तर नवंबर, 2021 में 3.2 प्रतिशत था। आठ कोर सेक्टर का उत्पादन इस साल अप्रैल-अगस्त में 9.8 प्रतिशत बढ़ा है, जो एक साल पहले इसी अवधि में 19.4 प्रतिशत था। इन आठ सेक्टर में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल हैं। राजकोषीय घाटा सरकार के आय से लिये गये कर्ज की स्थिति को बताता है। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के आंकड़ों के अनुसार, टैक्स समेत सरकार की कुल प्राप्तियां 8.48 लाख करोड़ रुपये रहीं। यह 2022-23 के लिये बजटीय अनुमान का 37.2 प्रतिशत है। एक साल पहले 2021-22 की इसी अवधि में कुल प्राप्ति बजटीय अनुमान की 40.9 प्रतिशत थी। कर राजस्व संग्रह सात लाख करोड़ रुपये रहा। यह चालू वित्त वर्ष के बजटीय अनुमान का 36.2 प्रतिशत रहा। केंद्र सरकार का कुल व्यय अप्रैल-अगस्त के दौरान 13.9 लाख करोड़ रुपये यानी बजटीय अनुमान का 35.2 प्रतिशत है। यह बीते वित्त वर्ष 2021-22 की इसी अवधि में 36.7 प्रतिशत था।

केमिकल स्टॉक ने दिया 52 हफ्ते का बेस्ट परफॉर्मेंस

नई दिल्ली। गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड (जीएफएल) के स्टॉक ने 52 हफ्ते का बेस्ट परफॉर्मेंस दिया है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इंट्रा-डे में यह स्टॉक 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 4,025 रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। बीते कुछ कारोबारी दिन में इस केमिकल स्टॉक की खरीदारी बढ़ी है। सिर्फ पांच कारोबारी दिन में गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड के स्टॉक में 8% से अधिक की वृद्धि हुई है। स्पेशियलिटी केमिकल स्टॉक ने एक साल की अवधि में लगभग 106% का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है, जबकि 2022 में अब तक मल्टीबैगर स्टॉक लगभग 59% चढ़ चुका है। फिलहाल कंपनी का मार्केट कैपिटल 44 हजार करोड़ रुपये है। आपको बता दें कि गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड एक भारतीय केमिकल कंपनी है जिसके पास फ्लोरीन रसायन विज्ञान में 30 से अधिक वर्षों की स्पेशियलिटी है। कंपनी के पास फ्लोरोपॉलीमर, फ्लोरोस्पेशलिटीज, रेफ्रिजरेंट्स और केमिकल्स में स्पेशियलिटी है। ब्रोकरेज आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स अगले 5-10 वर्षों में फ्लोरोपॉलीमर और बैटरी केमिकल्स में बढ़ते अवसर को लेकर आशावादी है। अगले तीन वर्षों में राजस्व दोगुना होने की उम्मीद जताई है।

1 अक्टूबर से प्लेटफार्म टिकट के लिए दोगुना चुकाना होगा दाम

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में रेल यात्रियों को छोड़ने स्टेशन पर जाने वाले संबंधियों को झटका लगा है। प्लेटफॉर्म टिकट के लिए अब आपको अपनी जेब और ढीली करने पड़ेगी। रेलवे ने इसे 10 रुपये से बढ़ाकर 20 रुपये कर दिया है। यह बढ़ोतरी दक्षिण रेलवे ने किया है। दक्षिण रेलवे ने ट्विट करके कहा है कि प्लेटफार्म टिकट के दाम दोगुने किए जा रहे हैं। यह रेट एक अक्टूबर से 31 जनवरी 2023 तक लागू रहेंगे। रेलवे की तरफ से बताया गया है कि त्योहारों के समय भीड़भाड़ को कम करने के लिए ऐसा किया गया है। दक्षिण रेलवे ने ये दाम चेन्नई डिवीजन में बढ़ाए गए हैं। नोटिफिकेशन के मुताबिक इसके तहत कुल 8 रेलवे स्टेशन आएंगे। रेलवे ने कहा है कि इससे यात्रियों को सहूलियत मिलेगी और प्लेटफॉर्म पर अतिरिक्त भीड़ से बचा पाएंगे। बता दें कोरोनाकाल में प्लेटफॉर्म टिकट के दामों में सबसे ज्यादा इजाफा हुआ था, जो कई महीनों तक चला। कुछ दिन पहले हैदराबाद के काचीगुडा में प्लेटफॉर्म टिकट के दाम 10 रुपये से बढ़ाकर 20 रुपये कर दिए गए।

उर्वरकों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए भारत वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से कर रहा है समझौते : मांडविया

नयी दिल्ली। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने उर्वरकों की दीर्घावधि में सुचार आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रासायनिक उर्वकों के वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं के साथ साझेदारियों की व्यवस्था की है। श्री माडविया ने कहा कि यह व्यवस्था वैश्विक कंपनियों द्वारा गुट बना कर बाजार को प्रभावित करने की समस्या का भी समाधान करेंगी।

डॉ. मांडविया के समक्ष शुक्रवार को यहां दुबई की कंपनी एग्रीफील्ड्स के साथ भारतीय उर्वरक कंपनी मद्रास फर्टिलाइजर लिमिटेड का एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) प्रस्तुत किया गया। मद्रास फर्टिलाइजर लिमिटेड ने तीन वर्षों के लिए सालाना 30,000 टन फॉस्फोरिक एसिड प्राप्त करने के लिए दुबई के मैसर्स एग्रीफील्ड्स के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। डीएपी और एनपीके उर्वरकों की उपलब्धता में सुधार लाने की दिशा में यह एक उल्लेखनीय कदम माना जा रहा है।

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के मुताबिक केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर कहा, ''उर्वरकों, विशेष रूप से डीएपी तथा एनपीके की आपूर्ति में व्याप्त अनिश्चितताओं की पृष्ठिभूमि में किया जाने वाला यह एमओयू कार्टेलाइजेशन के माध्यम से प्रबंध करने वाली कुछ वैश्विक कंपनियों के बजाये अर्थव्यवस्थाओं में निष्पक्ष व्यवसाय करने में एक मजबूत भूमिका निभाएगा। दुबई की कंपनी के साथ मिलने वाले फॉस्फोरिक एसिड के उपयोग से देश में लगभग 1.67 लाख टन एनपीके का उत्पादन किया जाएगा।

डॉ. मांडविया ने टिप्पणी की कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में फॉस्फेटिक उर्वरकों में गिरावट का रुझान देखा जा रहा है, देश में भी वैसी ही प्रवृत्ति आने वाली तिमाहियों के दौरान फॉस्फोरिक एसिड जैसे उर्वरकों के कच्चे मालों में देखी जानी चाहिए।''

उन्होंने कहा कि फॉस्फोरिक एसिड डीएपी एवं अन्य जटिल एनपीके उर्वरकों के विनिर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। कच्चे माल तथा उर्वरक अवयवों के आयात पर भारत की उच्च निर्भरता को देखते हुए, भारत सरकार भारतीय किसानों को पी एंड के उर्वरकों की दीर्घावधि उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक उत्पादकों एवं आपूर्तिकर्ताओं के साथ ऐसी आपूर्ति साझेदारियां करती रही हैं। डॉ. मांडविया ने जोर देकर कहा कि आगामी फसली सीजन से पहले इस प्रकार के समझौता ज्ञापनों का महत्व और बढ़ गया है क्योंकि यह न केवल देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में योगदान देगा बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने में भी सहायता करेगा।

सूक्षम, लघु, मझोले उद्यम भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि सूक्षम, लघु, मझोले क्षेत्र (एमएसएमई क्षेत्र) के उद्यम देश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हैं और इन उद्यमों की सफलता में ही आत्मनिर्भर भारत अभियान की सिद्धि और देश निहित है।

बिरला यहां पीएचडी चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 117 वे वार्षिक सत्र को सम्बोधित कर रहे थे। श्री बिरला ने देश की 75वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की असाधारण उपलब्धियों में हर देशवासी का योगदान है तथा देश के उद्यमियों ने राष्ट्रनिर्माण में अपना अमूल्य योगदान

दिया है। उन्होंने कहा,आजादी के बाद भारत के तीन-चौथाई से ज्यादा लोग अब शिक्षित हैं। हमारी औसत जीवन प्रत्याशा दोगुनी से ज्यादा हो गई है। खाद्य उत्पादन में हम आत्मनिर्भर हैं, आज हम दुनिया की बड़ी आबादी को भोजन देने में सक्षम हैं। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क आज हमारे देश में है।

देश में एमएसएमई क्षेत्र के योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह सेक्टर हमारी अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। उन्होंने विशवास व्यक्त किया,''एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमों से ही आत्मनिर्भर भारत अभियान को सिद्धि मिलेगी तथा देश सशक्त होगा।

उन्होंने आगे कहा कि मेक इन इंडिया के लिए लोकल सप्लाई चेन बने, जो भारत की विदेशों पर निर्भरता कम कर सके और 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में अपनी भूमिका का और अधिक विस्तार करे।

देश की वैश्विक स्तर पर उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत आज लंबे समय से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान सरकार ने देश में कारोबारी जगत में कई सुधारों को लागू किया है, जिससे विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि देश फार्मा, तकनीक, साइबर, डिफेंस, अंतरिक्ष, शिक्षा, अनुसंधान जैसे हर क्षेत्र में उत्पादन और एक्सपोर्ट बढ़ा रहा है।

देश की युवा शक्ति के विषय में श्री बिरला ने कहा कि भारत के युवा अपने सकारात्मक दृष्टिकोण, योग्यता और समृद्ध सामाजिक-सांस्कृतिक विरासत के बल पर देश की उन्नति में नए आयाम जोड़ रहे हैं। भारतीय डॉक्टर, वैज्ञानिक, वकील, इंजीनियर, कारोबारी पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं जो बहुत ही सकारात्मक संकेत हैं।

महंगाई पर लगाम लगाने को आरबीआई ने कसी कमर; रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई। आसमान छू रही महंगाई को काबू में करने के लिए पूरी दुनिया के केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर में बढ़ोतरी करने का अनुसरण करते हुए रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी उम्मीद के अनुरूप आज रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि कर दी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद शुक्रवार को गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैठक में लिए गये निर्णय की जानकारी देते हुये कहा कि वैश्विक स्तर पर महंगाई में अप्रत्याशित बढ़ोतरी से भारत भी अछूता नहीं है। बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के साथ ही विकास को गति देने के लिए एमपीसी ने रेपो दर में 0.50 प्रतिशत वृद्धि करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी के बाद रेपो दर 5.40 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत बढ़कर 5.9 प्रतिशत पर, सटैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी दर (एसडीएफ) 5.15 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत बढ़कर 5.65 प्रतिशत तथा मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) 5.65 प्रतिशत से बढ़कर 6.15 प्रतिशत पर पहुंच गयी है। नीतिगत दरों में हुई बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलने की उम्मीद है और महंगाई को मध्यावधि में छह प्रतिशत के लक्षित दायरे में लाया जा सकेगा। दास ने कहा कि समिति के छह में से पांच सदस्यों ने नीतिगत दरों में 0.50 प्रतिशत की बढोतरी करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही समिति ने समायोजन वाले रूख को वापस लेने पर भी सहमति जतायी है। इससे महंगाई को लक्षित दायरे में लाने और विकास को गति देने में मदद मिलेगी।

माप तोल अधिकारियों को चालान के लिए दी जाए मशीन : कैट

नयी दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा की माप तोल कानून की अनेक धाराओं में छोटी मोटी भूलों अथवा गलतियों के लिए भी सिविल धाराओं की बजाय अपराधिक धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज करना न्यायोचित नहीं है। खंडेलवाल ने एक बैठक में कहा कि माप तोल विभाग के अधिकारियों को भी चालान करने के मामलों में इलेक्ट्रॉनिक मशीन दी जाए जैसे ट्रैफिक पुलिस को दी गई हैं। कैट ने माप तोल कानून में आवश्यक संशोधन करने के केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा की वर्ष 2011 में बने इस कानून में न्याय के प्राकृतिक सिद्धांत की अनदेखी की गई थी जिसे सरकार ने ठीक करने का निर्णय लिया है जिससे देश के व्यापारी वर्ग को बड़ा लाभ होगा।

उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने बताया की मंत्रालय माप तोल कानून एवं नियमों के कुछ प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखे जाने के बारे में सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। उन्होंने बताया की इस मामले में श्री गोयल ने अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं जिसके अनुसार विभाग में शीर्ष स्तर पर शेयरधारकों के साथ चर्चा कर ऐसे प्रावधानों को चिन्हित किया गया है और उनमें संशोधन करने की प्रक्रिया पर काम जारी है।

श्री खंडेलवाल ने कहा की कानून की धारा 25 ,28 से 37 तथा 41 से 47 में आपराधिक प्रावधान है। माप तोल क़ानून के अंतर्गत यदि पैक्ड वस्तु पर कोई विवरण लिखा न जाए अथवा कुछ छूट जाए या कोई तकनीकी गलती भी हो जाए तो उनमें भी वित्तीय दंड एवं सजा का प्रावधान है।

उन्होंने कहा की आपराधिक मामले में धोखा देने की नीयत का होना जरूरी है जबकि माप तोल कानून में इस तथ्य को फिलहाल दरकिनार रखा गया है और माप तोल निरीक्षक को उनके विवेक के आधार पर कार्रवाई करने की छूट दी गई है जिसपर अंकुश लगाना बहुत आवश्यक है।

अर्थव्यवस्था को वैश्विक झटकों से बचाने के आरबीआई के भरोसे पर झूमा शेयर बाजार

मुंबई। घरेलू अर्थव्यवस्था को वैश्विक झटकों से बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाने के रिजर्व बैंक (आरबीआई) के भरोसे से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत शेयर बाजार पिछले लगातार सात दिन की गिरावट से उबरते हुए आज डेढ़ प्रतिशत की अधिक की तेजी के साथ बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1016.96 अंक अर्थात 1.80 प्रतिशत की छलांग लगाकर 57426.92 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 276.25 अंक यानी 1.64 प्रतिशत उछलकर 17 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 17094.35 अंक पर पहुंच गया। बीएसई का मिडकैप 1.39 प्रतिशत चढ़कर 24,853.94 अंक और स्मॉलकैप 1.45 प्रतिशत की तेजी लेकर 28,452.91 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3538 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2335 में तेजी जबकि 1107 में गिरावट रही वहीं 96 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 41 कंपनियों में लिवाली जबकि शेष नौ में बिकवाली हुई।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद शुक्रवार को गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैठक में लिए गये निर्णय की जानकारी देते हुये कहा कि बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के साथ ही विकास को गति देने के लिए एमपीसी ने रेपो दर में 0.50 प्रतिशत वृद्धि करने का निर्णय लिया है। वैश्विक एवं घरेलू कारकों के दबाव के बावजूद वित्त वर्ष 2022-23 के लिए वास्तविक जीडीपी विकास दर के 7.0 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। साथ ही इसके अगले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में जीडीपी विकास दर के 7.2 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। इससे निवेशकों का निवेश धारणा मजबूत हुई और बीएसई के 18 समूहों में तेजी दर्ज की गई। इस दौरान दूरसंचार 3.49, धातु 2.66, बैंकिंग 2.63, कमोडिटीज 1.48, सीडी 1.34, इंडस्ट्रियल्स 1.68, यूटिलिटीज 1.85, ऑटो 1.62, कैपिटल गुड्स , कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.96, पावर 1.94, रियल्टी 1.94 और टेक समूह के शेयर 1.39 प्रतिशत चढ़ गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.75, जर्मनी का डैक्स 0.93 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.33 प्रतिशत चढ़ गया जबकि जापान का निक्केई 1.83 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.55 प्रतिशत उतर गया।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 170 अंक की गिरावट लेकर 56,240.15 अंक पर खुला और बिकवाली के दबाव में कुछ देर बाद ही 56,147.23 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। आरबीआई के भरोसे के बाद हुई लिवाली की बदौलत यह लगातार धीरे-धीरे चढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 57,722.63 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 56,409.96 अंक के मुकाबले 1.80 प्रतिशत की छलांग लगाकर 57,426.92 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 26 हरे निशान में रही जबकि चार को नुकसान उठाना पड़ा।

इसी तरह निफ्टी भी 20 अंक फिसलकर16798.05 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17187.10 अंक के उच्चतम और 16477.70 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस 16818.10 अंक की तुलना में 276.25 अंक अर्थात 1.64 प्रतिशत बढ़कर 17094.35 अंक पर रहा।

निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 41 हरे निशान में रही जबकि नौ लाल निशान में रही।

उद्योग जगत का रेपो दर में बढ़ोतरी पर मिला-जुला रुख

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को रेपो दर 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 5.9 प्रतिशत कर दी, जिसपर भारतीय उद्योग जगत ने मिली-जुली टिप्पणियां की है।

एस्सार कैपिटल लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधन निदेशक संजय पाल्वे ने कहा,मौद्रिक नीति समिति का आज रेपो दर को 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 5.9 प्रतिशत करना उम्मीदों के अनुसार है। विभिन्न भू-राजनीतिक कारणों से वित्तीय बाजारों और वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है जो उच्च मुद्रास्फीति के स्तर को खतरनाक बना रहा है। मुद्रास्फीति पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने के साथ आरबीआई के रुख से बाजार की धारणा को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा,वैश्विक प्रतिकूलताओं के बावजूद आरबीआई का वृद्धि की ओर आशावाद का झुकाव पिछले कुछ महीनों में अर्थव्यवस्था के प्रभावशाली प्रदर्शन की ओर रहा है। अन्य उच्च मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत को एक बेहतर स्थान पर रखा जा रहा है, जो एक प्रगतिशील आर्थिक स्थिति पेश करता है। जैगल के एमडी और सीईओ अविनाश गोडखिंडी ने कहा,आरबीआई का रेपो दर में बढ़ोतरी का फैसला अपेक्षित तर्ज पर है और पिछले कुछ महीनों में उच्च बनी हुयी खुदरा मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद करेगा। यह फैसला रुपये में गिरावट से उत्पन्न हुई एक और चिंता को दूर करने में मदद कर सकता है। देश में पिछले कुछ महीनों में निवेश गतिविधियों में वृद्धि का अनुभव किया है जो आर्थिक पुनरुद्धार का संकेत देता है और मौजूदा त्योहारी मौसम से आर्थिक गतिविधियों को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक वित्तीय बाजार में उतार-चढ़ाव, कच्चे तेल की कीमतें, आपूर्ति पक्ष में व्यवधान और वैश्विक वित्तीय स्थितियों में कठोरता जैसी कई अन्य अल्पकालिक वैश्विक बड़ी चिंताओं के बीच भारत आशा की किरण और अवसरों का केंद्र बना हुआ है। इसे लेकर आरबीआई के उठाए गए कदम अपेक्षित और सही है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के सीईओ संदीप भारद्वाज ने कहा,''आरबीआई ने रेपो दर को 5.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.9 प्रतिशत कर दिया। केंद्रीय बैंक ने वृद्धि का समर्थन करते हुए अन्य चीजों पर भी ध्यान केंद्रित करना जारी रखा है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट को लेकर चिंता के बीच आरबीआई गवर्नर ने कहा कि विदेशी मुद्रा भंडार में 66 प्रतिशत गिरावट डॉलर और उच्च बांड यील्ड्स के मूल्यों में परिवर्तनों के कारण है।

उन्होंने कहा,बैंकों के लिए नीति सकारात्मक है और निफ्टी बैंक इंडेक्स 39000 के स्तर पर स्थित 10 दिवसीय ईएमए को फिर से परख सकता है।

इन्वेस्को म्यूचुअल फंड के फिक्सड इंकम के प्रमुख विकास गर्ग ने कहा,वैश्विक मौद्रिक नीति की चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि के बीच आरबीआई ने लगातार तीसरी बार 0.5 प्रतिशत की वृद्धि की है और इससे स्पष्ट है कि केंद्रीय बैंक घरेलू मुद्रास्फिती पर कड़ी निगरानी रखता है।

वेदांता का 2030 तक 2.5 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा हासिल करने का लक्ष्य

मुंबई। देश की खनन कंपनी वेदांता लिमिटेड ने अक्षय ऊर्जा स्त्रोत को एक गीगावाट तक बढ़ाने का फैसला किया है इसको लेकर कंपनी ने अतिरिक्त 500 मेगावाट अक्षय ऊर्जा के लिए रुचि पत्र (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) आमंत्रित किए हैं। वेदांता ने वर्ष 2030 तक अपने परिचालन के लिए 2.5 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा हासिल करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के मुख्य सुरक्षा अधिकारी और समूह के सीईओ सुनील दुग्गल ने कहा, यह कदम प्राकृतिक संसाधन क्षेत्र में ईएसजी के क्षेत्र में अग्रणी बनने के हमारे कदम को आगे बढ़ाता है। यह 2030 तक 2.5 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम उद्योग में सर्वश्रेष्ठ के साथ सहयोग करने की आशा कर रहे हैं क्योंकि हम अपने डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

नीतिगत दरों में बढोतरी से रियल एस्टेट होगा प्रभावित : उद्योग

एजेंसी

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट उद्योग ने बढ़ती महंगाई को काबू में करने और विकास को गति देने के उद्देश्य से रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति द्वारा नीतिगत दरों में आज की गयी बढ़ोतरी का स्वागत किया है लेकिन कहा है कि इससे उससे असर पड़ेगा। गौर समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं क्रेडाअई एनसीआर के अध्यक्ष मनोज गौर ने कहा कि आरबीआई द्वारा रेपो दर में 50 आधार अंकों की वृद्धि अब इसे पूर्व-महामारी के स्तर से ऊपर ले जाती है। एक तरफ यह अर्थव्यवस्था में विश्वास और दूसरे स्तर पर भविष्य के विकास के दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो हाल के वैश्विक विकास जैसे कि रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा अपनाई गई आक्रामक मौद्रिक नीतियों ले कारण आवश्यक थी। भले ही इसका रियल एस्टेट क्षेत्र पर मामूली प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आरबीआई इस वृद्धि को त्योहारों के बाद के मौसम के लिए स्थगित कर सकती थी। खरीदारों का उत्साह आवासीय रियल एस्टेट सेक्टर बना हुआ है और यह उछाल बरकरार रहने की उन्हें उम्मीद है।

एसकेए ग्रुप के निदेशक संजय शर्मा ने कहा कि रेपो दर में वृद्धि मामूली है और खरीदारों पर इसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि दरों में न्यूनतम वृद्धि होगी। अचल संपत्ति में प्रचलित वैश्विक परिदृश्य के साथ यह काफी अपेक्षित था। डेवलपर्स आरबीआई के इस फैसले की मदद से इनपुट लागत से निपटने से निपटने के लिए एक सुविधाजनक माध्यम के तौर पर देखेंगे।

एबीए कार्प के निदेशक एवं क्रेडाई पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अमित मोदी ने कहा कि इसका पहला और सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव होम लोन की ब्याज दरों पर पड़ेगा। यह मध्यम-आय वर्ग के घर खरीदारों के लिए एक झटका होगा क्योंकि इससे उन्हें पिछले साल की तुलना में फिर से लागत अधिक होगी। हालांकि, मुद्रास्फीति को रोकने के लिए यह एक कुशल कदम है क्योंकि दुनिया भर में इनपुट लागत में समग्र वृद्धि हुई है।

भूमिका ग्रुप के प्रबंध निदेशक उद्धव पोद्दार ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति, यूक्रेन-रूस युद्ध और वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा ऋण की दरों में वृद्धि ने इसे ज्यादा जगह नहीं छोड़ी जिसके कारण यह वृद्धि हुई है। इसका रियल्टी पर, खासकर कमर्शियल सेगमेंट पर असर निश्चित असर पड़ेगा। यह कदम डेवलपर्स के लिए परियोजनाओं की वित्तपोषण लागत में वृद्धि करने जा रहा है, और हमारे अधिकांश ग्राहकों के लिए जो खुदरा व्यापार में हैं, यह उपभोक्ताओं के लिए समग्र मूल्य वृद्धि में वृद्धि करते हुए ईएमआई में वृद्धि करेगा। यह कहते हुए कि, आर्थिक दृष्टिकोण सकारात्मक है और भारत, विकास पथ पर होने के कारण, ब्याज दरों में वृद्धि को समायोजित करने की क्षमता रखता है।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अगस्त में धीमी हो कर रही 3.3 प्रतिशत

नयी दिल्ली। देश में बुनियादी क्षेत्र के आठ उद्योगों की उत्पादन वृद्धि की रफ्तार अगस्त 2022 में घट कर 3.3 प्रतिशत रह गयी। एक साल पहले इसी माह इन उद्योगों का उत्पादन सालाना आधार पर 12.2 प्रतिशत बढ़ा था।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इन आठ उद्योगों में उर्वरक, कोयला, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, इस्पात, सीमेंट और बिजली के उत्पादन में आलोच्य माह में वृद्धि हुई है। इसके विपरीत कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी।

मंत्रालय द्वारा आज जारी आंकड़ों में कहा, प्रमुख आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन सूचकांक अगस्त 2021 के मुकाबले 3.3 प्रतिशत बढ़ा। उर्वरकों, कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, इस्पात, सीमेंट और विद्युत उद्योगों के उत्पादन में अगस्त 2022 में सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज की गयी। इन आठ बुनियादी उद्योगों का देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत योगदान है।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त 2022 के दौरा इन बुनियादी उद्योगों का उत्पादन इससे पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 9.8 प्रतिशत (त्वरित अनुमान) बढ़ा है।

अगस्त 2022 में कोयले का उत्पादन वार्षिक आधार पर 7.6 प्रतिशत बढ़ा है जबकि अप्रैल-अगस्त 2022 की अवधि में इसके उत्पादन में सालाना आधार 22.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुयी है।

कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में अगस्त 2022 में क्रमश: 3.3 प्रतिशत और 0.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। इस अवधि में पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों में सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुयी।

शेफाली के लिये विकेट पर समय बिताना जरूरी : हरमनप्रीत कौर

सिलहेट। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एशिया कप 2022 से पहले सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का समर्थन करते हुए शुक्रवार को कहा कि उन्हें टूर्नामेंट में मैदान पर समय बिताने का मौका दिया जाएगा ताकि वह अपनी फॉर्म में वापस आ सकें।

भारतीय टीम अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत एक अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ करेगी।

कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, मैं अभ्यास सत्रों के आधार पर कह सकती हूं कि वह वास्तव में अच्छा कर रही हैं। यह जीवन का हिस्सा है, कभी-कभी आप अच्छा खेलते हैं, कभी-कभी आप अपना अच्छा फॉर्म जारी नहीं रख पाते।

उन्होंने कहा, वह नेट्स में अच्छा खेल रही हैं और उन्हें अपने [खराब] फॉर्म से बाहर निकलने के लिए विकेट पर कुछ समय बिताने की जरूरत है। वह हर दिन कड़ी मेहनत कर रही हैं। यह एक ऐसा मंच है जहां आप खुद को अभिव्यक्त कर सकते हैं और खुलकर क्रिकेट खेल सकते हैं। हम उन्हें मैच में पर्याप्त समय देने की कोशिश करेंगे ताकि वह अपना आत्मविश्वास वापस पा सके।

शेफाली हाल के इंग्लैंड दौरे पर किसी भी प्रारूप में अर्धशतक नहीं बना सकीं, जबकि पिछली छह पारियों में वह चार बार दहाई का आंकड़ा छूने में नाकाम रहीं।

शेफाली ने पिछली 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं बनाया है, हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ राष्ट्रमंडल खेल 2022 के पहले मैच में उन्होंने 33 गेंदों में 48 रनों की पारी खेली थी।

हरमनप्रीत ने बताया कि खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देने की योजना सिर्फ शेफाली तक सीमित नहीं रहेगी, और टी20 विश्व कप से पहले नये खिलाड़ियों को भी उनकी क्षमता दिखाने का मौका होगा।

हरमनप्रीत ने कहा, हमारा पहला लक्ष्य अन्य खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके देना होगा, जिन्हें अब तक (अवसर) नहीं मिले हैं। निश्चित रूप से बहुत सारे क्षेत्र हैं जहां हम एक टीम के रूप में काम करना चाहते हैं, विशेष रूप से हम पहले छह ओवरों के उपयोग पर विचार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हम अपने मध्यक्रम में फेरबदल करने की कोशिश करेंगे ताकि दूसरों को भी कुछ समय मिल सके। आखिरी ओवरों में भी हमारे पास कुछ विस्फोटक बल्लेबाज हैं, इसलिए हम उन्हें पर्याप्त मौके देने का प्रयास करेंगे। अपनी गेंदबाजी में, हम विभिन्न संयोजनों की कोशिश करेंगे। यह टूर्नामेंट हमारे लिए महत्वपूर्ण है। यह एक बेहतरीन मंच है, जहां जिन खिलाड़ियों को मौका नहीं मिला है वे आकर प्रदर्शन कर सकते हैं। अगर वे यहां प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें विश्व कप में जाने के लिए काफी आत्मविश्वास मिल सकता है। हरमनप्रीत एक खिलाड़ी और कप्तान दोनों के रूप में आत्मविश्वास के साथ एशिया कप में आ रही हैं। इस साल की शुरुआत में बल्ले से उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाए जा रहे थे, लेकिन उन्होंने नियमित प्रदर्शन के साथ आलोचकों को शांत कर दिया है। हरमनप्रीत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में नाबाद 143 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसकी तुलना 2017 विश्व कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गयी 171 रन की पारी से की गयी।

शार्ट न्यूज

वियतनाम ओपन के सेमीफाइनल में सिक्की-कपूर की जोड़ी

हो ची मिन्ह सिटी। रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी की भारतीय जोड़ी ने शुक्रवार को मलेशिया के चैन पेंग सून और चीयेह यी सी को हराकर वियतनाम ओपन सुपर 100 टूर्नामेंट के मिश्रित युगल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पिछले हफ्ते छत्तीसगढ़ अंतरराष्ट्रीय चैलेंज जीतने वाली भारतीय जोड़ी का सामना सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के रेहान नौफल कुशरजंतो और लीज़ा आयु कुसुमवती से होगा। भारतीय जोड़ी पहले गेम में 12-15 से पिछड़ी हुई थी, लेकिन चार लगातार अंकों के साथ उन्होंने तालिका को 19-18 कर दिया। इसके बाद उन्होंने एक अंक गंवाया लेकिन 21-19 से गेम जीतकर मैच में 1-0 की बढ़त बना ली। सिक्की-कपूर ने दूसरे गेम में आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की। मलेशियाई युगल ने भले ही 10-8 की शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन भारतीयों ने गेम को 12-12 पर बराबर करने के बाद प्रतिद्वंदियों को मैच में वापस नहीं आने दिया।

एशियन जूनियर टेनिस : जया, आदित्य ने जीते दोहरा खिताब

लखनऊ। भारत के आदित्य मोर और जया कपूर ने नवाब नगरी लखनऊ में चल रहे अंतरराष्ट्रीय एशियाई जूनियर टेनिस टूर्नामेंट के अंडर-16 मुकाबलों के अंतिम दिन शुक्रवार को बालक और बालिका वर्ग में दोहरे खिताब जीतकर अपना परचम लहराया। आदित्य मोर ने विजयंतखंड स्टेडियम के टेनिस कोर्ट में बालक वर्ग के एकल फाइनल में आराध्य क्षितिज को 7-5, 7-6(5) से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। आदित्य ने इस कड़े मुकाबले में शानदार खेल और धैर्य का परिचय दिया। उनके ग्राउंड स्ट्रोक्स और सर्विस का उसके प्रतिद्वंदी के पास कोई जवाब नहीं था। इससे पहले, आदित्य मोर ने अपने जोड़ीदार प्रनील शर्मा के साथ पुरुष युगल प्रतियोगिता का खिताब जीता था। दूसरी ओर, भारत की जया कपूर ने बालिका वर्ग में शानदार प्रदर्शन के बूते दोहरा खिताब जीता। अपनी जोड़ी दार शगुन कुमारी के साथ गुरूवार को युगल खिताब जीत चुकी जया ने शुक्रवार को फाइनल में अपनी युगल जोड़ीदार शगुन को 6-3, 6-0 से हराकर बालिका एकल खिताब जीता।

अब क्रिकेट की पिच पर भी दो दो हाथ करेंगी भाजपा और सपा

कानपुर। देश की राजनीति में महती भूमिका निभाने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंदिता जगजाहिर है मगर अब ये दोनो पार्टियों के विधायक और मंत्री क्रिकेट की पिच पर एक दूसरे को चुनौती पेश करते नजर आयेंगे। दरअसल, देश में खेल और फिजिकल फिटनेस को बढ़ावा देने के मकसद से भाजपा और सपा की टीमों के बीच तीन अक्टूबर को ग्रीनपार्क में 16-16 ओवर का मैत्री क्रिकेट मैच दूधिया प्रकाश में खेला जायेगा। मैच के आयोजक और गोचिंदनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र मैथानी ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों को बताया कि मैत्री मैच की खासियत होगी कि चार खिलाड़ी भाजपा के सपा की टीम को दिये जायेंगे, जबकि सपा के चार खिलाड़ी भाजपा की टीम के लिये खेल कर मैच को मैत्री बनायेंगे। मैच का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना करेंगे जबकि कमेंटरी हास्य कलाकार अन्नू अवस्थी करेंगे। विधायक ने कहा कि मैत्री क्रिकेट सीरीज का दूसरा मैच नोएडा में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के नेतृत्व में देश के सांसदों और उत्तर प्रदेश के विधायकों की टीम के बीच खेला जाएगा।

चेन्नईयिन एफसी ने आईएसएल सीजन-9 के लिये टीम की घोषणा की

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की दो बार की चैंपियन चेन्नईयिन एफसी ने टूर्नामेंट के नौवें सीज़न के लिये शुक्रवार को टीम की घोषणा की। नासिर एल खयाती सातवें विदेशी उपलब्धि के रूप में क्लब में शामिल हुए हैं। उन्होंने मिडफ़ील्ड विकल्प के रूप में राफेल क्रिवेलारो की जगह ली है। नीदरलैंड के एल खयाती सेनेगल के फालो डायग्ने, ईरानी डिफेंडर वाफा हखमनेशी, जर्मनी के जूलियस डुकर, घाना के क्वामे करिकरी और क्रोएशिया के पेटार स्लीस्कोविक के साथ शामिल होंगे। इन सभी खिलाड़ी ने डूरंड कप में भी भाग लिया है। चेन्नईयिन एफसी आईएसएल-9 में अपने अभियान की शुरुआत 10 अक्टूबर को एटीके मोहन बागान के खिलाफ करेगी। आईएसएल सीजन 9 के लिए चेन्नईयिन की टीम में गोलकीपर : देबजीत मजूमदार, समिक मित्रा, देवांश डबास, लवप्रीत सिंह हैं। डिफेंडर्स : नारायण दास, आकाश सांगवान, वफा हखमनेशी, फालू डायगने, गुरमुख सिंह, मो. साजिद धोत, अजित कुमार, मोनोतोष चकलादार, मो. आकिब शामिल हैं। मिडफील्डर = नासिर एल खयाती, जितेश्वर सिंह, अनिरुद्ध थापा, एडविन वंसपॉल, जूलियस डुकर, सजल बैग, क्रिस व्हाइट, मोहम्मद रफीक, सौरव दास, सुहैल पाशा।

टी20 विश्व कप 2022 जीतने वाली टीम को मिलेंगे 16 लाख डॉलर

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष टी20 विश्व कप 2022 जीतने वाली टीम को 16 लाख डॉलर (13 करोड़ 53 हज़ार 760 रुपये) की पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया जायेगा। आईसीसी ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। आईसीसी ने बताया कि 13 नवंबर को होने वाले फाइनल हारने वाली टीम को आठ लाख डॉलर (छह करोड़, 50 लाख, 56 हज़ार 880 रुपये) की पुरस्कार राशि दी जायेगी, जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को चार-चार लाख डॉलर (तीन करोड़, 25 लाख 31 हज़ार 200) दिये जायेंगे। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2021 की तरह ही सुपर-12 चरण से बाहर होने वाली आठ टीमों को 70 हज़ार डॉलर मिलेंगे। अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका सुपर-12 में पहुंच चुके हैं। पहले दौर में बाहर हुई चारों टीमों को प्रत्येक को 40,000 डॉलर मिलेंगे। जिन टीमों के अभियान पहले दौर में शुरू होंगे, उनमें नामीबिया, नीदरलैंड, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे शामिल हैं।

एशियाई खेल जीतना अगला लक्ष्य : वंदना

नयी दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया ने शुक्रवार को कहा कि इस समय टीम का लक्ष्य अगले साल एशियाई खेल जीतकर पैरिस ओलंपिक 2024 के लिये सीधा क्वालीफाई करना है। वंदना ने चीन में होने वाले एशियाई खेलों के बारे में कहा, हर किसी का लक्ष्य अगले साल एशियाई खेल जीतना है और इसके लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम राष्ट्र कप जैसे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करके सही गति बनाए रखें जिससे हमें एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिए क्वालीफाई करने में मदद मिलेगी। भारतीय टीम को एशियाई खेलों से पहले दिसंबर में होने वाले नेशन्स कप में भी हिस्सा लेना है। वंदना ने कहा कि टीम इस समय सही रास्ते पर चल रही है, जिसका एक प्रमाण एफआईएच स्टार अवार्ड्स जैसे शीर्ष पुरस्कारों में टीम का नामांकन है। टीम की कप्तान सविता पूनिया को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर के लिए नामांकित किया गया, जबकि युवा और आगामी खिलाड़ी मुमताज खान को साल का उभरता हुआ सितारा पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

मोटरस्पोर्ट क्लब महासंघ के अध्यक्ष बने इब्राहिम

चेन्नई। पूर्व रेसर अकबर इब्राहिम तीसरी बार भारतीय मोटरस्पोटर्स क्लब महासंघ (एफएमएससीआई) के अध्यक्ष चुने गये हैं। एफएमएससीआई की वार्षिक बैठक में गुरुवार को यह निर्णय लिया गया। मेको मोटरस्पोर्ट्स का प्रतिनिधित्व करते हुए इब्राहिम दो साल का अपना तीसरा कार्यकाल पूरा करेंगे। इससे पहले वह 2016-2018 और 2020-2022 में भी महासंघ के अध्यक्ष रह चुके हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले इब्राहिम को एफआईए अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग समिति का अध्यक्ष भी चुना गया था। कर्नाटक मोटर स्पोर्ट्स क्लब के प्रतिनिधि गौतम बी शनटप्पा एफएमएससीआई के उपाध्यक्ष चुने गये। इसके अलावा जे पृथ्वीराज (कोयंबटूर ऑटो स्पोर्ट्स क्लब), भारत विवेक चंडोक (मद्रास मोटर स्पोर्ट्स क्लब), प्रतिम चौधरी (बंगाल मोटर स्पोर्ट्स क्लब), हरि सिंह (प्रदर्शन कार रेसिंग ट्रस्ट), राज कपूर (उत्तरी मोटरस्पोर्ट्स), जे बालमुरुगन (स्पिटफायर मोटर स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड), केतन मेहता (इंडियन ऑटोमोटिव रेसिंग क्लब) और वीर रैना (कलकत्ता मोटर स्पोर्ट्स क्लब) को काउंसिलर नियुक्त किया गया है।

चोटग्रस्त बुमराह की जगह सिराज ने ली

मुंबई/गुवाहाटी। अखिल भारतीय वरिष्ठ चयनकर्ता समिति ने चोटग्रस्त जसप्रीत बुमराह के स्थान पर मोहम्मद सिराज को दक्षिण अफ्रीका टी20 श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने शुक्रवार को कहा कि बुमराह की पीठ में चोट आई है और वह बीसीसीआई चिकित्सीय दल की देखरेख में हैं। अगर सिराज रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फील्ड पर उतरते हैं तो वह सात महीने बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेंगे। उन्होंने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय फरवरी 2022 में श्रीलंका के विरुद्ध खेला था। रोहित शर्मा की टीम को आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के लिए रवाना होने से पहले दो टी20 मैचों में प्रोटियाज का सामना करना है जो क्रमश: दो अक्टूबर और चार अक्टूबर को खेले जायेंगे। उल्लेखनीय है कि सिराज भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं।

भारत की धरोहर, विकास यात्रा का हिस्सा रहे हैं खेल : मोदी

देश के प्रयास और उत्साह केवल एक खेल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि 'कलारीपयट्टू' और योगासन जैसे भारतीय खेल भी महत्व प्राप्त कर रहे हैं

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरूवार को कहा कि खेल हजारों वर्षों से भारत की धरोहर और विकास यात्रा का हिस्सा रहे हैं।

मोदी ने आज यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 36वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करते देश की सभ्यता और संस्कृति के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा, खेल हजारों वर्षों से भारत की विरासत और विकास यात्रा का हिस्सा रहा है। आज़ादी के अमृतकाल में देश इस परंपरा को गर्व के साथ पुनर्जीवित कर रहा है। देश के प्रयास और उत्साह केवल एक खेल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि 'कलारीपयट्टू' और योगासन जैसे भारतीय खेल भी महत्व प्राप्त कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि इन खेलों को राष्ट्रीय खेलों जैसे बड़े आयोजनों में शामिल किया गया है।

उन्होंने इन खेलों का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों से कहा, मैं एक बात विशेष रूप से कहना चाहता हूं। आप एक तरफ हजारों साल पुरानी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं, साथ ही साथ खेल जगत के भविष्य को नेतृत्व दे रहे हैं। आने वाले समय में जब इन खेलों को वैश्विक पहचान मिलेगी तो आपका नाम इन क्षेत्रों में लीजेंड के तौर पर लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन पर उत्साहजनक माहौल शब्दों से परे है। उन्होंने कहा कि 7000 से अधिक एथलीट, 15000 से अधिक प्रतिभागी, 35000 से अधिक कॉलेज, विश्वविद्यालय और स्कूल एवं 50 लाख से अधिक छात्रों का राष्ट्रीय खेलों से सीधा जुड़ाव अद्भुत और अभूतपूर्व है।

उन्होंने कहा कि एथलीटों के चेहरे पर चमक रहा आत्मविश्वास भारतीय खेलों के आने वाले स्वर्ण युग का अग्रदूत है। उन्होंने इतने कम समय में इतना बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए गुजरात के लोगों की क्षमता की भी प्रशंसा की।

उन्होंने बुधवार को आयोजित ड्रोन शो के बारे में कहा, अहमदाबाद में जिस तरह का शानदार, भव्य ड्रोन शो हुआ, वो देखकर तो हर कोई अचंभित है, गर्व से भरा हुआ है। टेक्नोलॉजी का ऐसा सधा हुआ इस्तेमाल गुजरात और भारत को नई ऊंचाई पर ले जाएगा

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फुटबाल, हॉकी, बास्केटबॉल, कबड्डी, बॉक्सिंग और लॉन टेनिस जैसे अनेकों खेलों की सुविधा एक साथ उपलब्ध है। यह एक तरह से पूरे देश के लिए एक मॉडल है।

उन्होंने कहा कि इस समय नवरात्रि का पावन अवसर भी चल रहा है और मां दुर्गा की उपासना से लेकर गरबा तक गुजरात की अपनी अलग ही पहचान है। उन्होंने कहा, जो खिलाड़ी दूसरे राज्यों से आए हैं, उनसे मैं कहूंगा कि खेल के साथ ही यहां नवरात्रि आयोजन का भी आनंद जरूर लीजिये।

मोदी ने राष्ट्रीय जीवन में खेलों के महत्व पर बल देते हुए कहा, खेल के मैदान में खिलाड़ियों की जीत, उनका दमदार प्रदर्शन अन्य क्षेत्रों में भी देश की जीत का मार्ग प्रशस्त करता है। खेलों की सॉफ्ट पावर देश की पहचान और छवि को कई गुना बढ़ाती है।

उन्होंने कहा, मैं अक्सर अपने खेल से संबंधित दोस्तों को बताता हूं कि सफलता कार्रवाई से शुरू होती है। यानी जिस क्षण आप शुरुआत करते हैं, उसी क्षण सफलता भी शुरू हो जाती है। अगर आपने आगे बढ़ने की भावना को नहीं छोड़ा है, तो जीत आपका पीछा करती रहती है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय खेलों का आयोजन पहली बार गुजरात में हो रहा है। यह 29 सितंबर से 12 अक्टूबर 2022 तक आयोजित किये जाएंगे। देश भर के लगभग 15,000 खिलाड़ी, कोच और अधिकारी 36 खेल विषयों में भाग लेंगे, जिससे यह अब तक का सबसे बड़ा राष्ट्रीय खेल बन जाएगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री आवास में सेंध, 'ऑडियो लीक' के बाद हटाई गई जासूसी डिवाइस; बदले नियम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का प्रधानमंत्री आवास भी सुरक्षित नहीं है। यहां से हाल ही में एक जासूसी डिवाइस के जरिए प्राइवेट बातचीत लीक होने का मामला सामने आया है। पाकिस्तान के पीएम आवास से अनौपचारिक बातचीत के लीक होने की जांच के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने पूरे परिसर की तलाशी ली और डिबगिंग की है। पाकिस्तान के मंत्री ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान इसकी पुष्टि की। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम आवास से जासूसी डिवाइस बरामद की गई। शीर्ष समिति ने शुक्रवार को पीएम आवास के पूरे

परिसर की तलाशी और जासूसी उपकरण हटाने का काम पूरा कर लिया है। सोशल मीडिया पर पिछले सप्ताह डाली गई, इस तरह की प्रथम लीक क्लिप में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और प्रधान सचिव तौकीर शाह के बीच हुई बातचीत का अंश है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान के पीटीआई नेताओं के साथ बातचीत का एक और ऑडियो शुक्रवार को लीक हो गया। हाल में लीक हुए ऑडियो में, असद उमर, शाह महमूद कुरैशी और आजम खान सहित पीटीआई के तीन नेताओं को पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान के साथ अमेरिकी साइफर (गूढ़लेख) के बारे में बात करते हुए सुना जा सकता है।

बुधवार को एक ऑडियो क्लिप लीक हुआ जिसमें खान अपनी सरकार को गिराने की कथित साजिश के बारे में बात कर रहे थे। समाचार पत्र 'डॉन' की खबर के अनुसार, ''इमारत का गहन निरीक्षण किया गया और टीम प्रधानमंत्री आवास और कार्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों के मोबाइल फोन डाटा और लैपटॉप की भी जांच कर रही है।'' पाकिस्तान सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह प्रधानमंत्री आवास की सुरक्षा के लिए कुछ मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को बदलने सहित आवश्यक कदम उठा रही है, जिसके तहत किसी भी कर्मचारी और अधिकारी को परिसर के अंदर अपना मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं है।

खबर के अनुसार, फोन प्रवेश द्वार पर एकत्र किए जाते हैं और कार्यालय समय के बाद वापस कर दिए जाते हैं। इस बीच, एक महानिदेशक की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास में एक साइबर सुरक्षा विभाग का गठन किया जा रहा है।

अमेरिकी सेना के डॉक्टर, पत्नी पर रूस के लिए जासूसी का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना के एक मेजर डॉक्टर और उनकी पत्नी पर रूसी सरकार को जानकारी मुहैया कराने की योजना बनाने का आरोप लगाया गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक जेमी ली हेनरी और एना गैब्रिएलियन पर एक सैन्य अस्पताल में मरीजों के बारे में गोपनीय जानकारी साझा करने की योजना बनाने का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, हेनरी और उनकी पत्नी गैब्रिएलियन ने कथित तौर पर एक अंडरकवर फैड्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (एफबीआई) एजेंट को बताया कि वे रूस के लिए देशभक्ति से प्रेरित थे। बीबीसी ने कहा कि पति और पत्नी पर मैरीलैंड के बाल्टीमोर की एक अदालत में दायर एक अभियोग में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लीक करने की साजिश का आरोप लगाया था। जिसे गुरुवार को उनकी गिरफ्तारी के बाद हटा दिया गया था। अभियोजकों ने कहा कि दंपति रूसी सरकार को अमेरिकी सरकार और सेना से जुड़े व्यक्तियों की चिकित्सा स्थितियों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद करना चाहते थे और हेनरी ने निजी मेडिकल रिकॉर्ड पाने के लिए अपने आपको सुरक्षित करने की भी योजना बना ली थी।

अफगानिस्तान में शियाओं का फिर कत्लेआम, जुमे पर धमाके से 19 लोगों की मौत और 27 घायल

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शिया बहुल इलाके में शुक्रवार तड़के बम ब्लास्ट हुआ। इसकी चपेट में आने से 19 लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हुए हैं। तालिबान की ओर से नियुक्त प्रवक्ता खालिद जदरान ने बताया कि दशती बारची इलाके में शुक्रवार सुबह यह विस्फोट हुआ। इस क्षेत्र में अधिकतर अफगानिस्तान के अल्पसंख्यक शिया समुदाय के लोग रहते हैं। विस्फोट की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दशती बारची इलाके में एक एजुकेशन सेंटर में आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया। मृतकों और घायलों में ज्यादातर हाई स्कूल के छात्र और छात्राएं हैं। ये बच्चे यहां पर यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे थे। इसे काज हायर एजुकेशन सेंटर के तौर पर जाना जाता है, जो बच्चों को कॉलेज एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कराता है।

'छात्रों से भरे कमरे को निशाना बनाना शर्मनाक'

अफगानिस्तान के लिए अमेरिकी प्रभारी करेन डेकर ने ट्वीट करके हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा, परीक्षा देने वाले छात्रों से भरे कमरे को निशाना बनाना शर्मनाक है। सभी छात्रों को शांति से और बिना किसी डर के पढ़ाई करने का अधिकार है। हम पीड़ितों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं और मृतकों के परिवारों के प्रति शोक जाहिर करते हैं।

हाल ही में मस्जिद के पास हुआ था धमाका

सालभर पहले अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद से इस तरह के एक के बाद कई हमले हुए हैं। इसी महीने 23 तारीख को काबुल में एक मस्जिद के पास कार बम विस्फोट में सात लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई बच्चों समेत 41 अन्य घायल हो गए थे।

शहर के राजनयिक क्षेत्र में इस विस्फोट के बाद आसमान में काला धुंआ छा गया और इस दौरान कई मिनट तक गोलियों की आवाज सुनी गई। मस्जिद के समीप सड़क के किनारे विस्फोटकों से लदी गाड़ी खड़ी की गई थी और जुमे की नमाज के बाद नमाजी जब मस्जिद से बाहर आ रहे थे तब उसमें विस्फोट कराया गया।

ब्रिटेन में तैयार किया गया नए डिजाइन का सिक्का

लंदन। किंग चार्ल्स तृतीय की विशेषता वाला पहला 50पी का सिक्का क्रिसमस से पहले प्रचलन में आ जाएगा। द सन द्वारा शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, द रॉयल मिंट महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के जीवन और विरासत का जश्न मनाने के लिए एक स्मारक सिक्का संग्रह शुरू करने के लिए तैयार है। पहले सिक्के की तुलना में इस सिक्के की डिजाइन कुछ खास तरीके से तैयार की गई। जिससे दोनों में अंतर साफ नजर आ रहा है। द सन के अनुसार, सिक्के के पीछे की तरफ राजा के पुतले वाली ही डिज़ाइन है जो दो जून, 1953 को उनके स्वर्गीय महामहिम के राज्याभिषेक के उपलक्ष्य मं 1953 के ताज पर दिखाई दिया था। राजा के पुतले को मूर्तिकार मार्टिन जेनिंग्स द्वारा डिजाइन किया गया है। सिक्का महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के सम्मान में रॉयल मिंट द्वारा जारी सिक्कों के एक विशेष संग्रह का हिस्सा है। 50पी के सिक्के का एक स्मारक संस्करण पांच पाउंड के सिक्के के साथ बिक्री पर जाएगा। ब्रिटेन की रॉयल मिंट कंपनी ने द सन को बताया कि जब तक नए सिक्के जारी नहीं हो जाते हैं, तब तक पुराने सिक्कों को ही प्रचलन में रखा गया है। वर्तमान में ब्रिटेन में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के पुतले वाले लगभग 27 अरब सिक्के चल रहे हैं। रॉयल मिंट ने बताया कि वह एक जनवरी से केवल चार्ल्स तृतीय की विशेषता वाले सिक्के बनाएगा।

ताइवान के बेड़े में शामिल हुआ नया उभयचर युद्धपोत

ताइपे। ताइवान की नौसेना ने अपने बेड़े में स्वदेश निर्मित एक नया उभयचर युद्धपोत शामिल किया है जिसका उपयोग सैनिकों के आवागमन और असुरक्षित द्वीपों पर आपूर्ति को मजबूती प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। यह जानकारी अल जज़ीरा ने शुक्रवार को दी। अल जजीरा ने कहा कि ताइवान के सबसे ऊंचे पर्वत के नाम पर इस टैंक का नाम यू शान रखा गया है, इसका वजन 10,600 टन है जिसे ताइवान के आधुनिकीकरण के नवीनतम विकास के रूप में देखा जा सकता है क्योंकि चीन की ओर से इस स्वतंत्र द्वीप पर हमेशा दबाव डाला जाता रहा है। ताइवान के दक्षिणी बंदरगाह शहर काऊशुंग में इस युद्धपोत की आपूर्ति वाले एक समारोह में ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने कहा,जहां तक चीन की ओर से सैन्य खतरे की बात है, केवल अपनी आत्मरक्षा क्षमताओं को मजबूती प्रदान करना ही सच्ची शांति दे सकती है। उन्होंने कहा कि यू शान देश के युद्धपोतों के उत्पादन को बढ़ावा देने और देश की आत्मरक्षा के साधन के रूप में अपनी स्वायत्तता सुनिश्चित करने की दिशा में ताइवान के प्रयासों का एक सच्चा गवाह है। इस टैंक को राज्य द्वारा समर्थित सीएसबीसी कॉर्प ताइवान ने बनाया है। यह हवा और जमीन के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है, इसमें एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलें लगी हुई है और यह एंटी-मिसाइल गन के खिलाफ उपयोग किए जाने वाले एक फॉरवर्ड तोप से लैस है। ताइवान को लंबे समय से चीन के लिए युद्ध का आसान लक्ष्य माना जाता रहा है।

श्रीलंका सरकार का तख्तापलट करने का किया था प्रयास

कोलम्बो। श्रीलंका पुलिस ने कुछ राजनेताओं की कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों के रूप में संसद पर कब्जा करने की संलिप्तता की व्यापक जांच शुरू की है, जिन्होंने जुलाई में नए राष्ट्रपति का चुनाव कराने के लिए सरकार का तख्तापलट करने का प्रयास किया था। उच्च पदस्थ सूत्रों ने द डेली मिरर को बताया कि इन राजनेताओं ने इसमें शामिल पक्षों के साथ बातचीत भी की थी और उनके कृत्यों की जांच की जा रही थी। द मिरर ने कहा कि कोलम्बो में हाई-सिक्योरिटी जोन घोषित करने वाले पिछले हफ्ते के गजट को उलट दिया जाएगा, सरकार आने वाले दिनों में सुप्रीम कोर्ट को बताएगी कि सुरक्षा ज़ोन की आवश्यकता क्यों है और सूचीबद्ध साइटों को संरक्षित करने की आवश्यकता क्यों पड़ी है। द मिरर के अनुसार बड़े पैमाने पर विरोध के मद्देनजर श्रीलंका से तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के जाने के बाद सांसदों को एक नए राष्ट्रपति का चुनाव करने से रोकने के लिए खुद को प्रदर्शनकारियों के रूप में प्रस्तुत करने वाले एक समूह को संसद को घेरना और अपने कब्जे में लेना था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

परिवर्तित खेती की आधुनिक युग में प्रासंगिकता

प्राचीन समय से अवधारणा है कि कृषि उत्पादन की तकनीक ऐसी होना चाहिए कि वह जीवन के पांच तत्व- भूमि, पानी, वायु, अग्नि एवं अंतरिक्ष (स्पेस) के प्रति सकारात्मक रहे। इस सर्वकालिक अवधारणा क अनुरूप, वर्ष 1980 के दशक से, परिवर्तित/जैविक खेती पर इस आधुनिकतम युग में सूक्ष्म अनुसंधान कार्य की निरंतरता बनाए रखी है इस अनुसंधान के महत्वपूर्ण बिन्दु जो उभर कर आये हैं वह इस प्रकार है।

भूमि जीवित है

मिट्टी में प्रचुर मात्रा में जैव कार्बन (0.5 प्रतिशत व अधिक) रहता है ऐसी भूमि में इन जीवों का वजन एक टन प्रति हेक्टेयर का अनुमान है। आबोहवा का कार्बन (सीओटू) हयूमस खेत के कचरे-बायोमास के विघटन से बनता है।

परिणामत

स्थानीय कचरा-बायोमास, खनिज, पशुओं का गोबर इत्यादि को जीवाणु कल्चर के संग आर्गेनिक मेन्यूअर-खाद के रुप में संवर्धित करें। संवर्धित मेन्यूअर उपलब्ध पोषक तत्वों की उपयोग क्षमता को बढ़ाता है। उत्पादन-उत्पादकता, भूमि की जीवंत प्रणाली के इर्द-गिर्द घूमती है।

भूमि का संरक्षण

प्रकृति के अनमोल उपहार भूमि-मिट्टी, जीव एवं जीवाश्म व पानी-जल को खेत व खेत के आसपास संरक्षित और सजीवता की अहम भूमिका है। भूमि पर विषैले रसायन जैसे कीट, फफूंद व खरपतवार-चारा नाशक के उपयोग से परहेज करे। इन रसायनों के अधिक उपयोग से भूमि की सजीव प्रणाली शनैः - शनैः नष्ट हो जाती है। प्राण विहीन विषैली मिट्टी के रुखापन, सख्त-कठोरता से उत्पादन शक्ति कम होती है।

भूमि के जहर को निष्क्रिय करें

पौधे की बुनियाद-प्राण जड़ों में है। फिक्र जड़ों की करें, वह अपनी दृष्टि से दूर जमीन में रहती है। रुट झोन रायजोस्फीयर याने जड़ों के आस-पास में प्राण वायु का संचार, जल-नमी की उपलब्धता, भूमि का उचित तापमान, भूमि में जड़ो के विकास के लिए मुनासिब रहे यह बुनियादी आवश्यकता है। इस हेतु भूमि की गुडाई के साथ प्रोटीन हाइड्रोलायसेस का छिड़काव व भूमि पर पल्वार, तापमान को समायोजित रखते हैं। प्रोटीन हायड्रोलायसेट (गोबर, दाल या खली, गुड़, गोमूत्र, खमीर का किण्वन-फरमेन्टेशन प्रॉडक्ट) को भूमि की विषाक्ता-जहर को निष्क्रिय करने- जहर को उतारने हेतु भूमि व पौधों पर छिड़काव, अंकुरण के बाद में व 30-40 दिन की अवस्था में करें। यह छिड़काव पौधों की वृद्धि व भूमिगत जीवों की संख्या तेज गति से बढ़ती है। परिणामः ऐन टैगनिस्ट-शत्रु जीवाणुओं को समाप्त कर उपयोगी जीवाणु-माइक्रोफलोरा, पौध पोषण जो स्थायी अपरिवर्तनीय (फिक्सट) अवशोषणी (आयनिक) रुप में परिवर्तित होने पर पौधों की जड़ों में प्रवेश लेना संभव होता है।

जैव विविधता

प्रत्येक फार्म के चारों तरफ कई प्रकार की वनस्पति होना चाहिए। पौधे जिसका उपयोग कीट नियंत्रण हेतु जैसे नीम, महुआ, रत्नजोत, गेंदा, तुलसी, सुर्जना, आयपोमिया, अकुआ, धतूरा, लहसुन, मिर्च, सीताफल की पत्तियां-बीज इत्यादि को स्थान दें। इस के उपरांत पक्षी, मेंढक, उल्लू, सर्प वर्ग के जीव, मित्र कीट को संरक्षण दे। यह प्राकृतिक संतुलन को बनाये रखना में उपयोगी है। समस्त जीवों के हित में इसे संरक्षण दें फार्म के आस-पास ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के अलावा प्राकृतिक आवास स्थलों में।

कैसे- मोनोकाट फसलों में, जैसे गेहूं की जड़ों पर माईकोराइजा सहजीवी फफूंद पाई जाती है। इस फफूंद के हायपा सूक्ष्म दर्शी ट्यूब मोनोकाट की जड़ें व दलहन की जड़ ग्रंथियों के मध्य पोषक तत्वों की आवक-जावक में सहयोग करती है। यह त्रिपक्षीय सहयोग का उदाहरण है। इस प्राकृतिक व्यवस्था का उपयोग करते हुए मोनोकाट गेहूं का पोषण हेतु रासायनिक/जैव खाद से प्राप्त होने वाले नत्रजन पर निर्भरता 70-80 प्रतिशत तक कम करना संभव होता है। इस प्राकृतिक सिद्धांत का लाभ लेना चाहिए। इसे किस प्रकार से निश्चित कार्य रुप दिया जाए? गेहूं के साथ में दलहनी चारा बरसीम/सेंजी (मिलीलोटस), लुसर्न को सहयोगी फसल के रुप में लगायें।

जल संवर्धन

प्राकृतिक संपदा मिट्टी, जीवाश्म व जल संवर्धन एक दूसरे के अनुकूल व संपूरक है। इस प्रकल्प की पूर्ति हेतु प्रत्येक खेत के आसपास मेढ़ के स्थान पर नालियां बनाए। प्रत्येक फार्म, फार्म के निकट पोखर/छोटी कुइया बनें। यह रिचार्ज-जल रिसन में सहायक होते है। तकनीक देखने में छोटी प्रतीत होती है पर परिणाम बहुआयामी है। भूमिगत जल स्तर में भारी गिरावट आ रही है। भूमिगत जल स्तर को तेजी से ऊपर उठानें हेतु, टयुब वेल-नलकूप क आस पास गहरे रिचार्ज सेफट बनाए। इसे पोखर-तालाब में भी बनाएं। ऊपरी पर्तो-प्रोफाइल के जल की गुणवत्ता बेहतर रहती है जो उर्वरा भूमि व कम्पोस्ट के संग उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि करना संभव हो जाता है विशेष कर मानसून आधारित खेती से भी। परिवर्तित खेती अपनाने पर खेती लाभ का व्यवसाय के साथ में सहायक रोजगार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था विकसित करने के लक्ष्य की पूर्ति संभव है। परिवर्तित खेती अपनाने पर रोजगार के अवसर में वृद्धि से युवा वर्ग भी ग्रामीण क्षेत्र के इकोफ्रेन्डली वातावरण में रहना पसंद करेगा।

उपसंहार

प्रस्तावित परिवर्तित खेती तकनीक के पक्ष में ठोस वैज्ञानिक अनुसंधन के सकारात्मक निष्कर्ष है। इस विषय पर वृद्ध विवेचना पुस्तक परिवर्तित खेती व पर्यावरण सुरक्षा लेखक वि-न.श्रॉफ में दी गई है। यह मौलिक ग्रंथ है, जो दक्षता के साथ तर्क-वितर्क के चातुर्य से आश्वस्त करते हुए अपील की गई है कि पुनः परिवर्तित-जैविक खेती को अपनाया जाय। इस पुस्तक को कृषि कार्यमाला का व्यवहारिक रूप दिया गया है। इस में प्रत्येक स्टेक होल्डर को लक्ष्य में रखा है, जैसे कृषक, उपभोक्ता, अनुसंधानकर्ता, विद्यार्थी, ट्रेनर-प्रशिक्षक, व्यवसायी, सामाजिक नियोजनकर्ता इत्यादि को। द्वितीय हरितक्रांति की सफलता का आधार स्तंभ है, ज्ञान व दक्षता। सदाबहार उच्च उत्पादन को प्राप्त करने का लक्ष्य है, किसी भी प्रकार से पर्यावरण को हानि न पहुंचाते हुए। इस के साथ में हरित-ग्रीन जी.डी.पी. विकास जौ विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थो की कीमतों की उथल-पुथल को नियंत्रण में रखते हुए। मंदी के दौर से उभरते हुए, भूख व कुपोषण से निजात पाने में प्रस्तावित तकनीक सहायक है। इस से ही सामाजिक न्याय की परिकल्पना को मूर्त रुप देने में सफलता मिलेगी।

जैव उर्वरक के गुण

जैव उर्वरक (खेती के लिए एक अनिवार्य आदान-प्रदान)

पोषण भोजन सजीवों की प्राथमिक आवश्यकता है जो पौधों की वृद्धि एवं विकास में सहायक है, जिसमें सभी तत्वों का आवश्यक एवं संतुलित मात्रा में होना अति आवश्यक है, पौधों के लिए मुख्यतः हवा, पानी, भूमि तथा उर्वरकों से प्राप्त होते है। पोषक तत्वों को पौधों की प्रायः अवस्था में बदलने का कार्य सूक्ष्म जीवों द्वारा किया जाता है। ये सूक्ष्म जीव ही जैव उर्वरकों के नाम से जाने जाते हैं, जो भोजन की पूर्ति के साथ-साथ फसल को कई प्रकार से लाभांवित करते हैं, जैसे पादप क्रियाओं में वृद्धि पौधों के लिए विटामिंस तथा हारमोन्स का निर्माण तथा उनका क्रियांवयन, एंटीबायोटिक व रोग निरोधक क्षमता का निर्माण तथा पौधों के जड़ भाग में नमी का संरक्षण कर अन्य कई प्रकार से पौधों को सुरक्षा प्रदान करते हुए मिट्टी की उर्वरता को लम्बे समय उपजाऊ बनाने में सहायक है। अतः जैव उर्वरक भूमि की लम्बी आयु के द्योतक है।

राइजोबियम

यह जीवाणु सभी दलहन फसलों के जड़ भाग में ग्रंथि का निर्माण कर दलहन फसलों की 80-90 प्रतिशत मांग की पूर्ति करता है। जिसे बीजोपचार द्वारा 10 से 12 किलो बीज में एक राइजोबियम 200 ग्राम के पैकेट को एक गिलास पानी या चावल के माड में लेही बनाकर बीजों में मिलाया जाता है। तथा सभी दलहनों के लिए अलग-अलग विशेष राइजोबियम कल्चर का प्रयोग होता है।

एजेटोबेक्टर

यह जीवाणु कल्चर सभी फसलों के लिए नत्रजन की 15 से 35 किलो प्रति हेक्टेयर तक की पूर्ति करता है।

एजोस्पिरिलिम

यह जीवाणु एजोटोबेक्टर जैसा ही जैव उर्वरक है तथा इसे बीजोपचार पौध-जड़ोपचार तथा मिट्टी उपचार द्वारा सभी फसलों में प्रयोग किया जा सकता है। तथा नत्रजन की स्थिरीकरण क्षमता 20-20 किलो प्रति फसल है।

एसीटोबेक्टर

यह जैव उर्वरक मुख्यतः गन्ने के लिए विशेष उपयोगी है। गन्ने के साथ-साथ शर्करा वाली फसलों के सम्पूर्ण भाग में पनपकर 65 से 150 किलो प्रति हेक्टर तक नत्रजन की पूर्ति करता है।

पीएसबी कल्चर

इसमें प्रयोग होने वाले जीवाणु खेत में पड़े फास्फोरस को जो कि पौधों को पूरी तरह प्राप्त नहीं होता, को घुलनशील अवस्था में परिवर्तित कर फसल के लिए उपयोगी बनाता है जिससे व्यर्थ फास्फोरस का अधिकतम उपयोग हो जाता है जिससे फसल को 10-40 किलो फास्फोरस उपलब्ध होकर फसल में 7-21 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है तथा सभी फसलों के लिए लाभदायक होता है।

वैम माइकोराइजा

यह जीवित लाभदायक फफूंदी जो फसलों के सम्पूर्ण जड़ भाग में पनपकर पौधों में फास्फोरस के साथ-साथ अनेक सभी आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता को बढ़ाते हैं तथा नमी संरक्षण व कई रोगों से सुरक्षा प्रदान करते है। उसका उपयोग बीजोपचार व पौध-जड़ोपचार द्वारा किया जा सकता है।

एजोला एवं बीजीए

एजोला एक जलीय खरपतवार है। इसे तालाब व झील आदि से एकत्रित कर धान के खेत में डाल सकते हैं। जबकि बीजीए कल्चर (5 किलो प्रति एकड़) को जैव उर्वरक उत्पादन केन्द्र से खरीद कर धान के खेत में रोपाई के समय प्रयोग करते हैं तथा दोनों ही अलग-अलग 30 से 40 किलो प्रति हेक्टर नत्रजन की पूर्ति करते है। एजोला एवं बीजीए दोनों ही धान के लिये उपयोगी है।

कम्पोस्ट डिकम्पोजर

यह कल्चर गोबर की खाद व कम्पोस्ट की विच्छेदन क्रिया को तेल कर कम समय में खाद तैयार हो जाती है तथा इस कल्चर को 1 से 3 प्रतिशत कच्चे खाद की मात्रा के अनुसार गड्डों में मिला देते हैं।

रोग बायोकन्ट्रोलर

ऐसे बहुत से कल्चर अब बाजार में उपलब्ध होने लगे है कि जैविक क्रिया के उत्पादों द्वारा कई बीमारियों एवं कीट-लार्वा आदि से फसल सुरक्षा करते है तथा फसलों में कल्चर की तरह से प्रयोग किये जाते हैं।

प्लांट राजोबैक्टिरिया

इसमें प्राप्त लाभदायक सभी जीवाणु जो पौधों के जड़ क्षेत्र में पनपते हुए फसलों को विभिन्न प्रकार से लाभांवित करते हैं जिसमें मृदा, पौधों दोनों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

जैव उर्वरकों की प्रयोग विधि

बीजोपचार

सीधी बिजाई वाली सभी फसलों के लिए बीजोपचार उत्तम तरीका है। इसके लिए नत्रजन देने वाले तथा फास्फोरस देने वाले एक-एक पैकेट को घोले पानी अथवा ठंडे चावल के मांड में लेही बनाकर 10-12 किलो बीज पर काली परत चढ़ाने तक मिलायें तथा छाया में सुखाकर तुरंत बिजाई करें।

पौध जड़ोपचार

रोपाई की जाने वाली सभी फसलों के लिए 2 किलो एजेटोबेक्टर/एजोस्पिरिलम तथा उतनी ही मात्रा में फास्फोटिका आवश्यक जल में घोल बनाकर एक-दो घंटे रखें तथा धान के लिए रात भर रखें। इससे एक एकड़ पौध की रोपाई की जा सकती है।

मिट्टी उपचार

चार किलो एजेटोबेक्टर एजोस्पिरिलम अथवा दोनों दो-दो किलो तथा चार किलो पीएसबी कल्चर को उचित नमी वाले 100 से 150 किलो गोबर की तैयार खाद में मिश्रण तैयार कर 24 घंटे बाद फसलों की जड़ वाले भाग में प्रयोग करें।

गहरी जुताई बड़ी कमाई

रबी की फसल कटाई के बाद अप्रैल से जून तक मिट्टी पलटने वाले हल या डिस्क प्लाऊ से की जाने वाली जुताई ग्रीष्मकालीन जुताई कहलाती है। यह जुताई आगामी खरीफ फसलों के लिए बहुत ही लाभकारी होती है । एक ही प्रकार के कृषि यंत्रों जैसे देशी हल या ट्रैक्टर चलित कल्टीवेटर आदि द्वारा खेतों की लगातार जुताई करते रहने के कारण भूमि में एक निश्चित गहराई में कठोर परत बन जाती है। इस आंतरिक कठोर सतह के कारण वर्षा का जल भूमि में ठीक से प्रवेश नहीं कर पाता। भूमि, वर्षा जल का नहीं हो पाने से जल बहकर खेत से बाहर निकल जाता है । जिससे भूमि में नमी का उचित संरक्षण नहीं हो पाता । इसको उपयुक्त दशा में लाने के लिए रबी की फसल काटते ही जुताई आंरभ कर देनी चाहिए। क्योंकि फसल कटने के तुरंत बाद मिट्टी में थोड़ी बची नमी में भी जुताई करने में आसानी रहती है । बाद में मिट्टी की नमी के वाष्पीकरण से खेत सूख जाते हैं और गहरी जुताई करना कठिन हो जाता है। प्रत्येक तीसरे वर्ष खेतों की गहरी जुताई 40 सेमी. या इससे अधिक गहराई तक आवश्यक रूप से करनी चाहिए। ग्रीष्मकालीन जुताई के निम्न लाभ हैं -

मिट्टी के जल सोखने की क्षमता में वृद्धि - खेत की गहरी जुताई करने से मिट्टी पलट जाती है और भूमि के अन्दर निर्मित कठोर सतह के टूट जाने से गहराई तक भुरभुरी बन जाती है । इससे मानसून की पहली वर्षा का अधिकांश पानी जमीन के अंदर चला जाता है जो खरीफ फसलों के लिए बहुत ही लाभकारी होता है। पहली वर्षा के जल में वायुमण्डल में उपस्थित नाइट्रोजन भी घुली होती है और यह जल भूमि में प्रवेश कर खेत की उर्वराशक्ति में बढ़ोतरी करती है । जमीन में वर्षा का पानी प्रवेश करने से भूमि के जलस्तर में वृद्धि होती है। वर्षा आधारित असिंचित कृषि में ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई का भी विषेश महत्व है क्योंकि ऐसी स्थिति में फसलों सें अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने के लिए वर्षा जल का अधिक मात्रा में भूमि के अंदर संचय होना आवश्यक है ।

मिट्टी के वायु संचार में वृद्धि - मिट्टी में बीजों का अंकुरण जड़ो की वृद्धि, उचित वायु संचार तथा मिट्टी जल को उचित मात्रा में बनाये रखने के लिए खेत में जैव कार्बनिक पदार्थ मिलाकर अच्छी प्रकार से जुताई करना चाहिए । जुताई से भूमि में जीवांश पदार्थ सड़कर पौध पोषक तत्वों में बदल मात्रा में बने रहते है तथा सूक्ष्म जीवों को उचित मात्रा में आक्सीजन मिलती रहती है ।

मिट्टी में उचित तापमान बनाये रखना- बोई गई फसल बीजों का अंकुरण कृषि भूमि के उचित तापमान पर निर्भर करता है । ग्रष्मिकालीन गहरी जुताई से मिट्टी अच्छी तरह पलट जाती है तथा भूमि के अंदर मिट्टी संरचना में सुधार होने से सूर्य की किरणें सीधी भूमि के अंदर पहुंच जाती है। इससे खरीफ फसलों के बोये गये बीजों का अंकुरण सही तापमान पर आसानी से हो जाता है तथा पौधों का विकस अच्छा होता हैं।

मिट्टी के गुणों में सुधार- भूमि की ऊपरी सतह पर रबी फसलों के बचे हुए पौध व खरपतवारों के अवशेश गर्मी में खेत की गहरी जुताई करने पर मिट्टी में अच्छी तरह से दब जाते हैं।